प्रयागराज, रविवार 01 मार्च 2026 से शनिवार 07 मार्च 2026 तक
वर्ष-14 अंक-09
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक
नगर संस्करण
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

संक्षिप्त समाचार

एनसीईआरटी विवाद के बाद फिर भड़के सीजेआई बोले हर एक नीति में दखल क्यों?

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत इन दिनों अपने महत्वपूर्ण रुख और टिप्पणियों के कारण चर्चा में है। हाल ही में शैक्षिक पाठ्यक्रम में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार जैसे विषयों को शामिल करने पर अपनी नाराजगी जाहिर करने के बाद, अब मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने न्यायिक दखलअंदाजी की सीमाओं पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। परमाणु ऊर्जा नीति से जुड़ी एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने स्पष्ट संकेत दिया है कि सरकार के हर नीतिगत फैसले को न्यायिक जांच के दायरे में लाना न तो आवश्यक है और न ही देश हित में उचित। मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने अदालतों के अति-हस्तक्षेप पर सवाल उठाए।

एनसीआर में 1 मार्च से तेज सतही हवाएं चलेंगी, बढ़ेगा तापमान

नई दिल्ली। एनसीआर में मौसम स्थिर बना हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, हालांकि 1 मार्च से दिन के समय तेज सतही हवाएं चलने का पूर्वानुमान है। इससे तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी और दिन में गर्मी का अहसास होने लगेगा। आईएमडी की वेबसाइट पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। सुबह वातावरण में हल्की धुंध छाई रही। वहीं 1 मार्च को भी अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। हल्की धुंध रहने की संभावना है। आर्द्रता का स्तर अधिकतम 80 फीसदी और न्यूनतम 30 फीसदी रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक 2 मार्च को भी अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा, लेकिन दिन में तेज सतही हवाएं चलेंगी।

अगर फैसला गलत लिया जाता है तो सही करने ऊपरी अदालतें होती हैं

धर्मशाला। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने दिल्ली के तथाकथित शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को बरी किए जाने पर कहा कि अगर फैसला गलत लिया जाता है तो उसको सही करने के लिए ऊपरी अदालतें होती हैं। रिजिजू शनिवार को हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला पहुंचे। यहां केजरीवाल और सिसोदिया को लेकर उन्होंने कहा कि यह एक सामान्य प्रक्रिया है। निचली अदालत के फैसले में अगर कोई गलती रह जाती है तो उसके सुधार के लिए ऊपरी अदालत में मामले को ले जाया जाता है। गलत फैसला दिया गया या अगर तथ्यों की ठीक से जांच नहीं की गई, तो ऊपरी अदालत में अपील फाइल की जा सकती है, जहां से सही फैसला लिया जाता है।

राजस्थान में पीएम मोदी का मेगा ऐलानः 'वादे तेजी से पूरे हो रहे',17 हजार करोड़ के परियोजनाओं की सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अजमेर में 16,680 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ, उद्घाटन और शिलान्यास किया। इससे शहरी विकास, पेयजल आपूर्ति, सड़कें, सिंचाई, ऊर्जा और औद्योगिक अवसंरचना सहित प्रमुख क्षेत्रों को और बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के बाद एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की दो इंजन वाली सरकार ने दो साल पूरे कर लिए हैं और राज्य अब विकास के एक नए पथ पर अग्रसर है।

मोदी ने कहा कि विकास के जिन वादों के साथ भाजपा सरकार आपकी सेवा करने आई थी, उन्हें तेजी से पूरा किया जा रहा है। और आज का दिन विकास के इस अभियान को और गति देने का दिन है। इस अवसर के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ ही समय पहले राजस्थान में भाजपा की दो इंजन वाली सरकार ने 2 साल पूरे किए हैं। मुझे खुशी है कि आज राजस्थान विकास के एक नए पथ पर अग्रसर है। कार्यक्रम के शुभारंभ पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज यहां राजस्थान के विकास से संबंधित लगभग 17,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई और उनका उद्घाटन किया गया। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा - हर क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। इन सभी परियोजनाओं से राजस्थान के लोगों की सुविधा बढ़ेगी और राजस्थान के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'दो साल पहले तक राजस्थान से भर्तियों में भ्रष्टाचार और कागजी कार्रवाई में ढील की खबरें ही छाई रहती थीं। अब राजस्थान में कागजी कार्रवाई में ढील पर लगाम लग गई है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

रोजगार सृजन के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 21,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ा बदलाव है। मैं इस बदलाव, नई नौकरियों और विकास के सभी कार्यों के लिए राजस्थान के सभी लोगों को हार्दिक बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने अजमेर से राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान का भी शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज, वीर महिलाओं की इस धरती से मुझे पूरे देश की बेटियों के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान शुरू करने का अवसर मिला है।

दिल्ली में गर्मी का 'अर्ली अटैक'! पिछले 3 साल की सबसे गर्म फरवरी, पारा 32 डिग्री के पार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस साल फरवरी के महीने ने पिछले तीन वर्षों के गर्मी के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। मौसम विभाग (घ्श्उ) के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, इस साल फरवरी का औसत अधिकतम तापमान 26.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसने पिछले दो सालों (2024 और 2025) की ठंडक को पीछे छोड़ दिया है। शुक्रवार को सफदरजंग वेधशाला में तापमान 31.9 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुँचा, जो इस पूरे महीने का सबसे गर्म दिन रहा।भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में औसत अधिकतम तापमान इससे अधिक आखिरी बार 2023 में दर्ज किया गया था, उस वक्त यह आंकड़ा 28.2 डिग्री सेल्सियस था।पिछले वर्ष औसत अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस और 2024 में 24.4 डिग्री सेल्सियस था। इस वर्ष फरवरी में औसत न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस रहा। सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 13.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.6 डिग्री अधिक था, जबकि लोधी रोड में 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक था। रिज स्टेशन पर न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस और आयानगर में 13.2 डिग्री सेल्सियस रहा।इस बीच, शुक्रवार को 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 200 रहा, जो मध्यम श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के समीर ऐप के अनुसार, शाम के समय 22 निगरानी स्टेशनों ने वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में दर्ज की, 14 ने खराब , जबकि दो स्टेशनों ने वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की। सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच वायु गुणवत्ता स्तर को अच्छा , 51 से 100 को संतोषजनक , 101 से 200 को मध्यम , 201 से 300 को खराब , 301 से 400 को अत्यंत खराब और 401 से 500 को गंभीर माना जाता है।दैनिक वायु गुणवत्ता श्रेणियों के संदर्भ में, इस फरवरी में राजधानी में 20 दिन खराब और दो दिन बहुत खराब रहे, जबकि चार दिन मध्यम श्रेणी में रहे।

ईरान इजरायल तनाव के बीच इंडिगो का बड़ा फैसला यात्रियों के लिए जारी की यात्रा संबंधी सलाह

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस ने शनिवार को एक यात्रा सलाह जारी करते हुए कहा कि क्षेत्र में बदलती भू-राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर वह ईरान और उसके हवाई क्षेत्र से संबंधित क्षेत्रीय अपडेट पर बारीकी से नजर रख रही है। इंडिगो नें" पर एक पोस्ट में कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और एयरलाइन की टीमें स्थिति में बदलाव के अनुसार आवश्यक समायोजन करने के लिए तैयार हैं। इंडिगो ने पोस्ट किया कि हम ईरान और उसके हवाई क्षेत्र से संबंधित क्षेत्रीय अपडेट पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हमारे यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारी टीमें स्थिति में बदलाव के अनुसार आवश्यक समायोजन करने के लिए तैयार हैं। एयरलाइन ने यात्रियों को प्रस्थान से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह दी। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों को प्रस्थान से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह दी जाती है। किसी भी

प्रभाव की स्थिति में, पंजीकृत संपर्क विवरणों के माध्यम से तुरंत अपडेट सूचित किए जाएंगे।

इंडिगो ने कहा कि वह यात्रियों को लगातार सूचित करता रहेगा और इस दौरान अटूट सहयोग प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगा। यह यात्रा सलाह मध्य पूर्व क्षेत्र में, विशेष रूप से ईरान और इज़राइल के बीच बढ़ते तनाव के बीच जारी की गई है, जिससे ईरानी हवाई क्षेत्र से होकर गुजरने वाली उड़ानों और मार्गों पर संभावित रूप से असर पड़ सकता है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने भी आज एक सुरक्षा सलाह जारी की है और भारतीय नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए एक बड़े संयुक्त सैन्य हमले के मद्देनजर अत्यधिक सावधानी बरतें और अनावश्यक गतिविधियों से बचें।

इज़राइल और अमेरिका ने ईरान पर संयुक्त सैन्य हमला किया, जिसका कोडनेम 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' था। इस हमले में सैन्य ठिकानों, मिसाइल उत्पादन सुविधाओं और सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के कार्यालय के पास के क्षेत्रों को निशाना बनाया गया। द टाइम्स ऑफ इज़राइल के अनुसार, यह नाम प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा तय किया गया था, क्योंकि भारतीय रक्षा बल ने हमलों के लिए एक अलग आंतरिक नाम रखा था।

आनंदमठ उपन्यास ने देशवासियों में राष्ट्रभाव पुष्ट किया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय साहित्य परिषद द्वारा शुक्रवार को प्रवासी भवन, नई दिल्ली में बंकिमचंद्र चटर्जी कृत आनंदमठ उपन्यास पर गोष्ठी आयोजित की गई। इस गोष्ठी की अध्यक्षता इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती के अध्यक्ष विनोद बब्बर ने की। संचालन दक्षिणी विभाग अध्यक्ष सारिका कालरा एवं धन्यवाद ज्ञापन अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के केंद्रीय कार्यालय मंत्री संजीव सिन्हा ने किया। गोष्ठी में अपने विचार रखते हुए अखिल भारतीय साहित्य परिषद के अ.भा. संगठन मंत्री मनोज कुमार ने कहा कि आनंदमठ ने भारत माता के सगुण साकार रूप को प्रतिष्ठित किया और भारत माता की जय का उद्घोष किया। इस उपन्यास में अच्छा नागरिक बनने को परम कर्तव्य बताया गया है। इस कृति में प्रकृति, श्रृंगार एवं सौंदर्य का गहरा वर्णन किया गया है।

विरोध का मामला में उदय चिब को मिली जमानत कांग्रेस बोली-अंततःन्याय की जीत हुई,हमें भरोसा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के अध्यक्ष उदय भानु चिब के पिता ने शनिवार को अपने बेटे को जमानत दिए जाने के लिए न्यायपालिका को धन्यवाद दिया और कहा कि इससे न्यायिक व्यवस्था में उनका भरोसा और मजबूत हुआ है। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को चिब को जमानत दे दी, जिन्हें 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में हुए विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। चार दिन की पुलिस हिरासत समाप्त होने के बाद चिब को रात करीब एक बजे ड्यूटी मजिस्ट्रेट वंशिका मेहता के सामने पेश किया गया।

दिल्ली पुलिस ने मजिस्ट्रेट से चिब की हिरासत सात दिन और बढ़ाने का अनुरोध किया, हालांकि, अदालत ने यह आग्रह ठुकरा दिया और उसे जमानत दे दी। चिब के पिता हरि सिंह ने न्यायपालिका को धन्यवाद देते हुए कहा, ''मैं न्यायपालिका का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। अगर कहीं से न्याय मिल सकता है, तो वह न्यायपालिका ही है।'' हरि सिंह भी कांग्रेस पार्टी के सदस्य हैं।

सिंह ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने उनके बेटे के खिलाफ आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों से संबंधित धाराओं सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''उनपर इतने सारे आरोप लगाए गए थे कि उनके लिए जमानत मिलना नामुमकिन था। हालांकि, जब अदालत ने मामले की जांच की और वास्तविकता को देखा, तो पाया कि मामले में कोई ठोस सबूत नहीं है।'' उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने चिब के मोबाइल फोन की पूरी तरह से जांच की, लेकिन उन्हें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। उन्होंने कहा, ''इसके बावजूद, उन्होंने (पुलिस ने) रात एक बजे फिर से सात दिन की रिमांड मांगी, लेकिन न्यायाधीश ने न्याय किया। मैं आशावान और अत्यंत आभारी हूं। उदय को जमानत देने के लिए मैं अदालत का धन्यवाद करता हूं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता गुलाम अहमद मीर ने कहा कि कानून ने अपना काम किया है। मीर ने कहा, ''हमेशा कहा जाता है कि कानून अपना काम करता है। वास्तव में, कानून ने अपना काम किया है। हम अदालत के फैसले का स्वागत करते हैं। अंततः न्याय की जीत हुई है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि चिब को अवैध रूप से गिरफ्तार किया गया और एक मामले में फंसाया गया। मीर ने कहा, ''हमें न्यायपालिका और न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है।

भाजपा क्षेत्रीय भाषाओं को खत्म कर हिंदी की सर्वोच्चता थोपना चाहती है

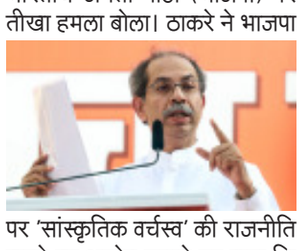

मुम्बई। मराठी गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। ठाकरे ने भाजपा

पर 'सांस्कृतिक वर्चस्व' की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र की सत्ताधारी पार्टी क्षेत्रीय पहचान को मिटाकर हिंदी की सर्वोच्चता स्थापित करने के मिशन पर है।उद्धव ठाकरे मराठी गौरव दिवस के अवसर पर पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि भाजपा की नीति क्षेत्रीय भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों को खत्म करने की है क्योंकि वह हिंदी की सर्वोच्चता स्थापित करना चाहती है। ठाकरे ने दावा किया कि भाजपा शिवसेना (उबाठा) को खत्म करना चाहती है क्योंकि वह जानती है कि जब तक यह पार्टी अस्तित्व में है, 'मराठी मानुष' गर्व से खड़े रहेंगे।उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र को एक क्षेत्रीय दल की जरूरत है और वह दल शिवसेना (उबाठा) है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी को लोगों पर थोपा नहीं जाना चाहिए। ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी का उपयोग अनिवार्य करने वाली सरकार भी उन्हीं की थी। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार द्वारा मराठी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदम बाद की सरकारों द्वारा रोक दिए गए।भाषा और 'मराठी अस्मिता' का कार्ड खेलकर ठाकरे ने न केवल अपने कैडर में जोश भरने की कोशिश की है, बल्कि भाजपा को 'मराठी विरोधी' दिखाने का दांव भी चला है।

एक तरफ कांग्रेस से गठबंधन पर बात, दूसरी ओर स्टालिन ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली। वरिष्ठ नेता शनिवार को चेन्नई स्थित द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के मुख्यालय अन्ना अरिवलयम पहुंचे, जहां उन्होंने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे की व्यवस्था पर चर्चा की। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि गठबंधन सहयोगी चुनाव से पहले औपचारिक विचार-विमर्श शुरू कर रहे हैं। इससे पहले शुक्रवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडंकर ने पुष्टि की कि द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत जारी है। मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डीएमके नेतृत्व से मुलाकात के बाद वे आगे की जानकारी देंगे और लोगों से धैर्य रखने और अटकलों से बचने का आग्रह किया।

जन सुरक्षा अधिनियम के दुरुपयोग पर जम्मू एवं कश्मीर हाईकोर्ट ने की सख्त टिप्पणी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में जन सुरक्षा अधिनियम के तहत लगभग दो वर्ष से निरुद्ध एक युवक की रिहाई का आदेश देते हुए प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि जिस तरह से इस मामले में जन सुरक्षा अधिनियम लागू किया गया, वह सामान्य यातायात चालान जारी करने से भी अधिक लापरवाही और गैर गंभीरता को दर्शाता है। एकल पीठ के न्यायमूर्ति राहुल भारती ने 20 अप्रैल 2024 को जारी निरोध आदेश को रद्द करते हुए 28 वर्षीय शबीर अहमद डार को रिहा करने का निर्देश दिया। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि अनंतनाग जिले के कोकेरनाग निवासी शबीर अहमद डार के विरुद्ध की गई कार्रवाई आरंभ से ही अवैध थी। हम आपको बता दें कि जन सुरक्षा अधिनियम यानि पीएसए के तहत किसी व्यक्ति को बिना मुकदमे के अधिकतम दो वर्ष तक हिरासत में रखा जा सकता है। न्यायालय ने अपने हालिया आदेश में कहा कि इस मामले में जन सुरक्षा अधिनियम को जिस गैर गंभीर मानक के साथ लागू किया गया, वैसा व्यवहार तो किसी वाहन चालक के साथ नियमित यातायात चालान जारी करते समय भी नहीं किया जाता। अदालत की यह टिप्पणी प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारी और विवेक के प्रयोग पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है।

हम आपको बता दें कि कि जम्मू-कश्मीर के कई प्रमुख राजनेता लंबे समय से जन सुरक्षा अधिनियम के कथित दुरुपयोग का मुद्दा उठाते रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और पीपुल्स कांफ्रेंस के नेता सज्जाद लोन ने सैकड़ों लोगों को अवैध रूप से इस कानून के तहत निरुद्ध किए जाने का आरोप लगाया है और ऐसे लोगों की रिहाई की मांग की है। जहां तक शबीर अहमद डार का मामला है तो आपको बता दें कि अनंतनाग के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने 17 अप्रैल 2024 को जिला मजिस्ट्रेट को एक विवरणिका सौंपते हुए डार को जन सुरक्षा अधिनियम के तहत निरुद्ध करने की सिफारिश की थी। विवरणिका में दावा किया गया था कि उसकी गतिविधियां जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा के लिए प्रतिकूल हैं। इसके बारह दिन बाद जिला मजिस्ट्रेट ने डार को जम्मू की एक जेल में निरुद्ध करने का आदेश जारी कर दिया था। हम आपको बता दें कि जन सुरक्षा अधिनियम की धारा 8 जिला मजिस्ट्रेट को राज्य की सुरक्षा के आधार पर किसी भी व्यक्ति को निरुद्ध करने की शक्ति प्रदान करती है। हालांकि अदालत ने पाया कि इस मामले में जिला मजिस्ट्रेट ने स्वतंत्र रूप से अपने विवेक का उपयोग नहीं किया। न्यायालय ने कहा कि दो पृष्ठों की पुलिस विवरणिका और जुलाई 2022 में गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम के तहत दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर निरोध आदेश पारित कर दिया गया। निरोध आदेश के आधारों में शबीर अहमद डार के कोकेरनाग स्थित एक मदरसे में कार्य करने का उल्लेख किया गया था। साथ ही उस पर फेसबुक, वाट्सऐप और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया मंचों पर संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त होने का आरोप भी लगाया गया। किंतु अदालत ने इस बात पर गंभीर आपत्ति जताई कि जिस प्राथमिकी का हवाला दिया गया, उसमें डार न तो आरोपी के रूप में नामित था और न ही वह किसी मुकदमे में विचाराधीन कैदी था।

हम आपको बता दें कि शबीर अहमद डार ने मई 2024 में उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और अपने निरोध को चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति राहुल भारती ने कहा कि यह निरोध आदेश वस्तुतः अनंतनाग के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कथन पर आधारित था और जिला मजिस्ट्रेट ने किसी भी स्तर पर स्वतंत्र रूप से विचार नहीं किया। अदालत ने टिप्पणी की कि केवल एक सामान्य और अस्पष्ट संदर्भ के आधार पर किसी व्यक्ति को निवारक हिरासत में रखना कानून की मूल भावना के विपरीत है।

न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि याचिकाकर्ता को केवल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के एक खाली संदर्भ और जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समान रूप से सतही विचार के आधार पर निवारक हिरासत में रखा गया। इस प्रकार की कार्रवाई न केवल विधि के शासन के सिद्धांतों का उल्लंघन है, बल्कि नागरिक स्वतंत्रताओं के लिए भी गंभीर खतरा है।

अंतरिक्ष में इतिहास रचने वाले शुभांशु शुक्ला की कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब हमारी पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने पूछा था राकेश शर्मा जी से जो पहले भारत के अंतरिक्ष यात्री थे कि वहां से भारत कैसा दिखता है? तो उन्होंने कहा था सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा। 25 जून 2025 की दोपहर जैसे ही घड़ी में 12:01 का वक्त दिखाया भारत का दिल एक साथ धड़क उठा अमेरिका के कनेडी स्पेस सेंटर से जैसे ही फाल्कन रॉकेट से बंधा स्पेस एक्स का ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट आसमान की ऊंचाइयों की ओर बढ़ा। उसमें सवार एक भारतीय का नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। वो नाम है शुभांशु शुक्ला। राकेश शर्मा के बाद 41 साल तक भारत ने इंतजार किया था। उस पल का जब कोई भारतीय दोबारा अंतरिक्ष की दहलीज पर कदम रखेगा और इस इंतजार को तोड़ा लखनऊ के लाल भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने। एक्सियम4 मिशन नासा और स्पेस एक्स का यह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष अभियान केवल अमेरिका या पश्चिमी देशों के लिए वैज्ञानिक प्रयोग का प्लेटफार्म नहीं रहा। इस बार इसमें भारत की भावनाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं भी सवार थी। शुभांशु ने उड़ान से पहले कहा यह सिर्फ मेरी उड़ान नहीं है बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के सपने लेकर जा रहा हूं। उनकी यह बात सिर्फ शब्द नहीं एक भावनात्मक संकल्प था। भारत की अंतरिक्ष यात्रा को आगे ले जाने का। यह मिशन पहले 10 जून को ल्च होना था। लेकिन खराब मौसम के चलते एक दिन के लिए पोस्टपोन किया गया।

एक डेकोरेटेड पायलट होने के साथ-साथ वह एक टेस्ट पायलट भी हैं। उनके परिवार का भी उनकी सफलता में बड़ा कंट्रीब्यूशन है। पिताजी रामभू दयाल शुक्ला साहब यूपी सचिवालय से रिटायर्ड जॉइंट सेक्रेटरी हैं। मां ने हमेशा सपनों को सपोर्ट किया। उनकी पत्नी काम्या एक डेंटिस्ट हैं और उनका छ साल का बेटा किंयाश भी इस हिस्टोरिक मोमेंट का हिस्सा बनने के लिए सुपर एक्साइटेड है। शुभांशु तीन भाई बहनों में सबसे छोटे हैं। बहनें निधि और सुची दोनों ही उन्हें सपोर्ट करती आई हैं। डिफेंस फोर्सेस ज्वाइन करने वाले अपने परिवार के वो पहले व्यक्ति हैं। **स्पेस स्टेशन से समुद्र तक शुभ का मंगल सफरः** डिपार्चर बर्नः स्पेस स्टेशन से अलग होने के बाद वह पृथ्वी की कक्षा में घूमने लगता है। इस प्रक्रिया में इंजन बर्न कर या को कक्षा से दूर जाने लगता है। **फेजिंग बर्नः** इस चरण में यान अपनी कक्षा में स्थिति को इस तरह से बदलता है ताकि वह सही समय पर पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर सके। इसे ऑर्बिटल फेजिंग कहा जाता है। **डी-ऑर्बिट बर्नः** अब यान पृथ्वी की ओर गिरने के लिए अंतिम बार अपने इंजन को जलाता है, जिससे उसकी गति और ऊंचाई कम होती है। यह कदम उसे पृथ्वी की वायुमंडलीय परत में प्रवेश के लिए तैयार करता है। **ट्रंक को अलग करना :** स्पेसक्राफ्ट का पीछे वाला हिस्सा (ट्रक) जो ऊर्जा और सहायक प्रणाली ले जाता है, उसे मुख्य कैप्सूल से अलग कर दिया जाता है, क्योंकि वह अब वापसी में उपयोगी नहीं रहता। **वायुमंडल में प्रवेशः** यह सबसे कठिन चरण होता है जब यान अत्यधिक गति और गर्मी के साथ पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करता है। हीट शील्ड इसका तापमान से बचाव करता है। **पैराशूट खोलनाः** वायुमंडल में घर्षण के कारण यान की गति धीमी हो जाती है, इसके बाद एक के बाद एक पैराशूट खुलते हैं ताकि यान की गति और अधिक कम हो सके और वह सुरक्षित तरीके से नीचे आ सके। **पानी में उतरना :** अंत में यान महासागर में धीरे-धीरे उतरता है, जिसे स्प्लैशडाउन कहा जाता है। यहां से कू को रिकवरी टीम द्वारा सुरक्षित बाहर निकाला जाता है।

गगनयान मिशन के लिए कारगर होगी शुभांशु की स्टडीः अंतरिक्ष में जीवन को समझने के लिए शुभांशु शुक्ला ने किए सात अहम प्रयोग। ये गगनयान मिशन के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इनका मकसद यह समझना था कि शून्य गुरुत्वाकर्षण में जीवन कैसे प्रभावित होता है। इन प्रयोगों में माइक्रोएल्गी, बीजों का अंकुरण जैसे विषय शामिल थे। सूक्ष्म जीव पर अध्ययन से यह समझने में मदद मिलेगी कि जीवन अत्यधिक तापमान में कैसे जीवित रह सकता है।मांसपेशियों पर शोध से जानने की कोशिश की गई कि अंतरिक्ष में कोशिकाएं कैसे व्यवहार करती है, क्या पुनर्जीवित हो सकती हैं। हरित शैवाल पर अध्ययन यह देखने के लिए था कि क्या इनका विकास अंतरिक्ष में भी संभव है। इनसे ऑक्सिजन और भोजन मिल सकते हैं। 'वॉयेजर डिस्प्ले' की स्टडी अंतरिक्ष उड़ान में आंखों की गति और समन्वय पर असर को समझने के लिए की गई। **18 दिन अंतरिक्ष स्टेशन में बिताए, दो दिन आने-जाने में लगेः** शुभांशु शुक्ला समेत चारों अंतरिक्ष यात्रियों ने 20 दिन के इस मिशन में 18 दिन अंतरिक्ष स्टेशन पर बिताए और एक दिन उन्हें स्पेस स्टेशन तक पहुंचने में और एक दिन धरती तक लौटने में लगा। यह अमेरिकी कंपनी स्पेसएक्स द्वारा इंसानों को कक्षा में भेजने का 18वां मिशन था। इस प्राइवेट अंतरिक्ष मिशन पर शुभांशु शुक्ला को भेजने के लिए भारत ने लगभग 550 करोड़ रुपए खर्च किए। अनुकूल स्थिति हासिल करने के लिए चार दिन बढ़ाया था मिशनः स्पेस स्टेशन पर रहते हुए इस मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों ने कुल 31 देशों के सहयोग से 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग और तकनीकी परीक्षण पूरे किए। इस मिशन के दौरान अमेरिका, भारत, पोलैंड, हंगरी, सऊदी अरब, ब्राजील, नाइजीरिया, संयुक्त अरब अमीरात और यूरोप के कई देशों के सहयोग से वैज्ञानिक अध्ययन और तकनीकी परीक्षण किए गए। इस मिशन की शुरुआत 26 जून को फ्लोरिडा स्थित नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से हुई थी। इस मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों ने स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट से ग्रेस अंतरिक्ष यान के जरिए उड़ान भरी और एक दिन बाद अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से सफलतापूर्वक डॉकिंग की।

विद्यार्थियों के साथ परिसर में धार्मिक भेदभाव किया जाना निंदनीयः अभाविप

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, सोनभद्र के संज्ञान में यह अत्यंत गंभीर विषय आया है कि रॉबर्ट्सगंज स्थित एक पब्लिक स्कूल में बोर्ड परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों के हाथ में बंधा कलावा तथा गले में पहनी धार्मिक माला को विद्यालय के शिक्षक द्वारा जबरन काट दिया गया। यह कृत्य न केवल विद्यार्थियों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाला है, बल्कि उनके मौलिक अधिकारों का भी उल्लंघन है।

इस संबंध में जब जिला विद्यालय निरीक्षक को सूचना दी गई, तब भी संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। विद्यालय के प्राचार्य द्वारा यह कहा गया कि यह नियम विद्यालय द्वारा स्वयं बनाया गया है। जबकि सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) की आधिकारिक गाइडलाइन में इस प्रकार का कोई प्रावधान नहीं है कि परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों के धार्मिक प्रतीकों को हटाया जाए, जब तक कि वे किसी प्रकार की अनुचित सामग्री न हों। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, सोनभद्र इस घटना की कड़ी निंदा करता है। परिषद का मानना है कि

परीक्षा की मर्यादा बनाए रखना आवश्यक है, परंतु इसके नाम पर विद्यार्थियों की आस्था एवं सांस्कृतिक परंपराओं का अपमान किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। अतः परिषद की मांगें निम्नलिखित हैं: उक्त घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषी शिक्षक/प्रशासन के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाए। विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों से सार्वजनिक रूप से क्षमा याचना की जाए। भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। जिला विद्यालय निरीक्षक इस विषय में स्पष्ट लिखित स्पष्टीकरण दें। यदि शीघ्र ही उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, सोनभद्र लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय प्रशासन एवं शिक्षा विभाग की होगी। अंत में, परिषद यह स्पष्ट करना चाहती है कि विद्यार्थियों के सम्मान, अधिकार और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा हेतु वह सदैव प्रतिबद्ध है।

मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के साथ हुआ एनएसएस शिविर का शुभारंभ

प्रतापगढ़। तहसील लालगंज अन्तर्गत राजकली रमाशंकर शुक्ल स्नातकोत्तर महाविद्यालय मोठिन जलेशरगंज में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ हुआ। प्रधान अनेहरा दिवाकर शुक्ल, प्रधान मोठिन रामकृष्ण द्विवेदी व डॉ0 सर्वेश कुमार त्रिपाठी द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। एनएसएस के शिविरार्थियों सुहानी, अंजली, काजल द्विवेदी, कोमल, सुनैना, क्रांति, अंतिमा, शिवम गुप्ता ने सरस्वती वंदना, स्वागत गान व स्वच्छता गीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। शिविरार्थियों द्वारा एनएसएस गीत उठे समाज के लिए उठें ने मंत्रमुग्ध किया। वक्ताओं ने कहा कि शिविर का मुख्य उददेश्य छात्र छात्राओं में सामाजिक सेवा व स्वच्छता और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करना होता है। कार्यक्रमाधिकारी प्रमोद कुमार ने शिविर की कार्यवृत्ति प्रस्तुत की। इस मौके पर संतोष मिश्र, पंकज मिश्र, रवि प्रकाश यादव, सुरेशचंद्र त्रिपाठी, सोनम, धीरेन्द्र आदि मौजूद रहे।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सब्सिडी उपलब्ध कराये जाने का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया गया

रायबरेलीः- मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ द्वारा लोकभवन सभागार, लखनऊ में 1500 करोड़ की धनराशि से उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड उज्ज्वला परिवारों को रसोई गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी का वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसका सजीव प्रसारण जनपद के रायबरेली क्लब, सिविल लाइन में किया गया। इस कार्यक्रम में उज्ज्वला योजना के लगभग 500 लाभार्थी उपस्थित रहे, जिनके द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी के उज्ज्वला कार्यक्रम के सम्बोधन को सुना गया। इस कार्यक्रम में मा0 विधायक सदर अदिति सिंह, मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अंजू लता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उज्ज्वला योजना के 10 लाभार्थियों अतिथियों द्वारा एवं उपस्थित अन्य समस्त उज्ज्वला लाभार्थियों को होली के त्यौहार पर सब्सिडी के रूप में रू0 901.00 का प्रतीकात्मक चेक वितरित किया गया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी अहमद फरीद खान, उप जिलाधिकारी सचिन यादव, जिला पूर्ति अधिकारी उबेदुर्रमान एवं ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधि व लाभार्थीगण उपस्थित रहें।

राजकीय मुद्रणालय श्रमिक संघ के चुनाव सम्पन्न, नए पदाधिकारियों की घोषणा

रवि कान्त अध्यक्ष और राम रतन बने मंत्री

प्रयागराज। राजकीय मुद्रणालय श्रमिक संघ प्रयागराज के चुनाव आज संपन्न हुए, जिसमें विभिन्न पदों के लिए मतदान शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में कराया गया। परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों के नामों की आधिकारिक घोषणा की गई। घोषित परिणाम के अनुसार संरक्षक हरीशरण सिंह को अध्यक्ष पद पर रविकांत निर्वाचित किया गया।

रविकांत अध्यक्ष (विशेष दायित्व) चुने गए। उपाध्यक्ष पद पर महेंद्र कुमार एवं विद्या मार्तंड दुबे विजयी घोषित हुए। कोषाध्यक्ष पद पर दीपचंद निषाद निर्वाचित हुए। संयुक्त मंत्री पद पर दिनेश कुमार सोनकर तथा संजय कुमार ने जीत दर्ज की। महामंत्री पद पर राम रतन सिंह निर्वाचित घोषित किए गए। कार्यकारी सदस्यों में क्रमशः मंगेश कुमार, त्रिलोकी नाथ, विजय कथूरिया, जगदीश कुमार, मनोज कुमार, श्री मती कमल रतन, गौतम डे, शाफ़िक़ अहमद, अर्जुन लाल, अचल कुमार, संजय सिंह तथा अरशद विजयी रहे। चुनाव प्रक्रिया का संचालन चुनाव अधिकारी राधेश्याम पांडेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रयागराज क्षेत्र के विभाग प्रमुख भीम शंकर सिंह राजकीय मुद्रणालय श्रमिक संघ के पूर्व अध्यक्ष भी उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूत बनाने तथा कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा गया और सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई दी गई।

प्रयागराज नैनीः भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल महामंत्री विनोद तिवारी को जन्मदिन पर भावुक सम्मान

प्रयागराज।हेमवती नंदन बहुगुणा नगर नैनी मंडल के पूर्व मंडल महामंत्री विनोद तिवारी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई के साथ श्री राम टूर एंड ट्रेवल्स परिवार ने विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया। महाकाल महाराज

की कृपा बनाए रखने की कामना के बीच तिवारी जी को पुष्प अर्पित कर बधाई दी गई। पुराने ग्राहकों का सम्मान, भावुक पलट्रेवल्स परिवार से वर्षों से जुड़े तिवारी जी के साथ पुराने ग्राहक श्री सत्येन्द्र श्रीवास्तव जी और श्री बैजनाथ जी को अंगवस्त्र तथा हनुमान चालीसा चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। यह समारोह विश्वास और वफादारी के रिश्तों को मजबूत करने वाला साबित हुआ। प्रयागराज के नैनी क्षेत्र में ट्रेवल्स की यह पहल सराहनीय रही। समुदाय में सकारात्मक संदेशश्री राम टूर एंड ट्रेवल्स ने इस आयोजन से स्थानीय समुदाय में सौहार्द का संदेश दिया। ऐसे भावुक समारोह स्थानीय स्तर पर सामाजिक बंधनों को मजबूत करते हैं।

विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026: युवाओं ने लोकतंत्र पर रखा सशक्त दृष्टिकोण

सोनभद्र। विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 का गरिमामय आयोजन विंध्य कन्या पीजी कॉलेज , रॉबर्ट्सगंज में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जनपद के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से चयनित 18-25 आयु वर्ग के 25 युवाओं ने इसमें सक्रिय और सारगर्भित सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम में स्वागत गीत सृष्टि, दिव्या, रागिनी द्वारा किया गया । इस वर्ष यूथ पार्लियामेंट का केंद्रीय विषय था– 'आपातकाल के 50 वर्षः भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक'। प्रतिभागियों ने ऐतिहासिक संदर्भों, संवैधानिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा नागरिक अधिकारों के परिप्रेक्ष्य में अपने विचार प्रभावशाली एवं तार्किक ढंग से प्रस्तुत किए। युवाओं की अभिव्यक्ति में लोकतांत्रिक चेतना, संवैधानिक प्रतिबद्धता तथा राष्ट्रनिर्माण के प्रति जागरूकता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। प्रतियोगिता के परिणामस्वरूप सुश्री

तनुश्री ने प्रथम, आंचल सोनी ने द्वितीय, नामीरा अली ने तृतीय, गुंजन पाण्डेय ने चतुर्थ तथा सुश्री अंजलि ने पंचम स्थान प्राप्त किया। चयनित प्रतिभागी अब उत्तर प्रदेश विधानसभा में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय युवा संसद में जनपद सोनभद्र का प्रतिनिधित्व करेंगे और प्रदेश स्तर पर अपने विचारों के माध्यम से जनपद की आवाज को सशक्त करेंगे। मुख्य अतिथि भूपेश चौबे (विधायक, सदर) ने अपने उद्बोधन में युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की परिकल्पना तभी साकार होगी, जब युवा वर्ग नेतृत्व, उत्तरदायित्व और नैतिक मूल्यों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका में राम प्रकाश अस्थाना, असिस्टेंट प्रोफेसर डी बिनानी पी जी कॉलेज मिर्जापुर शिवशंकर असिस्टेंट प्रोफेसर भूगर्भशास्त्र, डॉक्टर पारसनाथ मिश्र, श्रीकृष्ण कुमार सिंह अधिवक्ता, डॉक्टर विशेष मणि पांडे असिस्टेंट प्रोफेसर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन पर महाविद्यालय की प्रधानाचार्या डॉक्टर अंजली सिंह ने सभी अतिथियों, निर्णायकों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। संपूर्ण आयोजन अनुशासन, विचारशीलता एवं राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत वातावरण में संपन्न हुआ, जिसने जनपद के युवाओं में लोकतांत्रिक सहभागिता के प्रति नई ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर डॉक्टर मालती शुक्ला द्वारा किया गया ।

फूलपुर तहसील प्रांगण में उमड़ा जनसैलाब जिलाध्यक्ष ने कहा कांग्रेस संकराचार्य के सम्मान में खड़ी रहेगी

फूलपुर। कांग्रेस पार्टी के गंगापार जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद के नेतृत्व में फूलपुर तहसील प्रांगण में धरना प्रदर्शन कर परगना मजिस्ट्रेट फूलपुर के द्वारा प्रधानमंत्री के नाम जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द के ऊपर फर्जी और अवैध तरीके से विभिन्न धाराओं में पंजीकृत कराए गए मुकदमों को प्रधानमंत्री मोदी जी से तत्काल वापस करने एंव निष्पक्ष जांच और कुंभ मेले में शंकराचार्य के शिष्यों और बटुकों को उनकी शिखा को उखाड़ कर जूते से मारने के अपराध में दोषी पुलिस के ऊपर मुकदमा पंजीकृत करके कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई।

छोटे बच्चों ने आपस में एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर मनाया उत्सव

सोनभद्र। शनिवार को प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल में होली का हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर रंगों से सराबोर नजर आया। बच्चों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर प्रेम और भाईचारे के साथ होली का त्योहार मनाया।

विद्यालय के प्रबंधक राजेन्द्र प्रसाद जैन ने अपने संबोधन में कहा कि होली का पर्व आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता का प्रतीक है। उन्होंने बच्चों को आपसी मतभेद भुलाकर मिल-जुलकर रहने तथा सदैव सकारात्मक सोच अपनाने की प्रेरणा दी।

विद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष कुमार पांडेय ने

भी सभी विद्यार्थियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें त्योहारों को मर्यादा और संस्कार के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने बच्चों को जल की बचत करने तथा प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य अंबर उपाध्याय एवं उप प्रधानाचार्य सुरेंद्र यादव के द्वारा बच्चों को होली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं को बधाइयां दी। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षक/शिक्षिका विद्यालय परिवार के समस्त कर्मचारियों ने प्रेम और उल्लास के साथ होली के पर्व को मनाया।

माँ वैष्णो मॉडर्न पब्लिक स्कूल की छात्रा आकृति गुप्ता का सैनिक स्कूल अमेठी में चयन

सोनभद्र। माँ वैष्णो मॉडर्न पब्लिक स्कूल के लिए यह अत्यंत गौरव, हर्ष एवं सम्मान का विषय है कि विद्यालय की मेधावी छात्रा आकृति गुप्ता ने प्रतिष्ठित ऑल इण्डियन सैनिक स्कूल एंट्रेंस एग्जामिनेशन-2026 में शानदार सफलता प्राप्त की है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि से विद्यालय, अभिभावक एवं समूचा क्षेत्र गौरवान्वित हुआ है। आकृति गुप्ता का चयन सैनिक स्कूल अमेठी

(उत्तर प्रदेश) में हुआ है, जो अनुशासन, नेतृत्व, चरित्र निर्माण एवं राष्ट्रभक्ति के लिए प्रसिद्ध है। ऐसे प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश प्राप्त करना किसी भी छात्र के लिए गर्व का विषय होता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य देव कुमार श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा यह उपलब्धि हमारे समर्पित शिक्षकों, परिश्रमी छात्रा एवं सहयोगी अभिभावकों के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। आकृति की सफलता यह प्रमाणित करती है कि जब विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो सफलता निश्चित होती है। विद्यालय के प्रबंधक रमाशंकर दुबे ने अपने संदेश में कहा माँ वैष्णो मॉडर्न पब्लिक स्कूल सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं संस्कारों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षकों की निष्ठा, समर्पण और मार्गदर्शन ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

2 माह से वेतन न मिलने पर सफाई कर्मचारियों ने किया विरोध प्रदर्शन

सोनभद्र। जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज में सफाई कर्मी के तौर पर तैनात संविदा कर्मचारियों का

दो माह से वेतन नहीं मिल रहा है इसको लेकर शनिवार को कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी नामित ज्ञापन एडीएम को दे कर बुलंद की आवाज। सफाई कर्मचारियों ने बताया कि होली पर्व बच्चों की पढ़ाई व घर गृहस्ती के चीजों के लिए अब फूटी कौड़ी भी नहीं है अब हम सब कैसे जीवन यापन करेंगे। वहीं कर्मचारियों ने जिलाधिकारी का ध्यान इस तरफ आकर्षित करते हुए संबंधित अधिकारी द्वारा तत्काल वेतन दिलाए जाने की गुहार लगाई इस मौके पर शिव कुमारी, रीता, अवधेश,आशा, शिव कुमार,मनीष, ललन, शेष मनी, पकज आदि लोग मौजूद रहें।

डीएम-एसपी ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

रायबरेलीः- जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने जिला कारागार रायबरेली का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा कैदियों की समस्याओं को सुना। सभी बैरकों का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कारागार के पाकशाला में बन्दियों को दिये जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, साफ सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था आदि का भी अवलोकन किया गया। उन्होंने कहा कि व्यवस्थाओं को नियमानुसार दुरूस्त रखने के साथ ही बंदी गृह में रह रहे मरीजों के चिकित्सा व्यवस्था का भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी व्यवस्थाओं को जेल मैनुअल के अनुरूप ही सुनिश्चित कराया जाए। इस अवसर पर जेल अधीक्षक, जेलर सहित आदि उपस्थित रहे।

फूलपुर के अमोलवा गांव में गोंडी रीति से शादी के मौके पर मौजूद लोग

गोंडी रीति से हुई रानी की शादी, परंपरा के संरक्षण की बनी मिसाल,फूलपुर के अमोलवा में गांव में ढोल-नगाड़ों के बीच गोंडी विधान से हुई शादी, बना चर्चा का केंद्र

फूलपुर। फूलपुर क्षेत्र के अमोलवा गांव में गोंडी धर्म के अनुसार संपन्न हुआ एक विवाह समारोह इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। अमोलवा निवासी लोक बहादुर गोंड ने अपनी पुत्री रानी गोंड का विवाह पूरी तरह गोंडी परंपरा और विधान के अनुसार संपन्न कराया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गोंडी धर्म के अनुयायियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए विधि-विधान से सभी वैवाहिक रस्में अदा कराईं। विवाह समारोह में वैदिक मंत्रोच्चार के स्थान पर गोंडी धर्मगुरुओं द्वारा पारंपरिक प्रार्थनाएं और प्रतिज्ञाएं कराई गईं। दूल्हा-दुल्हन ने पारंपरिक वेशभूषा धारण की और प्रकृति को साक्षी मानकर वैवाहिक बंधन स्वीकार किया। समारोह के दौरान ढोल-नगाड़ों और गोंडी लोकगीतों की गूंज से पूरा वातावरण उत्सवमय रहा। समाज के बुजुर्गों ने बताया कि गोंडी धर्म प्रकृति-पूजा, पूर्वजों के सम्मान और सामुदायिक एकता

पर आधारित है। विवाह की हर रस्म का अपना विशेष महत्व होता है, जिसे पीढ़ियों से संजोकर रखा गया है। लोक बहादुर गोंड ने बताया कि उनका उद्देश्य अपनी सांस्कृतिक परंपरा को संरक्षित रखना और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ना है। सामाजिक संगठनों और युवाओं ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे आदिवासी अस्मिता और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने वाला कदम बताया। यह विवाह केवल एक पारिवारिक आयोजन नहीं, बल्कि गोंडी संस्कृति के सम्मान और संरक्षण का संदेश बनकर उभरा है। यही वजह है कि अमोलवा गांव का यह अनोखा आयोजन पूरे क्षेत्र में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। मौके पर धर्माचार्य धर्मेंद्र गोंड, उमा देवी गोंड, महेंद्र गोंड, कुलदीप गोंड, नीरज गोंड, धीरज गोंड, राहुल गोंड, रोहित गोंड, अरविंद गोंड, दीपा गोंड, सोनी गोंड, सविता, निशा, राखी, आकृति, आयुषी, चंद्रप्रकाश गोंड रहे।

सनातन धर्म पर विशेष संवाद

गंगाधर जी महाराज से आधुनिक समाचार के संवाददाता की खास बातचीत

प्रयागराज। आध्यात्मिक चेतना और भारतीय संस्कृति के संवाहक पूज्य गंगाधर जी महाराज ने आधुनिक समाचार के साथ एक विशेष साक्षात्कार में सनातन धर्म की महत्ता, वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता तथा युवाओं की भूमिका पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए।

प्रश्न 1: सनातन धर्म की मूल भावना क्या है?

गंगाधर जी महाराजः सनातन धर्म केवल एक धर्म नहीं, बल्कि जीवन जीने की पद्धति है। यह सत्य, अहिंसा, करुणा, सेवा और सहिष्णुता का मार्ग दिखाता है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश सनातन धर्म की आत्मा है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानता है।

प्रश्न 2: आज के आधुनिक युग में सनातन धर्म की क्या प्रासंगिकता है?

महाराज जीः आज का युग भौतिकता और भागदौड़ का युग है। ऐसे समय में सनातन धर्म मनुष्य को आंतरिक शांति, संयम और नैतिक मूल्यों की शिक्षा देता है। गीता का कर्मयोग, रामायण की मर्यादा और उपनिषदों का ज्ञान आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना प्राचीन काल में था।

प्रश्न 3: युवाओं को सनातन धर्म से कैसे जोड़ा जाए?

महाराज जीः युवाओं को उपदेश से नहीं, उदाहरण से जोड़ा जा सकता है। परिवार और समाज यदि अपने आचरण में धर्म के मूल्यों को अपनाएं, तो युवा स्वतः प्रेरित होंगे। साथ ही, डिजिटल माध्यमों के द्वारा धर्मग्रंथों की सरल व्याख्या और सकारात्मक संवाद आवश्यक है।

प्रश्न 4: समाज में बढ़ती अशांति पर आपका क्या संदेश है?

महाराज जीः अशांति का मूल कारण अज्ञान और स्वार्थ है। जब मनुष्य अपने कर्तव्य को समझे और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करे, तब ही समाज में संतुलन आएगा। सनातन धर्म 'धर्मो रक्षति रक्षितः' का संदेश देता है–जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है।

निष्कर्षः इस विशेष वार्ता में गंगाधर जी महाराज ने स्पष्ट किया कि सनातन धर्म मानवता, सदाचार और आत्मचिंतन का मार्ग है। आधुनिक समाज में इसकी शिक्षाएं न केवल आध्यात्मिक उन्नति का साधन हैं, बल्कि सामाजिक समरसता और विश्व शांति का भी आधार हैं।

हंगामेदार बैठक में साढ़े अठारह करोड़ की परियोजनाओं पर लगी मुहर

प्रतापगढ़। क्षेत्र पंचायत समिति की बुधवार को हंगामेदार बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं के मद में साढ़े अठारह करोड़ रूपये की कार्ययोजना पर मुहर लगी है। लालगंज क्षेत्र पंचायत समिति की पूर्व निर्धारित बैठक ब्लाक प्रमुख इं0 अमित प्रताप सिंह पंकज की अध्यक्षता में दोपहर प्रारम्भ हुई। बैठक में सदस्यों ने जनपदस्तरीय अधिकारियों की अनुपस्थिति पर हंगामा शुरू कर दिया। नाराज सदस्य बैठक का बहिष्कार कर सभागार से बाहर आ गये। इस पर प्रमुख अमित सिंह ने जिले के पीडी दयाराम वर्मा से फोनिक वार्ता की। पीडी ने प्रमुख के माध्यम से सदस्यों को भरोसा दिलाया कि अगली बैठक में सभी जिम्मेदार अधिकारी उपस्थित रहेंगे। इसके बाद बैठक की कार्रवाई ब्लाक प्रमुख के अनुरोध पर शुरू हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रमुख अमित सिंह ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से लालगंज में ग्रामीण विकास

योजनाओं को पारदर्शिता के साथ संचालित किया जाएगा। उन्होने आदर्श ब्लाक की प्रगति में प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों से सहयोग मांगा। वहीं बैठक में केन्द्रीय वित्त योजनान्तर्गत दो करोड़ तथा राज्य वित्त योजनान्तर्गत डेढ़ करोड़ एवं विकसित भारत योजनान्तर्गत पन्द्रह करोड़ की परियोजनाओं को सर्वसम्मत से अनुमोदन के लिए प्रस्तावित किया गया। बैठक में शामिल हुए एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। बैठक का संचालन खण्ड विकास अधिकारी मानवेंद्र शर्मा ने किया। स्वागत एडीओ पंचायत विमलेश कुमार मिश्र ने किया। इस मौके पर विमलेश सिंह, दिनेश सिंह, जयप्रकाश प्रजापति, पूर्व प्रमुख रमेश प्रताप सिंह, रामसजीवन झुड़िया, मो0 अशफाक, मुकेश यादव, सुनील पाण्डेय, शिवराम यादव, विद्युत मिश्र, बृजेश सिंह, देवेन्द्र सिंह ने भी विभिन्न विकास योजनाओं पर अपने सुझाव रखे।

त्योहारों के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई

आधुनिक समाचार

सोनभद्र।त्योहारों के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई जिसमें व्यापार संगठन, धर्मगुरु, सामाजिक संगठन एवं पुलिस अधीक्षक सहित जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि मुख्य बाजारों, संवेदनशील क्षेत्रों, और प्रमुख चौराहों, पर पर्याप्त पुलिस बल एवं पेट्रोलिंग की व्यवस्था की जाए श्री शर्मा ने कहा कि बैक डोर से शराब की बिक्री पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाया जाए। उन्होंने कहा कि एंबुलेंस एवं डॉक्टर अलर्ट मूड में रहे क्योंकि कई बार घटनाएं घट जाने के उपरांत ना तो समय से एम्बुलेंस आती है और ना ही डाक्टर मौजूद मिलते हैं जिसके कारण तामीरदारों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। उन्होंने जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहां की जहां भी होलिका दहन हो वहां इस तथ्य की जांच कर ली जाए कि कहीं आग की लपट से बिजली के तार गलकट टूट न जाए और बड़ा हादसा ना हो जाए। उन्होंने जिला प्रशासन को सुझाव देते हुए कहा कि होली के अवसर पर बाजारों में भीड़ ज्यादा बढ़ जाती है इसलिए

ट्रैफिक प्लान एवं अस्थाई पार्किंग की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि त्योहारों पर पूर्व एवं बाद में विशेष सफाई योजनाएं चलाई जाए सफाई एवं कूड़ा उठान की अतिरिक्त व्यवस्था हो ताकि शहर स्वच्छ दिखाई पड़े। श्री शर्मा ने यह भी कहा कि त्योहारों के पूर्व एवं बाद में विशेष सफाई कार्यक्रम चलाएं जाए ताकि शहर स्वच्छ दिखाई पड़े। उन्होंने कहा कि छुट्टा पशुओं एवं कुत्तों को अभियान चलाकर पकड़ा जाए आए दिन कुत्ता काटने एवं पशुओं के आक्रामकता से लोग जख्मी हो रहे हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग किया कि होली के अवसर पर बाजारों में भीड़भाड़ ज्यादा बढ़ जाती है इसलिए ट्रैफिक प्लान एवं अस्थाई पार्किंग की व्यवस्था की जाए एवं होली के त्योहार पर अराजक तत्वों पर नजर रखी जाए। उन्होंने प्रशासन से मांग किया कि बिजली एवं पानी की आबाध आपूर्ति सुनिश्चित किया जाए जिससे व्यापार एवं आम जनजीवन प्रभावित न हो ।जिला अध्यक्ष ने व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी व्यापारी की सीसीटीवी खराब हो तो उसे अविलंब दुरुस्त कर लिया जाए व्यापार संगठन प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वसन देता है हम अपने स्तर से भी व्यापारियों एवं आम नागरिकों से अपील करते हैं की शांति सदभाव और कानून व्यवस्था का पालन करें तथा किसी प्रकार की अपवाह पर ध्यान ना दें। होली का पर्व प्रेम सौहार्द एवं सद्भाव का प्रतीक है बैठक में प्रमुख रूप से नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन, जिला उपाध्यक्ष नागेंद्र मोदनवाल उपस्थित रहे।

शिक्षक संघ ने मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी जी का आभार व्यक्त किया

आधुनिक समाचार

मैहर जिले के शिक्षा विभाग में प्राचार्यों के अकाउंट में डाली गई राशि के बंदरबांट के संबंध में तथा प्राचार्यों से हस्ताक्षर करा राशि को खुर्द-बुर्द करा लिया गया, राशि आहरित कराने पर प्राचार्यों के ऊपर ईई दर्ज करा दी गई जिससे पीड़ित प्राचार्यों पर संकट के बादल मंडराने लगे,जिस विषय को विधायक जी ने असलियत को उजागर करते हुए विधानसभा में माननीय विधायक मैहर के द्वारा लाए गए ध्यानाकर्षण में वरिष्ठ अधिकारियों सहित समस्त दोषियों के ऊपर कार्रवाही कराने हेतु ध्यानाकर्षण लगाकर वास्तविक दोषियों को दंडात्मक कार्यवाही करने का विधान सभा में बात रखी ।। विधायक जी द्वारा निर्दोषियों कै न्याय दिलाने के लिए कमर कसी जिसका परिणाम सकारात्मक मिला, इसी उपलक्ष्य में आज शिक्षक संगठनों के द्वारा सद्भावना मिलन कर माननीय विधायक जी से निवेदन किया गया भविष्य में इसी तरह का कर्मचारी हित में संरक्षण आपसे आशान्वित हैं।।आभार ज्ञापित करने में रामायण प्रसाद द्विवेदी,अशोक तिवारी, मनमोहन दुबे, राजमणि पांडेय,संदीप मिश्रा,अजय दुबे, धीरेंद्र शुक्ला, देवकीनंदन त्रिपाठी, अनिरुद्ध तिवारी, प्रमोद शर्मा,अनुराग वर्मा, रविशंकर श्रीवास्तव, वीरेंद्र सिंह,किरण नामदेव, रश्मि कोरी, हेमा नामदेव शैलेश विश्वकर्मा, रामाश्रय कुशवाहा,विवेक तिवारी, रमेश चौधरी,आदि शिक्षक संगठन के पदाधिकारीगण उपस्थित होकर मैहर विधायक का धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया।

शक्तिनगर पुलिस ने 12 लाख की हेरोइन के साथ एक अभियुक्त किया गिरफ्तार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद सोनभद्र में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष शक्तिनगर कमल नयन दूबे के नेतृत्व में थाना शक्तिनगर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर कोहरौल पानी टंकी के पास से अभियुक्त करन गिरि पुत्र स्व0 राजू गिरि निवासी पी0डब्लू0डी0 मोड़ शक्तिनगर थाना शक्तिनगर, उम्र करीब 20 वर्ष 12 ग्राम अवैध हेरोइन के साथ नियमानुसार गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना शक्तिनगर पर मु0 धाराओ मे अभियोग पंजीकृत किया गया है। अभियुक्त को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

अभियुक्त ने बताया कि वह काफी समय से हेरोइन बेचने का कार्य कर रहा है तथा इसी आय से अपने शौक एवं परिवार का पालन-पोषण करता है। 27 की रात्रि में आकाश सोनकर निवासी रॉबर्ट्सगंज द्वारा उसे हेरोइन उपलब्ध कराई गई थी, जिसे लेकर वह बीना से कोहरौल की ओर पैदल जा रहा था, तभी पुलिस टीम द्वारा उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

अभियुक्त ने बताया कि पूर्व में वह अकरम निवासी ग्राम चिल्काडाड, थाना शक्तिनगर से भी हेरोइन लेकर बिक्री करता था। आकाश सोनकर द्वारा मादक पदार्थ बाहरी जनपद से थोक में लाकर वितरण किया जाता है तथा लाभ को आपस में बांटा जाता है। अभियुक्त ने यह भी स्वीकार किया कि वह पूर्व में भी हेरोइन विक्रय के कारण जेल जा चुका है। गिरफ्तार करने वाली टीम में कमल नयन दूबे, थानाध्यक्ष, उ0नि0 अजय कुमार श्रीवास्तव, चौकी प्रभारी बीना, उ0नि0 रंजीत कुमार, अशोक कुमार सिंह, माधवानंद सिंह, दिनेश भारती, अक्षय यादव शामिल थे।

संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय रामगढ़ व आंगनबाड़ी केंद्र रामगढ़ में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम किया गया आयोजन

कंपोजिट विद्यालय रामगढ़ के प्रांगण में शिक्षा विभाग तथा बाल विकास परियोजना विभाग के संयुक्त प्रयास से संपूर्णता अभियान के तहत विज्ञान दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सह नोडल अधिकारी रामनारायण पांडेय ए आरपी विज्ञान,विनोद कुमार चतुर्वेदी प्रधानाध्यापक, श्वेता पांडेय अंजू कुशवाहा,नेहा कुमारी , शमसुद्दीन सहायक अध्यापक श्रीमती सरोज सोनी आंगनवाड़ी एवं सम्मानित ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुरक्षित पेयजल व स्वच्छता व्यवहार पर चर्चा ए आरपी महोदय द्वारा किया गया त्कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी चतरा उपस्थित होकर बच्चों के मॉडल पर चर्चा व परिचर्चा किया तविज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा विज्ञान मॉडल एवं ऊध्श बनाकर प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। कुमारी आंचल सिंह द्वारा स्पेस तकनीकी के विषय में चर्चा की गई ,रोशनी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के मॉडल पर चर्चा तथा खुशबू द्वारा फेफड़ों के कार्य प्रणाली के विषय में बताया गया त्बाल वाटिका के बच्चों द्वारा हाथ धुलने के तरीके , पोषण मापन पर विस्तृत चर्चा आंगनबाड़ी द्वारा की गई।

दूधेश्वर महादेव धाम पर जमकर उड़े अबीर गुलाल, मनाई गई रंगभरी एकादशी

महिलाओं ने होली से संबंधित लोकगीत गायन भजनों का किया गायन

सोनभद्र। जिला मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज के उत्तर मोहाल स्थित दुग्धेश्वर महादेव मंदिर पर रंगभरी एकादशी के अवसर पर देर शाम भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम मंदिर में स्थापित शिव परिवार की मूर्ति का भव्य श्रृंगार किया गया इसके पश्चात वहां उपस्थित महिलाओं ने एक से बढ़कर एक होली से संबंधित लोकगीत गायन व भजनों का गायन किया गया।

जिसे सुनकर वहां उपस्थित श्रद्धालु गण झूमने लगे। वहीं भजन संध्या का समापन महिलाओं ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर रंगभरी एकादशी की बधाई दी और इसके पश्चात गोविंद केसरी द्वारा शिव परिवार की दिव्य आरती की गई। इस अवसर पर प्रतिभा केसरवानी, पिंकी, निधि, गीता, सपना, सीमा, बबीता, निशु, सीमा, सोना, मुनमुन अनु सहित अन्य लोगों उपस्थित रहे।

सरकार की जनविरोधी, नीतियों के खिलाफ व्यापक आंदोलन की आवश्यकता है:अयोध्या

सोनभद्र में मंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

सोनभद्र। उप्र राज्य कर्मचारी महासंघ और चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के बेनर तले शनिवार को विवेकानंद प्रेक्षा गृह सोनभद्र में मंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष अयोध्या प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन में सोनभद्र, मिर्जापुर व भदोही जिलों से सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

सम्मेलन में अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा, अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एस.पी. सिंह, उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष कमल अग्रवाल, महामंत्री अशोक कुमार सिंह, उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग मिनिष्ट्रीयल एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष पद्मनाथ त्रिवेदी, उपाध्यक्ष दिपेश सिंह,उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य संरक्षक त्रिवेणी प्रसाद, जिला मंत्री कैलाश चंद्र, उत्तर प्रदेश बिजली एम्पलाइज यूनियन सीटू के राज्य महासचिव विश्वंभर सिंह,न्यूनतम वेतन एवं दैनिक वेतनभोगी वन कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश के जिला अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद व जिला संरक्षक रामरतन चौहान, लोक निर्माण विभाग मिनिष्ट्रीयल और सोरभ (बनारस) आदि ने सम्मेलन को संबोधित किया।

इस अवसर पर राजनाथ प्रसाद (वरिष्ठ सहायक,लो.नि.वि.निर्माण खंड -2) को जिला अध्यक्ष, डाक्टर राजन चतुर्वेदी (अध्यापक) को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और अयोध्या प्रसाद (लोक निर्माण विभाग) को जिला महामंत्री नियुक्त किया गया। सम्मेलन में अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी द्वारा संचालित नव उदारवादी आर्थिक नीतियों को आक्रमकता से लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की जनविरोधी, मजदूर व कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ व्यापक आंदोलन की आवश्यकता है।

डीएम-एसपी ने थाना दिवस पर सुनी लोगों की शिकायतें

जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

रायबरेली:थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने थाना भदोखर पहुँचकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं। थाना दिवस के दौरान विभिन्न प्रकरणों में भूमि विवाद, पारिवारिक,

राजस्व संबंधी शिकायते व सड़क एवं सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य जनता को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है, इसलिए अधिकारी मौके पर उपस्थित होकर शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता से करें। थाना दिवस में तहसीलदार सदर आकृति श्रीवास्तव सहित पुलिस/राजस्व विभाग के कार्मिक मौजूद रहे।

जिला पंचायत की बैठक सम्पन्न

रायबरेली:- मा0 अध्यक्ष, जिला पंचायत रंजना चौधरी की अध्यक्षता में तथा मा0 राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) उ0प्र0 सरकार दिनेश प्रताप सिंह के संरक्षण में जिला पंचायत, रायबरेली के सभागार में जिला पंचायत की बैठक आहूत की गयी। मा0 अध्यक्ष की अनुमति से अपर मुख्य अधिकारी ओ0पी0 सिंह द्वारा बैठक का संचालन किया गया। सदन द्वारा सर्वसम्मति से गत बैठक की पुष्टि के साथ-साथ विभिन्न अनुदानों की गत वर्षों की अवशेष धनराशि के सापेक्ष अनुपूरक कार्ययोजना बनाये जाने पर सदन द्वारा ध्वनिमति से प्रस्ताव स्वीकृति प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त जिला पंचायत के वित्तीय वर्ष 2025-26 के पुनरीक्षित बजट रू0 9935.07 लाख आय का व रू0 9935.07 व्यय का तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 मूल बजट में रू0 6240.00 लाख आय का तथा अनुदान एवं जिलानिधि सहित कुल रू0 6230.00 लाख व्यय का बजट सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। तदोपरान्त अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, रायबरेली के देयों की वसूली सुद्ध करने के उद्देश्य से सम्पत्ति एवं विभव कर की वित्तीय वर्ष 2024-25 की कर दाता सूची जर्जर दुकानों

के पुनर्निर्माण एवं विस्तारीकरण तथा दुकान, ईट भट्ठा सहित अन्य उपविधियों की भी स्वीकृति प्रदान की गयी।

सदन द्वारा विभिन्न विभागों से आये हुए अधिकारियों के साथ जिला पंचायत सदस्यों के क्षेत्र से सम्बन्धित समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गयी।

बैठक के मध्य में मा0 राज्यमंत्री द्वारा जिला पंचायत सदन को होली की शुभकामनायें देते हुये जिला पंचायत एवं अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिसका सदन द्वारा ध्वनिमत से आभार प्रकट किया गया। इस अवसर पर सदन में मा0 अध्यक्ष के साथ-साथ मा0 सदस्यगण व अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बैठक के अन्त में मा0 अध्यक्ष द्वारा मा0 मंत्री जी के बैठक में पधारने के लिये आभार प्रकट करते हुये सभी मा0 सदस्यगणों व अधिकारियों को होली की शुभकामनायें देते हुये बैठक का समापन किया गया।

होली के त्योहार को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित

सोनभद्र। त्योहारों के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक जिलाधिकारी बी एन सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में व्यापार संगठन, धर्मगुरु, सामाजिक संगठन एवं पुलिस अधीक्षक सहित जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि मुख्य बाजारों, संवेदनशील क्षेत्रों, और प्रमुख चौराहों पर पर्याप्त पुलिस बल एवं पेट्रोलिंग की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि बैक डोर से शराब की बिक्री पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाया जाए। श्री शर्मा ने कहा कि एंबुलेंस एवं डॉक्टर अलर्ट मूड में रहे क्योंकि कई बार घटनाएं घट जाने के उपरांत ना तो समय से एम्बुलेंस आती है और ना ही डॉक्टर मौजूद मिलते हैं।

अधर्म के अंत का उद्घोष: टेकारी दाँदू में छठवें दिन कंस वध और रुक्मिणी विवाह प्रसंग से भागवत पंडाल गूंज उठा

दिव्य लीला के जीवंत मंचन से साकार हुआ धर्म, प्रेम और विश्वास

डीह,रायबरेली। डीह ब्लॉक क्षेत्र का टेकारी दाँदू गांव इन दिनों आध्यात्मिक चेतना के प्रकाश से आलोकित है। श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के छठवें दिन कंस वध और रुक्मिणी विवाह का दिव्य प्रसंग ऐसा जीवंत हुआ कि पूरा पंडाल भक्ति और उत्साह से गूंज उठा। श्रद्धालुओं की आंखों में आस्था की चमक और 'जय श्रीकृष्ण' के उद्घोष के बीच धर्म की विजय का संदेश वातावरण में स्पंदित होता रहा। कथा व्यास अयोध्या धाम से पधारे आचार्य चन्दन महाराज ने ओजपूर्ण शैली में कहा कि जब अन्याय अपनी चरम सीमा पर पहुंचता है, तब ईश्वर स्वयं अवतार लेकर धर्म की पुनर्स्थापना करते हैं। मथुरा में कंस के अत्याचारों, देवकी-वासुदेव की करुण पुकार और अंततः भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कंस वध का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने बताया कि यह केवल पौराणिक कथा नहीं, बल्कि सत्य और साहस की शाश्वत विजय का प्रतीक है। जैसे ही कंस वध का प्रसंग पूर्ण हुआ, पंडाल तालियों और जयकारों से गूंज उठा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने इसे अधर्म पर धर्म की निर्णायक विजय के रूप में आत्मसात किया। इसके पश्चात रुक्मिणी विवाह का मनोहारी प्रसंग सुनाया गया। विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी का अटूट विश्वास, प्रभु के प्रति समर्पण और श्रीकृष्ण द्वारा उनका हरण कर विधिवत विवाह–इस प्रसंग ने भक्ति और दिव्य प्रेम का अनुपम संदेश

दिया। मंगल गीतों और पुष्पवर्षा के बीच विवाह उत्सव का दृश्य सजीव हो उठा। आचार्य ने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल कथा नहीं, बल्कि जीवन का दर्पण है, जो मनुष्य को सत्य, करुणा, त्याग और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर आचार्य विद्याशंकर तिवारी, उपाचार्य लवलेश त्रिपाठी (प्रयागराज) तथा विख्यात योगीराज महाराज (वृन्दावन तपोवन) की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान की। मुख्य यजमान पं. सूर्यभान पाण्डेय व श्रीमती श्रीदेवी ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर कथा को समर्पित भाव से आगे बढ़ाया। आयोजन व्यवस्था चन्द्रभूषण पाण्डेय के नेतृत्व में संचालित हो रही है, जबकि संचालन सत्यदेवाचार्य जी महाराज एवं आचार्य रुद्र नारायण शुक्ल द्वारा किया जा रहा है। कथा स्थल पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ यह प्रमाणित कर रही है कि ग्रामीण अंचल में आध्यात्मिक जागरण की लौ और प्रखर हो रही है। श्रीमद्भागवत सप्ताह के अंतिम दिन में भी विभिन्न दिव्य प्रसंगों का रसपान कराया जाएगा, जिसके लिए आयोजकों ने अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर आध्यात्मिक लाभ अर्जित करने का आह्वान किया है।

बाल विवाह मुक्त जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजन संपन्न

रायबरेली:- जिलाधिकारी हर्षिता माथुर एवं मुख्य विकास अधिकारी अंजू लता के निर्देशन में विभाग द्वारा 'बाल विवाह मुक्त' के अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।बाल विवाह की रोकथाम हेतु बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी, पुलिस आपातकालीन सेवा हेल्पलाइन नंबर 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या स्थानीय पुलिस को सूचना देने के लिए जागरूक किया गया एवं बताया गया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत बाल विवाह अपराध है जिसमें 02 वर्ष की सजा व 01 लाख रूपए

का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। भारत में शादी हेतु लड़के की आयु 21 वर्ष व लडकी की आयु 18 वर्ष है।कार्यक्रम में मैनेजर अजय त्रिपाठी, मेनका त्रिपाठी, संरक्षण अधिकारी वीरेंद्र पाल, जेंडर स्पेशलिस्ट पूजा तिवारी, ए0एच0टी0यू0 थाना प्रभारी रशीद, टीटू गौतम एवं स्टाफ सीमा मिश्रा, दीपा काला की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गैर राज्यों में टैक्स चोरी करने वाले अंतरराज्यीय जीएसटी गिरोह के 04 अन्तर्जनपदीय अभियुक्त गिरफ्तार

कुल 02 लाख 30 हजार रुपये नकदी, 08 मोबाइल, 23 सिम, 06 एटीएम 01 पैन कार्ड, 1 अदद चेकबुक, 3 अदद पासबुक, 4 अदद डायरी के पन्ने, दो अदद अंगूठी पीली धातु सफेद नग जड़ा हुआ व एक अदद चैन पीली धातु बरामद

आधुनिक समाचार

सीतापुर।पुलिस अधीक्षक सीतापुर महोदय, अंकुर अग्रवाल द्वारा जनपद में लूट/चोरी/नकबजनी/धोखाधड़ी/ठगी आदि जैसी घटनाओं में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है।

उक्त दिये गये निर्देशो के अनुपालन के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आलोक सिंह के निकट पर्यवेक्षण व व अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी अपराध विनायक भोसले के नेतृत्व में थाना कोतवाली नगर की पुलिस टीम एवं सर्विलांस/स्वाट की सयुंक्त टीम द्वारा जीएसटी चोरी का सफल अनावरण करते हुए कुल 04 शातिर अभियुक्तों 1. सोना उर्फ आशीष पुत्र बलवीर सिंह निवासी मो0 सैंया चौकी दारगी थाना सैंया जनपद आगरा 02. कुलदीप सिंह पुत्र शिवकुमार निवासी ग्राम बड़ागांव इगलासपुर थाना सम्साबाद जनपद आगरा 03. विवेक कुमार पुत्र नरेश चन्द्र निवासी 66/26 नगला कड़ेरू नरीपुरा थाना शाहगंज जनपद आगरा 04. सूरज रावत पुत्र महिपाल सिंह निवासी भरतपुरी थाना रामनगर जिला अल्मोड़ा उत्तराखण्ड को आर.एम.पी. स्कूल के पास से गिरफ्तार किया गया है, जिनसे बैग के अन्दर पाँच सौ रुपये की दो अलग अलग गड्डी प्रत्येक में दो दो सौ नोट तथा एक तीसरी गड्डी जिसमें पाँच सौ रुपये की कुल 33 नोट, दो सौ रुपये की 25 नोट, सौ रुपये की 85 नोट कुल 2,30,000/- रुपये नगद तथा अलग अलग कम्पनी के 23 अदद सिम, 70 अदद रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र, 2 अदद आधार कार्ड की प्रति, 2 अदद मूल आधार, कार्ड 6 अदद बिजली बिल की प्रति, 1 अदद पैनकार्ड, 6 अदद एटीएम, 01 अदद चेकबुक, 3 अदद पासबुक, 4 अदद डायरी के पन्ने, एक डब्बे में दो अदद अंगूठी पीली धातु सफेद नग जड़ा हुआ व एक अदद चैन पीली धातु, वाहन चारपहिया महिंद्रा उैंध रंग काला बिना नम्बर प्लेट बरामद हुआ है।

जांच के दौरान पुष्टि हुई कि भारत के अलग अलग राज्यों तमिलनाडु, कर्नाटक, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उ0प्र0 आदि राज्यों में 1000 से अधिक जीएसटी की फर्जी फर्म बनाकर अभियुक्तों द्वारा छ्ढण की चोरी की गयी है।

अपराध करने का तरीका- गिरफ्तार अभियुक्तगण एक संगठित गिरोह बनाकर भोले भाले लोगो को नौकरी लगवाने का प्रलोभन देकर उनके दस्तावेज लेते थे तथा उन्हीं के नाम की कई फर्जी/बोगस फर्म बनाकर जीएसटी चोरी करते हुए सरकार को करोड़ो रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचा रहे थे। अभियुक्तों से पूछताछ में लगभग 1200 से अधिक फर्जी/बोगस फर्म की जानकारी हुई है जिनके माध्यम से इनके द्वारा लगातार जीएसटी चोरी की जा रही थी।

अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि हम लोग आपस में मिलकर फर्जी फर्म बनाकर जीएसटी कार्यालय में रजिस्ट्रेशन करवाकर फर्जी फर्मों के माध्यम से सेल परचेज दिखाकर धन अर्जित करते हैं । उक्त कार्य में जो हम लोगों के पास से लैपटॉप व फोन तथा विभिन्न कम्पनियों के सिम आदि बरामद हुआ है , उसका उपयोग करते हैं इसी कार्य से धन अर्जित कर अपना जीवन यापन करते हैं । अर्जित धन से ही जो आप लोगों द्वारा गाड़ी तथा कीमती अंगूठी व चैन व मोबाइल फोन बरामद किया गया है, खरीदे हैं इसके अलावा जो नगद रुपये बरामद हुए हैं वह भी हम लोगों द्वारा इसी कार्य से अर्जित किया है । हम लोगों के द्वारा अन्य साथियों के साथ मिलकर सीतापुर में भी पूजा सिंह के नाम से फर्जी फर्म पी.एस. ट्रेडर्स बनाकर जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराकर बिलों के आधार पर काफी मात्रा में धन अर्जित किया गया । हम लोगों के द्वारा आपस में इस कार्य को अंजाम देकर प्राप्त हुए धन को आपस में बंटवारा कर लेते हैं । इस कार्य को सोना उर्फ आशीष के देखरेख में अंजाम दिया जाता है । इसी वाहन से हम सभी जगह जगह जाकर इस काम के स्रोत को एकत्रित कर घटना को अंजाम देते हैं। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म के अभ्यस्त अपराधी हैं, जिनके द्वारा इस प्रकार की घटनायें अन्य जनपदों में की गयी है, जिनकी जांच की जा रही है। पंजीकृत अपराध सं 203/2025 धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2)ँए बढ़ोत्तरी धारा 3(5)ँए में गिरफ्तार अभियुक्तों का चालान मा.न्यायालय किया जा रहा है।

एसओजी टीम- प्रभारी निरीक्षक श्री सतेंद्र विक्रम सिंह, उ.नि. श्री अरविंद शुक्ला, हे.का.शराफत अली, हे.का. राहुल कुमार, हे.का.सोहनपाल, हे.का.गुरपाल, हे.का.विनय सिंह, का.भूपेंद्र राणा, का.प्रशांत शेखर सिंह, का. शैंकी यादव, का. अमित कुमार, का.भानू राठी, का.दानवीर, महिला आरक्षी डॉली रानी पुलिस टीम थाना कोतवाली नगर- प्रभारी निरीक्षक श्री अनूप कुमार शुक्ला थाना कोतवाली नगर, उ0नि0 अवधेश कुमार यादव, हे0का0 मदन पाल सिंह, हे0का0 अविनाश सिंह, का0 रवि सिंह, का0 प्रिंस तोमर

सम्पादकीय

जॉइंट थिएटर कमान से संचालित होंगी तीनों सेनाएं, तीन माह में नया सैन्य ढांचा...

देश की सैन्य संरचना में आजादी के बाद का सबसे बड़ा बदलाव अब अंतिम चरण में है। थलसेना, वायुसेना और नौसेना को एकीकृत करते हुए संयुक्त थिएटर कमान (जेटीसी) के तहत संचालन का खाका तैयार कर लिया गया है। पिछले पांच वर्षों से इस पर मंथन चल रहा था और सूत्रों के अनुसार नया ढांचा अगले तीन महीनों में औपचारिक रूप से सामने आ जाएगा।

नए मॉडल के लागू होने के बाद भारत के पास किसी भी सैन्य संघर्ष से निपटने के लिए अधिक इंटीग्रेटेड, तेज और समन्वित कमांड संरचना होगी। रक्षा सूत्रों का दावा है कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में 60 से 70 प्रतिशत तक तेजी आएगी, जबकि संसाधनों के बेहतर उपयोग से 15 से 20 प्रतिशत तक बचत संभव होगी। इससे चीन और पाकिस्तान–दोनों मोर्चों पर रणनीतिक तैयारी और मजबूत होगी। दुनिया के कई प्रमुख देशों में पहले से ही संयुक्त थिएटर कमान व्यवस्था लागू है। अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन की सेनाएं थिएटर कमान के तहत संचालित होती हैं। चीन में पांच और अमेरिका में 11 थिएटर कमान सक्रिय हैं। पिछले एक दशक में पाकिस्तान और चीन के साथ हुए पांच बड़े सैन्य टकरावों के अनुभवों ने इस ढांचे को आकार दिया है। इनमें 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक, 2017 का डोकलाम विवाद, 2020 का गलवान संघर्ष और 2025 में 88 घंटे चला 'ऑपरेशन सिंदूर' शामिल हैं। इन घटनाओं के दौरान समन्वय, संचार और संसाधन प्रबंधन से जुड़े कई व्यावहारिक सबक सामने आए। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, अलग-अलग सेनाओं की स्वतंत्र कार्रवाई के दौरान कम्युनिकेशन गैप और संसाधनों के ओवरलैप जैसी चुनौतियां महसूस की गईं। 'ऑपरेशन सिंदूर' में पहली बार 88 घंटों के भीतर तीनों सेनाओं का पूर्ण एकीकरण देखने को मिला, जहां मिसाइल स्ट्राइक, ड्रोन स्वार्म, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और जमीनी कार्रवाई में प्रभावी तालमेल रहा। रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एस.एल. नरसिम्हन के अनुसार यह 1947 के बाद भारतीय सैन्य ढांचे का सबसे बड़ा ओवरहॉल होगा। मई 2026 तक पहली थिएटर कमान के सक्रिय होने की संभावना है। इसके तहत प्रत्येक थिएटर में साइबर, स्पेस और स्पेशल ऑपरेशंस की सब-कमान होंगी। तीनों सेनाओं के लिए कॉमन सप्लाई चेन और मेंटेनेंस सिस्टम विकसित किया जाएगा, साथ ही इंटेलिजेंस फ्यूजन सेंटर स्थापित किए जाएंगे। नए ढांचे में दो मोर्चों पर युद्ध की स्थिति के लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल, संसाधन साझा करने की स्वचालित व्यवस्था और हर थिएटर में साल में कम से कम दो फुल-स्केल जॉइंट एक्सरसाइज अनिवार्य होंगी। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह संरचना भारतीय सशस्त्र बलों को 'थिएटर-रेडी' बनाते हुए भविष्य की चुनौतियों के लिए अधिक सक्षम और चुस्त बनाएगी।

राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव 2026 के वर्षपर्यंत सियासी मायने

कमलेश पांडे

चिरंजीवी सदन 'राज्यसभा' के द्विवार्षिक चुनाव के लिए वर्ष 2026 में विभिन्न चरणों में खाली होने वाली कुल 71-75 सीटें के लिए चुनाव होंगे, जो पूरे वर्ष अप्रैल और नवंबर में भरी जाएंगी। लिहाजा, इन चुनावों के राजनीतिक मायने गहन व अहम हैं, क्योंकि ये चुनाव जहां एनडीए की बहुमत मजबूती बढ़ा सकते हैं, वहीं विपक्ष को भी कमजोर कर सकते हैं। इससे भाजपा व उसके साथियों का चुनावी हौसला बढ़ेगा।

जहां तक इनकी प्रमुख तारीखों की बात है तो चुनाव आयोग ने पहले चरण में 10 राज्यों की 37 सीटों पर चुनाव घोषित किए हैं। जिसके लिए अधिसूचना 26 फरवरी को जारी होगी, नामांकन 5 मार्च तक, और मतदान-मतगणना 16 मार्च 2026 को। जबकि बाकी सीटें नवंबर में भरी जाएंगी, जिसमें उत्तर प्रदेश की 10 सीटें सबसे महत्वपूर्ण हैं। इन दस चुनावी राज्यों में से 6 राज्यों में एनडीए की सरकार है, जबकि 4 राज्यों में इंडी गठबंधन के घटक दल सरकार में हैं। जहां तक राज्यवार सीटों की बात है कि पहले चरण में महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6, पश्चिम बंगाल की 5, बिहार की 5, ओडिशा की 4, असम की 3, हरियाणा की 2 और छत्तीसगढ़ की 1 सीटें शामिल हैं, जबकि दूसरे चरण में उत्तरप्रदेश की 10 और झारखंड, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना आदि की 20 से अधिक सीटों के लिए नवम्बर में चुनाव होंगे।

जहां तक उच्च सदन राज्यसभा में वर्तमान दलगत स्थिति की बात है तो राज्यसभा में कुल 245 सीटें हैं, जहां भाजपा के 103 और एनडीए के 121-129 सांसद हैं। जबकि विपक्षी इंडिया ब्लॉक के पास 78-80 सीटें हैं, जिसमें कांग्रेस के 27 सांसद हैं। जहां तक इन चुनावों के राजनीतिक प्रभाव की बात है तो इन चुनावों में एनडीए को 7-9 या इससे अधिक सीटों का लाभ मिलने का अनुमान है, जिससे उनकी संख्या

145 तक पहुंच सकती है। जबकि विपक्ष को 5 सीटें खोने का खतरा, खासकर बिहार, महाराष्ट्र में है। इससे भाजपा को राज्यसभा में अब कोई भी विधेयक पास करना आसान होगा और सुपरमेजॉरिटी की ओर बढ़त भी उसे मिलेगी।

सवाल है कि इन चुनावों में एनडीए को कितनी सीटें मिलने की संभावना है तो राजनीतिक विश्लेषकों को अनुमान है कि एनडीए को 2026 के राज्यसभा चुनावों में कुल 48 या इससे अधिक सीटें मिलने की संभावना है, जिससे उनकी ताकत 129 से बढ़कर 140ह हो सकती है। पहले चरण के 37 सीटों पर 5-7 का लाभ अनुमानित है, जबकि उत्तर प्रदेश जैसे बाद के चरणों से भी उसे अतिरिक्त मजबूती मिलेगी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, 71-75 खाली सीटों में से एनडीए को नेट 7-9 या 48 सीटें हासिल हो सकती हैं। चूंकि वर्तमान में एनडीए के 121-129 सदस्य हैं, इसलिए चुनाव बाद 145 तक पहुंचने की उम्मीद है। वहीं बाद के जून-नवम्बर वाले दूसरे चरणों के प्रभाव की बात है तो वे भी स्पष्ट है। उत्तर प्रदेश की 10 सीटों में भाजपा को 7-8 मिलनी संभावित है, जबकि ओडिशा, तेलंगाना आदि में स्थिरतामिलेगी।, कुल मिलाकर सुपरमेजॉरिटी पक्की होगी। जबकि विपक्ष को 5 नुकसान होगा। जहां तक इन चुनावों में इंडिया गठबंधन को कितनी सीटें मिलने की बात हैं तो इंडिया गठबंधन को 2026 के राज्यसभा चुनावों में कुल 71-75 सीटों में से नेट 5 का नुकसान हो सकता है, जिससे उनकी संख्या 80 से घटकर 75 रह जाएगी। पहले चरण के 37 सीटों पर भी नुकसान की स्थिति बनी हुई है, हालांकि कुछ राज्यों में स्थिरता संभव है। विश्लेषकों के अनुसार, इंडिया ब्लॉक वर्तमान 80 सीटों से 75 पर सिमट सकता है। कांग्रेस को विशेष रूप से 8 सीटें खोने का खतरा, जिसमें मल्लिकार्जुन खरगे, दिग्विजय सिंह की सीटें भी शामिल हैं। वहीं बाद के चरणों का प्रभाव भी उसपर पड़ेगा। क्योंकि उत्तर प्रदेश की 10 सीटें में से सपा को 2-3 मिलनी संभावित हैं, लेकिन कुल नुकसान होगा। जबकि कर्नाटक, झारखंड में 1-1 सीटों का नुकसान संभव है। ओवरऑल, एनडीए के लाभ से इंडिया कमजोर होगा। जहां तक राज्यवार स्थिति की बात है तो बिहार में राज्यसभा की 5 सीटों के लिए चुनाव होगा। अभी आरजेडी के 2, जेडीयू के 2 और एक सांसद राष्ट्रीय लोक मोर्चा का है। बिहार में 243 सदस्यीय विधानसभा में एक सीट पर जीत के लिए 41 विधायकों के समर्थन की जरूरत है। एनडीए के पास 202 विधायक हैं और एनडीए के खाते में 4 सीटें सुनिश्चित हैं, जबकि 5 के लिए जोर आजमाइश बढ़ेगी। क्योंकि यहां 35 सीटों के साथ इण्डिया एक भी सीट अपने बल पर जीतने की स्थिति में नहीं है, ऐसे में 5 विधायकों वाले की भूमिका अहम हो जाती है। यदि पूरा विपक्ष एकजुट होता है तो बिहार में विपक्ष के पास कुल 41 विधायक हो जाते हैं और विपक्ष एक सीट निकाल सकते हैं। ऐसे में यह चुनाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व और विपक्षी एकता की के लिए अग्निपरीक्षा होगा। वहीं महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा के नेतृत्व में सत्तारूढ़ महायुति आसानी से 6 सीटों पर जीत हासिल कर लेगा, वहीं 7वीं सीट के लिए वोटिंग हो सकती है। इसलिए महाराष्ट्र की राजनीतिक के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार का संसदीय सफर थम सकता है। जबकि हरियाणा से बीजेपी के दो सदस्य किरण चौधरी और रामचंद्र जांगरा का कार्यकाल 9 अप्रैल को खत्म हो रहा है। इसी प्रकार ओडिशा की 4 सीटों पर चुनाव होंगे, जहां अभी 2 सीट बीजेपी और 2 बीजेडी के पास है लेकिन विधानसभा चुनाव के नतीजों को देखें तो बीजेपी की सीटों में इजाफा होना तय है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में दोनों सीटें अभी कांग्रेस के पास हैं और यहां भी बीजेपी जीत दर्ज करने की स्थिति में है। रही बात तेलंगाना की तो वहां से कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी रिटायर हो रहे हैं और बीआरएस के एक कैंडिडेट का कार्यकाल पूरा हो रहा है। तेलंगाना में काग्रेस दोनों सीटें जीत सकती है और हिमाचल में भी काग्रेस एक सीट जीत सकती है। असम से तीन पश्चिम बंगाल से 5 और तमिलनाडु से भी 6 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होंगे। चूंकि इन तीनों राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं लेकिन विधानसभा चुनाव से पहले इन राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टियों के पास राज्यसभा में अपना संख्याबल कायम रखने का मौका मिलेगा।

यही वजह है कि क्रॉस वोटिंग से निपटने की चुनौती विपक्ष के सामने रहेगी। क्योंकि राज्यसभा चुनाव में राजनीतिक पार्टियों के लिए अपने अपने विधायको को एकजुट रखने की चुनौती हमेशा होती है। पिछले कुछ राज्यसभा चुनावों को देखें तो हरियाणा में कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग का सामना करना पड़ा था। इसलिए आने वाले राज्यसभा चुनावों को देखें तो चाहे हरियाणा हो, बिहार हो, यहां पर काग्रेस और सहयोगी दलों को फूंक-फूंक करकदम रखना होगा। हालांकि कुछ सीटों पर तो रिजल्ट पहले से ही तय है, लेकिन अगर विपक्ष क्रॉस वोटिंग को रोक पाता है तो उसके हाथ भी कुछ सीट आ सकतीहैं। चूंकि राज्यसभा में बीजेपी और एनडीए का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है, इसलिए इस वर्ष 75 सीटों पर होने वाले चुनावों में विपक्ष यदि कारगर रणनीति नहीं बनाता है तो फिर इंडिया गठबंधन वाले कांग्रेस और उसके सहयोगियों की संख्या और घट सकती है, इतना तय है। जहां तक इन चुनावों में प्रमुख नेताओं के प्रभावित होने की बात है तो कई दिग्गजों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है जिसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के शरद पवार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, जदयू नेता हरिवंश, भाजपा के केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी (6 मंत्री सहित) शामिल हैं। वहीं बीएसपी राज्यसभा से साफ हो सकती है। क्योंकि उत्तर प्रदेश में भाजपा को 7, सपा को 2 सीटें मिलने की संभावना है। वहीं राजद और बीजद समेत कई दलों की सीटें घटेगी।

एक पृथ्वी, एक मानवताः शांति और समझ का वैश्विक संकल्प

हर वर्ष 23 फरवरी को विश्व शांति और समझ दिवस रोटरी इंटरनेशनल की स्थापना की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष रोटरी इंटरनेशनल अपना 121वाँ स्थापना दिवस मना रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि यह दिवस इस विचार को रेखांकित करता है कि शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि यह तो हमारी आपसी समझ, साझा प्रयासों और समावेशी विकास का परिणाम है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के दौर में बढ़ते संघर्ष, युद्ध और तनाव के बीच विश्व शांति मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। वास्तव में, शांति से ही विकास, शिक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। आपसी समझ और सहिष्णुता किन्हीं भी समाजों को मजबूत व सुदृढ़ बनाती है। यह एक कटु सत्य है कि बिना शांति के न तो सुरक्षा संभव है और न ही किसी देश और समाज की स्थायी प्रगति। इसलिए विश्व शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य शर्त है। बहुत कम लोग जानते हैं कि 'रोटरी' नाम के पीछे भी एक रोचक कारण है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार शुरुआत में इसे 'शांति दिवस' नहीं कहा जाता था। इसका नाम 'रोटरी' इसलिए पड़ा क्योंकि इसके सदस्य अपनी बैठकें हर बार अलग-अलग सदस्यों के कार्यालयों में घुमाकर (रोटेशन के आधार पर) किया करते थे और यही रोटेशन आगे चलकर दुनिया भर में सेवा और शांति का प्रतीक बन गया। एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब दुनिया संघर्षों में उलझी हुई थी, तब रोटरी के सदस्यों ने लंदन में एक सम्मेलन आयोजित किया था। इसी सम्मेलन की बौद्धिक नींव पर आगे चलकर यूनेस्को की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ। बहुत कम लोग जानते हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी शांति संस्थाओं में से एक की अवधारणा एक क्लब बैठक से प्रेरित थी।

इस दिवस का मूल संदेश यह है कि शांति केवल युद्ध का न होना नहीं है। रोटरी की अवधारणा में शांति का अर्थ लोगों की स्वच्छ पानी तक पहुँच, साक्षरता दर में वृद्धि तथा स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के विकास से भी जुड़ा है। दूसरे शब्दों में कहें तो सेवा ही शांति का सबसे बड़ा माध्यम है। जब हम भूख, बीमारी (जैसे पोलियो) और अज्ञानता के खिलाफ संघर्ष करते हैं, तो वास्तव में हम शांति की नींव रख रहे होते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 23 फरवरी 1905 को पॉल पी. हैरिस ने शिकागो (अमेरिका) में इसकी(रोटरी इंटरनेशनल) शुरुआत की थी।पेशे से वे एक वकील थे और उन्होंने अपने तीन मित्रों के साथ मिलकर पहले रोटरी क्लब की बैठक आयोजित की। उनका उद्देश्य एक ऐसा मंच तैयार करना था, जहाँ विभिन्न पृष्ठभूमि के पेशेवर लोग मिलकर विचार साझा कर सकें और समाज के लिए सार्थक कार्य कर सकें। समय के साथ यह एक वैश्विक आंदोलन बन गया और स्थापना दिवस को ही 'विश्व शांति और समझ दिवस' के रूप में मान्यता मिली। उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज रोटरी के 200 से अधिक देशों में लगभग 46,000 से अधिक क्लब सक्रिय हैं।

यहाँ पाठकों को बताना आवश्यक है कि रोटरी इंटरनेशनल एक वैश्विक सेवा संगठन है, जिसका मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा करना, समाज में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना तथा विश्व में शांति और सद्भाव स्थापित करना है। इसके सदस्य विभिन्न व्यवसायों और पेशों से जुड़े लोग होते हैं, जो स्वेच्छा से समाज सेवा में योगदान देते हैं। यह संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जल संरक्षण, रोग उन्मूलन (विशेषकर पोलियो उन्मूलन अभियान) और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परियोजनाएँ संचालित करता है। आज इसके विश्वभर में हजारों क्लब और लाखों सदस्य हैं, जो सर्विस अबूव सेल्फ (स्वार्थ से ऊपर सेवा) के आदर्श वाक्य के साथ मानव कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। वास्तव में, इस दिवस को मनाने का उद्देश्य, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं, पूरे विश्व में शांति, सेवा और आपसी समझ को बढ़ावा देना है। आज के दौर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भौतिकवादी सोच, राजनीतिक और सामाजिक तनाव तथा डिजिटल माध्यमों पर फैलती नकारात्मकता ने लोगों के बीच दूरी बढ़ा दी है। कई बार देश संसाधनों और प्रभुत्व की होड़ में संघर्ष की राह चुन लेते हैं। सहयोग, सेवा-भावना और आपसी सद्भाव धीरे-धीरे कमजोर पड़ते दिखाई देते हैं। एक समय था जब समाज में भाईचारा, सहयोग और मानवता की भावना अधिक प्रबल थी, जबकि आज व्यक्तिगत स्वार्थ और असहिष्णुता कई बार इन मूल्यों पर भारी पड़ती नजर आती है। हालांकि, यह पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। आज भी दुनिया में अनेक लोग और संस्थाएँ शांति, सेवा और मानवता के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने व्यक्तिगत स्तर से छोटे-छोटे प्रयास शुरू करें। दूसरों के प्रति सम्मान, सहानुभूति, सहयोग और संवाद को बढ़ावा दें। यही छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं। इस दिवस का मुख्य फोकस शांति और सद्भावना को प्रोत्साहित करना, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समझ बढ़ाना, संघर्ष की रोकथाम तथा वैश्विक सहयोग और मानवीय एकता को मजबूत करना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस पूरे विश्व में शांति, सद्भाव और पारस्परिक समझ को सुदृढ़ करने का संदेश देता है। अंततः यह दिवस हमें सिखाता है कि हमारे छोटे-छोटे सकारात्मक कार्य भी दुनिया में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। जब हम एक-दूसरे की सोच और भावनाओं को समझने लगते हैं, तो विवाद स्वतः कम होने लगते हैं। सार यह है कि यदि हम सभी एक-दूसरे की संस्कृतियों, विचारों और जीवन मूल्यों को समझें, तो वैश्विक भाईचारा और शांति मजबूत हो सकती है, और यह संपूर्ण विश्व एक बेहतर स्थान बन सकता है।

विकास का संकल्पः ट्रिपल इंजन से बदलेगी दिल्ली की तस्वीर

ललित गर्ग

वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में दिल्ली के लिए 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का प्रावधान केवल एक आर्थिक घोषणा नहीं, बल्कि राजधानी के भविष्य की रूपरेखा है। सड़क, रेल परिवहन, मेट्रो विस्तार, जल आपूर्ति, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रदूषण नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान यह संकेत देता है कि केंद्र सरकार दिल्ली को एक सुव्यवस्थित, आधुनिक और आदर्श महानगर के रूप में विकसित करना चाहती है। ऐसे समय में जब दिल्ली की भाजपा सरकार अपना एक वर्ष पूर्ण कर रही है, यह स्वाभाविक है कि बीते वर्ष के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए और देखा जाए कि तथाकथित 'ट्रिपल इंजन सरकार' का लाभ दिल्लीवासियों को कितना और कैसे मिला है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों और आगामी संकल्पों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उनकी सरकार ने न केवल नई योजनाओं की शुरुआत की, बल्कि पूर्ववर्ती सरकारों की लंबित और अधूरी परियोजनाओं को भी गति दी है। 'दिल्ली लखपति बिटिया योजना', मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, अधूरी पड़ी आधारभूत परियोजनाओं को पूरा करने की पहल, तथा महिलाओं और छात्रों के लिए नई राहतकारी योजनाओं का खाका-ये सब उनके पहले वर्ष के प्रमुख बिंदु रहे। उनका यह भी कहना है कि ट्रिपल इंजन की व्यवस्था-अर्थात केंद्र, राज्य और नगर निकाय में एक ही राजनीतिक नेतृत्व के कारण विकास कार्यों में समन्वय और गति दोनों आई है।

ट्रिपल इंजन सरकार की अवधारणा का सबसे बड़ा लाभ वित्तीय समन्वय के रूप में सामने आया है। दिल्ली सरकार को अब पूंजीगत व्यय के लिए ऋण अपेक्षाकृत कम ब्याज दर पर उपलब्ध हो रहा है। पहले जहां ब्याज दर 13-14 प्रतिशत तक पहुंच जाती थी, वहीं अब लगभग सात प्रतिशत पर ऋण मिलना संभव हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा 21 हजार करोड़ रुपये तक की ऋण सीमा निर्धारित किए जाने से आधारभूत ढांचे के विकास में धनाभाव की आशंका कम हुई है। यही नहीं, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन तथा पीएम भीम योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं की समयावधि बढ़वाने में भी दिल्ली सरकार को सफलता मिली है। आयुष्मान भारत जैसी जनकल्याणकारी योजना का लाभ अब राजधानी के अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंच रहा है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा की ठोस गारंटी मिल रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के संकेत अवश्य दिखाई दिए हैं। मोहल्ला क्लीनिक मॉडल पर उठे प्रश्नों और अधूरी स्वास्थ्य परियोजनाओं के बीच नई सरकार ने अस्पतालों के आधुनिकीकरण, बेड क्षमता बढ़ाने और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। यदि यह प्रयास निरंतरता से जारी रहा तो दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी के अनुरूप विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी पारदर्शिता और गुणवत्ता सुधार का दावा किया गया है। पिछले वर्षों में शिक्षा मॉडल को लेकर जहां एक ओर प्रशंसा हुई, वहीं भवनों की गुणवत्ता, संसाधनों के उपयोग और परिणामों पर सवाल भी उठे। नई सरकार के लिए यह चुनौती है कि वह शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से ऊपर उठाकर वास्तविक गुणवत्ता सुधार की दिशा में कार्य करे। परिवहन और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में भी गति लाने का प्रयास हुआ है। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, बस बेड़े के आधुनिकीकरण और सड़कों के सुधार की योजनाएं केंद्र और राज्य

के समन्वय से आगे बढ़ रही हैं। दिल्ली मेट्रो पहले से ही राजधानी की जीवनरेखा रही है, अब किराए में राहत या छात्रों के लिए विशेष प्रावधान जैसे कदम यदि लागू होते हैं तो इससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। यातायात जाम की समस्या के समाधान के लिए फ्लाईओवर, अंडरपास और स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली पर ध्यान देना आवश्यक है। एक वर्ष में कुछ परियोजनाओं को गति मिली है, किंतु राजधानी जैसे विशाल महानगर में ठोस परिणामों के लिए निरंतर प्रयास अपेक्षित हैं।

सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण और वायु प्रदूषण की है। बीते दशक में दिल्ली विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में गिनी जाने लगी। यह केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य का संकट है। मुख्यमंत्री ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस योजनाओं का उल्लेख किया है-जैसे हरित आवरण बढ़ाना, निर्माण कार्यों पर निगरानी, सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहन और पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय। परंतु यह भी सत्य है कि प्रदूषण जैसी जटिल समस्या का समाधान केवल घोषणाओं से संभव नहीं, इसके लिए कठोर क्रियान्वयन, क्षेत्रीय सहयोग और जनसहभागिता की आवश्यकता होगी। यमुना की सफाई भी दिल्ली की अस्मिता से जुड़ा प्रश्न है। वर्षों से यमुना शुद्धिकरण के नाम पर योजनाएं बनती रहीं, बजट खर्च होता रहा, पर परिणाम संतोषजनक नहीं रहे। वर्तमान सरकार ने यमुना को स्वच्छ और पर्यटन योग्य बनाने का संकल्प दोहराया है। यदि सीवेज प्रबंधन, औद्योगिक अपशिष्ट नियंत्रण और नदी तट के पुनर्विकास की योजनाएं समयबद्ध तरीके से लागू होती हैं, तो यह दिल्ली की छवि को नया आयाम दे सकती हैं। यमुना का पुनर्जीवन केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक पुनरुत्थान का भी अवसर है।

महिलाओं और बेटियों के लिए घोषित योजनाएं-जैसे 'लखपति बिटिया योजना'-सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक कदम मानी जा सकती हैं। यदि इन योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक पारदर्शिता से पहुंचता है, तो यह परिवारों की आर्थिक सुरक्षा और शिक्षा के अवसरों को बढ़ा सकता है। मुफ्त एलपीजी सिलेंडर जैसी पहल घरेलू अर्थव्यवस्था में राहत देती है, विशेषकर निम्न आय वर्ग के लिए। किंतु इन योजनाओं की सफलता क्रियान्वयन की गुणवत्ता पर निर्भर करेगी। एक वर्ष की अवधि किसी भी सरकार के लिए बहुत बड़ी नहीं होती, विशेषकर तब जब उसे पिछली सरकारों की अधूरी परियोजनाओं और व्यवस्थागत खामियों को भी दुरुस्त करना हो। यह भी सच है कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच विकास का वास्तविक आकलन कठिन हो जाता है। नई सरकार ने पूर्ववर्ती शासन की कमियों-जैसे कथित भ्रष्टाचार, अधूरी इमारतें, प्रदूषण नियंत्रण में विफलता को सुधारने का दावा किया है। किंतु जनता अब केवल आरोप नहीं, परिणाम देखना चाहती है। आने वाले वर्षों के लिए सरकार के सामने स्पष्ट लक्ष्य होने चाहिए-स्वच्छ वायु, स्वच्छ यमुना, सुगम यातायात, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य और पारदर्शी प्रशासन। राजधानी होने के नाते दिल्ली को केवल भारत का प्रशासनिक केंद्र नहीं, बल्कि आदर्श शहरी मॉडल बनना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि बजट में आवंटित राशि का पूर्ण और पारदर्शी उपयोग हो, परियोजनाएं समयबद्ध पूरी हों और जनभागीदारी को प्रोत्साहन मिले।

ट्रिपल इंजन सरकार का वास्तविक अर्थ तभी सिद्ध होगा जब समन्वय का लाभ जमीन पर दिखाई दे। केंद्र और राज्य के बीच टकराव की राजनीति के स्थान पर सहयोग की भावना यदि कायम रहती है, तो दिल्ली विकास की नई ऊंचाइयों को छू सकती है। एक वर्ष में कुछ सकारात्मक संकेत अवश्य मिले हैं, परंतु अभी लंबी यात्रा शेष है। सरकार को अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने के साथ-साथ कमियों का ईमानदार आत्ममंथन भी करना होगा। दिल्ली की जनता जागरूक है और अपेक्षाएं भी बड़ी हैं। वह केवल वादों से संतुष्ट नहीं होगी, उसे परिणाम चाहिए। यदि रेखा गुप्ता सरकार अपने संकल्पों को धरातल पर उतारने में सफल होती है, तो आने वाले वर्षों में दिल्ली सचमुच एक स्वच्छ, स्वस्थ, सुरक्षित और आधुनिक महानगर के रूप में उभर सकती है। यही समय है जब बजट की घोषणाओं को विकास की वास्तविक कहानी में बदला जाए और राजधानी को समस्याओं के प्रतीक से समाधान के मॉडल में परिवर्तित किया जाए।

होली पर रंगों से बालों को बचाने के सुपर-हिट टिप्स,मिलेगा फैशनेबल और क्लासी लुक, ट्राई करें ये 3 स्टाइलिश हेयरस्टाइल

होली रंगों और खुशियों का त्योहार है। पूरे देशभर में इस पर्व को उत्साह के साथ मनाया जाता है। होली खेलते समय हम सभी इतने मगन हो जाते हैं कि खुद का ध्यान रखना भूल ही जाते है। होली खेलने से पहले स्किन केयर तो कर लेते हैं, लेकिन बालों का देखभाल तो भूल ही जाते है। होली खेलते वक्त सबसे ज्यादा रंग बालों में ही जाता है। गौरतलब है कि बाजार में मिलने वाले कई रंगों में केमिकल होता है, जो आपके बालों को भी खराब कर सकते हैं।

जब रंग बालों के स्कैल्प तक आ जाता है, तो इसे साफ करना काफी मुश्किल होता है। जब आप बार-बार शैंपू या फिर साबुन से बाल धोती है, तो आपके बाल टूटने लगते हैं। रंगों के कारण बाल सूखे और बेजान लगने लगते हैं। अगर आप होली के दौरान कुछ खास हेयरस्टाइल बनाएंगी, तो आपको दिक्कत बिल्कुल भी नहीं होगी। इस लेख में हम आपके लिए होली पार्टी में शामिल होने के लिए खास हेयरस्टाइल लेकर आए हैं। **टाइट ब्रेडेड बन पर स्कार्फः** अपने बालों को पूरी तरह से रंगों से बचाना चाहती हैं, तो आप लंबे बालों को पहले जूड़ा बना लें। इसको अच्छे से सेट करने के बाद, रबड व पिन की मदद से टाइट कर लें, जिससे आपके बाल खुले नहीं। - स्टाइल देने के लिए आप थोड़े बाल आगे से निकाल सकते हैं, उसके बाद ऊपर से स्कार्फ बांध लें। - इससे लुक एलीगेंट और फेस्टिव स्पेशल नजर आता है। **टोपी के साथ स्कार्फ बांधेः** अगर आप यह हेयरस्टाइल बनाएंगे तो स्कार्फ के कारण आपके बाल बार-बार खुलेंगे नहीं। टोपी के कारण स्कार्फ एक ही जगह पर टिका रहता है। आप टोपी के अंदर पोनीस्टेल स्टाइल भी बना सकती हैं। आप चाहे तो स्कार्फ को बालों की लंबाई जितना खुला छोड़ दें और इसके ऊपर टोपी पहन लें। यह हेयरस्टाइल आपके होली लुक को एकदम मस्त बनाएगा। **हाई बन टर्बन हेयरस्टाइल विमेनः** अगर आप होली पर अपने बालों को सुरक्षित रखते हुए एक स्टाइलिश और क्लासी लुक पाना चाहती हैं, तो यह हेयर स्टाइल आपके लिए बेहतरीन विकल्प है। इस लुक को और आकर्षक बनाने के लिए आप एलीगेंट और सलीकेदार कपड़े पहन सकती हैं, जो आपके पूरे अंदाज़ को निखार देंगे। इसे बनाने के लिए स्कार्फ को टर्बन की तरह सिर पर अच्छे से बांध लें। इससे बाल पूरी तरह ढके रहते हैं और रंगों से काफी हद तक सुरक्षित रहते हैं। खासतौर पर अगर आप सूखी होली खेल रही हैं, तो यह स्टाइल आपको जरूर पसंद आएगा।

इफ्तार पार्टी में दिखना है सबसे खास?

रमजान के इस महीने में इफ्तार पार्टियों का दौर जारी है, जिसके लिए लोग ट्रेंडी कपड़े और ज्वेलरी की तलाश में हैं ताकि सबसे अलग और अच्छा दिखा जा सके। अगर आप भी इफ्तार पार्टी के लिए शानदार और किफायती शॉपिंग करना चाहते हैं, तो दिल्ली के ये दो बाजार आपके लिए सबसे अच्छे विकल्प हो सकते हैं। **1. कोटला मार्केट (साउथ दिल्ली)ः** सस्ती और अच्छी शॉपिंग के लिए कोटला मार्केट एक बेहतरीन जगह है। यहां आपको लेटेस्ट डिजाइन के सूट, साड़ी, ज्वेलरी और फुटवियर बहुत ही कम दामों में मिल जाएंगे। यह मार्केट सुबह 11 बजे से रात 11 बजे तक खुली रहती है। यहां जाने के लिए सबसे पास साउथ एक्सटेंशन मेट्रो स्टेशन है, जहां से आप पैदल बाजार पहुंच सकते हैं। **2. सीलमपुर मार्केट (ईस्ट दिल्ली)ः** अगर आपको भारी कढ़ाई वाले कपड़े, लेदर का सामान या हैवी ज्वेलरी पसंद है, तो सीलमपुर मार्केट जरूर जाएं। यहां इफ्तार पार्टी के लिए हैवी नेकलेस और खूबसूरत साड़ियों की ढेरों वैरायटी उपलब्ध है। यह बाजार सुबह 11 बजे खुलता है और रमजान की वजह से देर रात तक चालू रहता है। यहां पहुंचने के लिए आपको सीलमपुर मेट्रो स्टेशन पर उतरना होगा। **शॉपिंग के लिए कुछ जरूरी टिप्सः** दोपहर में करें शॉपिंगः शाम के समय इन बाजारों में बहुत ज्यादा भीड़ हो जाती है, इसलिए बेहतर होगा कि आप दोपहर में ही अपनी शॉपिंग पूरी कर लें। मेट्रो का इस्तेमाल करें: ट्रैफिक और जाम से बचने के लिए अपने वाहन के बजाय मेट्रो से जाना ज्यादा सुविधाजनक रहेगा। सामान की जांच करें: सस्ता सामान लेते समय उसकी क्वालिटी और डिजाइन को अच्छी तरह चेक कर लें ताकि बाद में कोई दिक्कत न हो।

नारियल के छिलके फेंकने की गलती न करें

नारियल का सेवन हम सभी करते हैं और इसको अलग-अलग तरीके से सेवन करते हैं। कई बार हम नारियल पानी पीते हैं, तो कभी कच्चा नारियल खाते हैं। यह हेल्थ के लिए अच्छा माना जाता है। लेकिन, क्या आप ने कभी नारियल के छिलकों का कभी इस्तेमाल किया है। नारियल के छिलको को बेकार समझकर फेंक देती हैं। दरअसल, नारियल के छिलके न्यूट्रिशन्स का पावर हाउस होते हैं। अगर आप इन्हें सही तरह से डाइट में शामिल करेंगी, तो इससे सेहत को कई फायदे मिल सकते हैं। आइए आपको बताते नारियल के छिलके कैसे फायदेमंद है। **नारियल के छिलकों के सेहत के लिए फायदे** - नारियल के छिलकों में एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर और कई लाभदायक बायोएक्टिव कंपाउंड्स होते हैं।

फेरुलिक और क्लोरोजेनिक एसिड जैसे पॉलीफेनॉल से भरपूर नारियल के छिलके ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ने में मदद करते हैं, जिससे डायबिटीज और हार्ट डिजीज जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है। - हेल्थ एक्सपर्ट का मानना है कि इनमें एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं, जिसकी वजह से ये गट हेल्थ के लिए सेफ होता है। - नारियल के छिलकों में डाइटरी फाइबर पाए जाते है। यह बाउल मूवमेंट में सुधार करते हैं और कब्ज को दूर करते हैं। इनमें एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो कि कई फलों से अधिक है। - ये फ्री रेडिकल्स को बेअसर करके स्किन को हेल्दी बनाते हैं और एजिंग के साइन्स को कम करता है। - यह मेटाबॉलिज्म के लिए भी फायदेमंद होते हैं। इनमें ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को रेगुलेट करने वाले गुण पाए जाते हैं। ये लिपिड प्रोफाइल को मैनेज करने में मदद कर सकते हैं। **सूखे नारियल के छिलकों को डाइट में कैसे इस्तेमाल करें?** - सूखे नारियल को डाइट में हिस्सा बनाने के लिए आप छिलकों को ग्राइंड करके इनका पाउडर बनाएं। इस पाउडर को आप स्मूदीज या सब्जियों में डाल सकती हैं। इनकी चाय भी काफी फायदेमंद है। - इसमें एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों के कारण इन्हें स्किन पर स्क्रब की तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं। - नारियल के छिलके इम्यूनिटी को मजबूत करते हैं और लिवर हेल्थ के लिए फायदेमंद होते हैं, लेकिन इनका ज्यादा मात्रा में इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर से सलाह लें। प्रेग्नेंसी में इनका इस्तेमाल बिना डॉक्टर की सलाह के इसका इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं।

नींद में भी बर्न होगी कैलोरी बस ये स्लीप हैक्स अपनाएं

क्या आप ने सुना है कि जब शरीर नींद की अवस्था में होता है तो कैलोरी स्टोर करता है, बर्न नहीं करता। वैसे यह एक आम धारणा है, लेकिन यह पूरी तरह सच नहीं है। सोते समय कैलोरी बर्न करने की मात्रा अलग-अलग फैक्टर्स पर निर्भर करती है जैसे वजन, मेटाबॉलिज्म और हर रात की अच्छी नींद। आखिर हम सोते समय कितनी कैलोरी बर्न करते हैं और कैसे बेहतर रिजल्ट पा सकते हैं। तो आइए आपको बताते हैं-

अधिकांश लोग आठ घंटे की नींद के दौरान लगभग 400 कैलोरी खर्च कर लेते हैं, जबकि जिन व्यक्तियों की मांसपेशियां अधिक होती हैं या जिनका मेटाबॉलिज्म तेज होता है, वे करीब 500 कैलोरी तक जला सकते हैं। इससे यह समझा जा सकता है कि शरीर आराम करते समय भी ऊर्जा का निरंतर उपयोग करता रहता है।

इन तरीकों से ज्यादा कैलोरी कर सकते हैं बर्न - रात 8 बजे के बाद खाना आपके मेटाबॉलिज्म को उतना स्लो नहीं करता है, जितना गलत खानपान। रात के समय या शाम के स्नैक्स में क्या ले रहे हैं उस पर जरुर ध्यान दें।

- प्रतिदिन एक्सरसाइज करने और खासकर मसल्स को मजबूत

बनाने वाले वर्कआउट करने से ज्यादा मात्रा कैलोरी बर्न करने में सहायक होती है। अगर आप सोने से पहले एक्सरसाइज करते हैं तो यह फायदा पहुंचा सकता है। - वजन कम करने से मेटाबॉलिज्म की रफ्तार बढ़ती है। अगर आप सोने से पहले कैफीन युक्त ड्रिंक लेने से नींद आने में दिक्कत हो सकती है।

- प्रतिदिन सोने-जागने का नियमित रुल बनाएं। आप चाहे तो सोने से पहले कुछ एक्टिविटी कर सकते हैं। जिससे आप आसानी सो सकते हैं।

- सोने से पहले भूलकर भी फोन, कंप्यूटर या टीवी को बंद कर सकते हैं। इन डिवाइसेस से निकलने वाली रोशनी आपकी नींद की रिदम को खराब कर सकती हैं।

क्या सोते समय फैट भी होता है बर्नः जब हम सोते हैं, तब भी शरीर कैलोरी बर्न करते हैं। यह ऊर्जा कभी शरीर में जमा वसा (फैट) से आती है तो कभी कार्बोहाइड्रेट से, जो ऊर्जा का प्रमुख स्रोत होते हैं। हालांकि, असल मायने इस बात के हैं कि आपकी कुल ऊर्जा जरूरत कितनी है, शरीर में मांसपेशियों की मात्रा कितनी है, आपकी नींद कितनी अच्छी है और आप दिनभर कितने सक्रिय रहते हैं। यही सभी कारक मिलकर तय करते हैं कि शरीर ऊर्जा का उपयोग किस तरह करेगा।

काली गर्दन और घुटनों का कालापन होगा दूर, इस घरेलू त्वचा की देखभाल नुस्खे से पाएं बेदाग त्वचा

क्या आप भी अपनी काली गर्दन, कोहनी और घुटनों से परेशान हैं? अक्सर इस वजह से कई लोग अपने पसंदीदा कपड़े नहीं पहन पाते हैं। ऐसे में अब आपको शर्मिंदा होने की जरुरत नहीं है। गौरतलब है कि हम सब अपने चेहरे को चमकाने में लगे हैं। हालांकि शरीर के इन हिस्सों पर जमा जिद्दी कालापन हमारे पूरे लुक को खराब कर देता है। ऐसे में महंगे सैलून ट्रीटमेंट और केमिकल वाले लोशन पर हजारों रुपये खर्च करने की कोई जरुरत नहीं है। इसके लिए आपकी रसोई में रखी हुई चीजें बेहद काम की है। इस उपाय के करने से रातों-रात नहीं, चंद दिनों में जादू जरुर दिखा सकता है। एक्सपर्ट ने बताया है कि काली गर्दन, कोहनी और घुटने त्वचा को अनइनवन और ड्राई दिखाते हैं, लेकिन कई बार इसका इलाज महंगे प्रोडक्ट्स में नहीं, बल्कि किचन में छिपा होता। इस उपाय के जरिए आप डार्कनेस कम करने, डेड स्किन हटाने और त्वचा को साफ व निखरा बनाने में मदद करता है। **कालापन दूर करने वाला पेस्ट की सामग्री** - 1 चम्मच बेसन - 1 चम्मच दही - 1 पैक (या 1 चम्मच) कॉफी पेस्ट बनाने और लगाने का तरीका - तीनों चीजों को अच्छी तरह मिलाकर स्मूद पेस्ट बना लें। - इस पेस्ट को गर्दन, कोहनी और घुटनों पर लगाएं। - 10-15 मिनट तक सूखने दे। - हल्के हाथों से स्क्रब करते हुए धोएं। - इसको आप हफ्ते में 2 बार रेगुलर इस्तेमाल करें। **क्यों असरदार है यह पेस्ट?** - बेसनः बेसन एक नेचुरल क्लींजर है। यह त्वचा से गंदगी, एक्सट्रा ऑयल और जमी हुई डेड स्किन को हटाता है। नियमित इस्तेमाल से टैनिंग कम होती है और स्किन स्मूद व ब्राइट नजर आने लगती है। - दहीः दही त्वचा को लैक्टिक एसिड त्वचा को हल्के से एक्सफोलिएट करता है और पिग्मेंटेशन कम करने में मदद करता है।

रमजान में फॉलो करें ये डाइट प्लान, वजन कम करने में मिलेगी मदद, सेहत को भी होंगे कई फायदे

बहुत से लोग वजन कम करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, क्योंकि वजन कम करना इतना आसान नहीं है। वजन कम करना बहुत मुश्किल काम है लेकिन आपके लिए एक अच्छी खबर है। इस्लाम का पवित्र महीना रमज़ान चल रहा है, जो वजन घटाने के आपके लक्ष्य को हासिल करने में आपकी मदद करेगा। रमज़ान के महीने में वजन कम करने की सोचना एक बेहतरीन विचार है, लेकिन इसे सही तरीके से करने के लिए ध्यान से एक डाइट चार्ट का पालन करना जरुरी है। नीचे कुछ टिप्स दी गयी हैं, जो रमज़ान के दौरान वजन कम करने में आपकी मदद कर सकती हैं।

सही समय पर सेहरी और इफ्तारः सेहरी और इफ्तार के लिए समय का ध्यान रखें। सेहरी में प्रोटीन और फाइबर से भरपूर फूड्स का स्वान करें ताकि आपको दिनभर भूख न लगे। इफ्तार में हेल्दी खाने को प्राथमिकता दें और तेल में बने खाने और मिठाई का सेवन कम करें। आप चाहें तो सेहरी में सब्जियों वाला ऑमलेट बनाकर खा सकते हैं या फिर अंडा पराठे का भी सेवन कर सकते हैं। इफ्तार में फ्रूट चाट का सेवन कर सकते हैं और शरबत की जगह डीटॉक्स वाटर पी सकते हैं।

हेल्दी डाइटः अपने खाने में सब्जियों, फलों, अनाजों, दालों और दर्जनों प्रोटीन स्रोतों को शामिल करें। इन्हें बनाने के लिए तेल की कम मात्रा का प्रयोग करें। इसके अलावा रमजान खत्म होने तक बिस्कुट, केक, मिठाई आदि जैसी चीनी से भरपूर चीजों को अपनी डाइट से बाहर कर दें। इनकी जगह ताजा फलों और ड्राई फ्रूट्स का सेवन करें।

हाइड्रेशनः नॉन फास्टिंग समय के दौरान जितना हो सके खुद को हाइड्रेटेड रखें। इसके लिए सेहरी में दिनभर शरीर को हाइड्रेशन देने वाली चीजों का सेवन करें। इफ्तार के समय एकदम से पानी पीने से बचें। इसके अलावा नारियल पानी, नींबू पानी जैसी ड्रिंक्स का सेवन करें। ये आपके शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करेंगी और इनके सेवन से वजन भी होगा।

एक्सरसाइजः रमजान के महीने में भी नियमित रूप से एक्सरसाइज करें। इस दौरान योग, वॉकिंग, साइक्लिंग जैसे शारीरिक गतिविधियों को दिनचर्या में शामिल करें। याद रहे रमजान के दौरान आपको हैवी एक्सरसाइज करने से परहेज करना है।

बच्चों में ब्लड इंफेक्शन होने पर दिखाई पड़ते हैं ये लक्षण, हेल्थ एक्सपर्ट्स से जानिए बचाव के तरीके

सेहतमंद बने रहने के लिए इम्यून सिस्टम को स्ट्रांग बनाना बहुत जरूरी होता है। वहीं छोटे बच्चों की इम्यूनिटी काफी कमजोर होती है, ऐसे में उनको इंफेक्शन का अधिक खतरा होता है। इसमें सेप्सिस भी शामिल किया जाता है, जिसको ब्लड इंफेक्शन कहा जाता है। ब्लड इंफेक्शन होने पर बच्चे को थकान और कमजोरी हो सकती है। छोटे बच्चों में ब्लड इंफेक्शन होने का खतरा अधिक होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं कि ब्लड इंफेक्शन की समस्या होने पर छोटे बच्चों में क्या लक्षण नजर आते हैं। साथ ही यह भी जानेंगे इससे कैसे बच्चे का बचाव करना चाहिए।

सेप्सिस के कारणः सेप्सिस एक गंभीर रोग है, इसमें बैक्टीरिया व जीवाणु से संक्रमण होने का खतरा होता है। यह किसी भी संक्रमण के कारण से हो सकता है। इसमें आप यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन, लंग्स इंफेक्शन, स्किन इंफेक्शन और पेट से जुड़ी समस्याओं को शामिल कर सकते हैं। यह बच्चों के शरीर के अंगों को प्रभावित कर सकती है। सेप्सिस विश्व स्तर पर बाल मृत्यु दर का एक बड़ा कारण माना जा

सकता है। विकासशील देशों के बच्चों में सेप्सिस से मृत्यु की दर करीब 50 प्रतिशत से अधिक देखने को मिली है।

बच्चों में ब्लड कैंसर के लक्षण-बुखार आनाः ब्लड इंफेक्शन होने पर बच्चे को बार-बार बुखार आ सकता है। बच्चे को लगातार तेज बुखार आ सकता है। तीन साल से कम उम्र के बच्चों को इसका विशेष जोखिम अधिक होता है।

बच्चों में सुस्ती और चिड़चिड़ापनः बच्चों में ब्लड संक्रमण होने पर सुस्ती या चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। इस कारण बच्चे सुस्त और थके दिखाई देते हैं। बच्चों के व्यवहार में यह बदलाव इस तरफ संकेत करता है कि आपको फौरन डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

सांस लेने में परेशानी या तेजी से सांस लेनाः बच्चों को ब्लड इंफेक्शन की समस्या होने पर रेस्पिरेटरी से जुड़ी समस्या हो सकती है। ऐसे में बच्चों को सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। ब्लड इंफेक्शन के कारण कई बार बच्चा तेजी से सांस लेता है, या फिर सांस लेते समय घरघराहट की आवाज हो सकती है।

स्किन में असामान्य परिवर्तनः ब्लड संक्रमण वाले बच्चों की त्वचा में कई तरह के बदलाव देखने को मिल सकते हैं। बच्चों की स्किन में लालिमा और चकत्ते हो सकते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को बच्चों की त्वचा पर होने वाले बदलावों पर भी नजर रखनी चाहिए।

खाने में आनाकानी करनाः रक्त संक्रमण होने पर बच्चे को भूख लगना कम हो जाती है। ऐसे में भूख न लगने से बच्चा खाना खाने में आनाकानी करने लगता है। वहीं बच्चे का तेजी से वजन भी कम हो सकता है। अगर बच्चा खाना-खाने से मना करता है, तो यह किसी समस्या की ओर संकेत हो सकता है।

बचाव के उपायः बच्चों को साफ-सफाई की आदत डालें। बच्चों द्वारा दूध पीने वाली बोतल को डिसइंफेक्टेड जरूर करें। समय-समय पर बच्चे को स्तनपान कराएं। इससे शिशु को सभी पोषक तत्व मिलते हैं और उनमें इंफेक्शन की संभावना भी कम होती है।

इंफेक्शन से बचाव के लिए शिशु को समय पर टीका जरूर लगवाएं। बच्चों को बीमार व्यक्तियों के संपर्क में आने से बचाना चाहिए।

गर्मियों के मौसम में चीनी छोड़कर गुड़ को अपने आहार में शामिल करें

जैगरी जिसे 'गुड़' भी कहा जाता है, इसका उपयोग प्राचीन काल से भारतीय खाना में किया जाता है। कच्चे गन्ने के रस को उबालकर बनाया गया गुड़, यह कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। डॉ. वेदिका प्रेमानी, आहार विशेषज्ञ, सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल, मुंबई, का कहना है कि गर्मियों के दौरान गुड़ के सेवन का समर्थन करती हैं, लेकिन सीमित मात्रा में। 'सबसे पहले, गुड़ में कुछ मात्रा में इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे पोटेशियम, मैग्नीशियम और सोडियम होते हैं, जो शरीर के तरल पदार्थ के संतुलन को बनाए रखने और डिहाइड्रेशन को रोकने के लिए आवश्यक हैं।' वह सुझाव देती हैं कि रिफाइन चीनी की जगह गुड़ का उपयोग करना चाहिए क्योंकि इसमें आयरन और कैल्शियम जैसे खनिज थोड़ी मात्रा में मौजूद होते हैं। हड्डियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने और ऊर्जा चयापचय को सुविधाजनक बनाने के लिए शरीर को इन खनिजों की आवश्यकता होती है।गर्मियों के लिए, डॉ. प्रेमानी कहते हैं, यह आयुर्वेद के अनुसार शरीर को ठंडा करने में सहायता करता है, 'इसे गर्मी से संबंधित बीमारियों जैसे हीटस्ट्रोक और घमौरियों को कम करने के लिए विशेष रूप से फायदेमंद बनाता है'। **पनाकमः** यह लोकप्रिय पारंपरिक दक्षिण भारतीय पेय गुड़, पानी, अदरक, नींबू का रस और इलायची को मिलाकर बनाया जाता है। डिगा ऑर्गेनिक्स और एग्रो फार्म, उत्तर प्रदेश के संस्थापक और कृषक आलोक सिंह कहते हैं, 'यह अपने शीतलन गुणों के लिए जाना जाता है और अक्सर त्योहारों के दौरान या गर्मियों में कूलर के रूप में इसका सेवन किया जाता है।' डॉ प्रेमानी कहते हैं, 'इसे तैयार करने के लिए, गुड़ को पानी में घोलें और उसमें थोड़ा सा अदरक, इलायची और थोड़ा सा नींबू का रस मिलाएं। **नोलेन गुड़ आइसक्रीमः** डॉ. प्रेमानी द्वारा सुझाई गई यह रेसिपी निश्चित रूप से युवाओं के बीच हिट होने वाली है। डॉ. प्रेमानी बताते हैं कि पश्चिम बंगाल से शुरू होने वाली, नोलेन गुड़ आइसक्रीम दूध, क्रीम और एक चुटकी नमक के साथ नोलेन गुड़ (खजूर गुड़) को मिलाकर मलाईदार आधार बनाकर बनाई जाती है। इसे सख्त होने तक फ्रीज में रखें, और भरपूर, कारमेल जैसे स्वाद का आनंद लें जो गर्मी में शरीर को तुरंत आराम पहुंचाता है। **तिल के लड्डूः** हममें से ज्यादातर लोगों की तिल के लड्डू से जुड़ी यादें हैं। पूजा और त्योहारों के दौरान खाई जाने वाली एक आम मिठाई, यह तिल के बीज और गुड़ के साथ बनाई जाती है, जिसे हमारी माताओं और दादी के प्यार भरे हाथों से गोले बनाकर बनाया जाता है। आलोक का कहना है कि ये पौष्टिक और शीतल दोनों हैं। **गुड़ का शरबतः** गर्मियां ठंडे और ताजगी देने वाले पेय के बिना अधूरी हैं। अपने सोडा को गुड़ के शरबत से बदलें। यह पेय पानी में नींबू और जीरा डालकर और तीखे स्वाद के लिए गुड़ और काला नमक मिलाकर बनाया जाता है। इसे 'एक बेहतरीन हाइड्रेटर और शर्करा युक्त सोडा का एक स्वस्थ विकल्प' के रूप में बढ़िया हैं। डॉ. प्रेमानी कहते हैं, 'इसका खट्टा-मीठा स्वाद से डिहाइड्रेशन प्रभावी ढंग से निपटता है।' **गुड़ की कुल्फीः** कुल्फी डेयरी स्वादिष्टता का प्रतीक है। डॉ. प्रेमानी के अनुसार, कुछ कसा हुआ गुड़ के साथ दूध उबालने की सलाह दी हैं, इसे गाढ़ा होने तक कम करें और कुल्फी के सांचों में डालें। 'तैयार होने तक फ्रीज करें, और मलाईदार भोग का स्वाद लें, जो गर्म गर्मी के दिनों में ठंडक देने के लिए बिल्कुल उपयुक्त है।'

महिलाओं में क्यों होता है सर्वाइकल कैंसर का अधिक जोखिम, इन लक्षणों को न करें अनदेखा

महिलाओं को होने वाले कैंसर में सर्वाइकल कैंसर का जोखिम भी शामिल किया जाता है। महिलाओं के प्रजनन अंग को यह कैंसर प्रभावित कर सकता है। वहीं सर्वाइकल कैंसर के मामलों में हर साल तेजी से बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। महिलाओं को पीरियड्स, मासिक धर्म और प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के किसी भी संकेत को अनदेखा करने की गलती नहीं करनी चाहिए। वहीं समय के साथ ही कैंसर के लक्षण अधिक गंभीर हो सकते हैं। अन्य कैंसरों की तरह सर्वाइकल कैंसर भी महिलाओं के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। आज हम आपको सर्वाइकल कैंसर के जोखिम कारकों के बारे में बताने जा रहे हैं। **महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के जोखिम कारकः** महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाएं सर्वाइकल कैंसर में अनियंत्रित हो रूप से बढ़ने लगती है। डॉक्टर के मुताबिक जिस भी अंग में कोशिकाओं के जीन में बदलाव होता है, उसी अंग के नाम से कैंसर पहचाना जाता है। हांलाकि इस दौरान महिलाओं को कई तरह के लक्षण महसूस हो सकते हैं। आपको बता दें कि वजाइना के निचले भाग से सर्वाइकल कैंसर शुरु होता है और यह ऊपरी वजाइना तक फैल

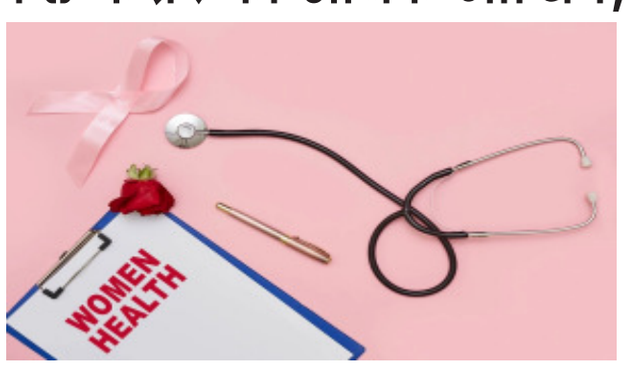

सकता है। गर्भाशय के सबसे नीचे हिस्से का घातक ट्यूमर होता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सर्वाइकल कैंसर से जोखिम कारक क्या हो सकता है। **कमजोर इम्यूनिटीः** कुछ महिलाओं की इम्यूनिटी कमजोर होती है। उनको कैंसर होने की संभावना अधिक होती है। वहीं जो महिलाएं इम्यूनोसप्रेसिव थेरेपी कराती हैं। उनको भी सर्वाइकल कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। कमजोर इम्यूनिटी वाली महिलाओं को डाइट में पोषक तत्वों को शामिल करना चाहिए। इसके साथ ही रोजाना व्यायाम भी करना चाहिए। रोजाना व्यायाम करने से गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का खतरा अधिक होता है। **एचपीवी संक्रमणः** एचपीवी इंफेक्शन सर्वाइकल कैंसर का एक मुख्य जोखिम कारक हो सकता है। वहीं, एचपीवी के कुछ प्रकार विशेष रूप जैसे एचपीवी 16 और एचपीवी 18 सर्वाइकल कैंसर से जुड़े होते हैं। एचपीवी एक यौन संचारित संक्रमण है। इससे बचने के लिए सुरक्षित यौन संबंध और एचपीवी वैक्सीन लेनी चाहिए। **धूम्रपानः** जो महिलाएं नियमित रूप से सिगरेट का सेवन करती हैं, उनको सर्वाइकल कैंसर का जोखिम ज्यादा होता है। क्योंकि सिगरेट के तंबाकू और धुएं के कैमिकल के गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाएं डैमेज होने का खतरा अधिक हो सकता है। साथ ही एचपीवी इंफेक्शन होने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं जो महिलाएं सिगरेट का सेवन नहीं करती हैं, उनको सर्वाइकल कैंसर का जोखिम कम रहता है। **नियमित रूप से चेकअप न करानाः** सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए महिलाओं को नियमित रूप से पैप टेस्ट या एचपीवी टेस्ट कराना चाहिए। इससे प्रजनन अंगों से जुड़े कैंसर का खतरा कम होता है। वहीं नियमित जांच के चलते कैंसर की समय रहते पहचान भी की जा सकती है। जिससे इसके इलाज में आसानी होती है।

एचपीवी वैक्सीनः आपको बता दें कि एचपीवी वैक्सीन न लगावाने वाली महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर का जोखिम सबसे ज्यादा होता है। महिलाओं को गर्भाशय से जुड़ी समस्याओं व इंफेक्शन से बचने के लिए एचपीवी वैक्सीन लगानी चाहिए। इस समस्या से बचने के लिए महिलाएं स्त्री रोग विशेषज्ञ से परामर्श कर सकती हैं। महिलाओं को प्रजनन अंग से जुड़े रोगों से अपना बचाव करने के लिए जागरुक होने की जरूरत होती है। सर्वाइकल कैंसर और अन्य कैंसर के जोखिम से बचने के लिए लाइफस्टाइल और डाइट में जरूरी बदलाव करना चाहिए। वहीं पीरियड से जुड़ी किसी भी तरह की समस्या का सामना करने पर फौरन डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए।

होली में ओवरईटिंग के कारण पेट खराब हो जाए तो इन टिप्स से राहत पाएं

होली के त्योहार पर घर में बनी गुजिया, पकौड़ी और टेस्टी पकवान जरुर बनते हैं। होली के जश्न में सभी लोग खुशी खूब सारे पकवान खा लेते हैं।

लेकिन ज्यादा तीखा ऑयली और खट्टा खाने की वजह से लोगों को पेट संबंधित समस्याएं होने लगती हैं। वहीं किसी को लूजमोशन होता है तो किसी को गैस-एसिडिटी से परेशानी होने लगती है। अगर आप इन समस्याओं से बचना चाहते हैं तो आप इन घरेलू उपाय को पढ़कर नोट कर लें, होली पर पाचन संबंधी परेशानियों से बचने में मददगर साबित हो सकती है।

पाचन को बेहतर रखने के लिए खाएं ये चीजेंः ओवरईटिंग के चलते अगर आपका पेट खराब हो गया है तो आप दही का सेवन करें। दही काफी फायदेमंद हो सकता है।

इसमें मौजूद प्रीबायोटिक पेट में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म कर हेल्दी बैक्टीरिया को बढ़ाता है। इसमें फाइबर होता जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। दही के सेवन से पेट को ठंडक मिलती है। ओवरईटिंग के कारण अगर आपका पेट खराब हो गया है और आपको लूज मोशन हो गए हो तो आप केले का सेवन कर सकते हैं केले में पेक्टिन होता है जो माल को बांधने का कार्य करता है। केला में अधिक मात्रा में फाइबर होता है जो आपको लंबे समय तक भरा हुआ रखता है।

सेब में काफी मात्रा में फाइबर होता जिससे पाचन को सुधारने में मदद मिलती है जिससे कब्ज जैसी दिक्कत दूर होती है। जब आपका पेट खराब हो तो आप नारियल पानी पी सकते हैं। इससे शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स मेंटेन रहेगा। लूज मोशन के दौरान शरीर से पानी बहुत ज्यादा निकल जाता है। ऐसे में अगर आप नारियल पानी पीते हैं तो यह शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है।

गंगोत्री का प्राकृतिक सौंदर्य कर देता है सभी को मंत्रमुग्ध

गंगोत्री हिमालय की गोद में स्थित है। हिंदू धर्मग्रंथों में 'मां गंगा' के रूप में जिस नदी का जिक्र आता है, यह उसका उद्गम स्थल है इसलिए इसका धार्मिक महत्व भी खूब है। यहां के दर्शनीय स्थलों में 18वीं शताब्दी के दौरान गोरखा कमांडर अमर सिंह द्वारा बनवाया गया गंगोत्री मंदिर प्रमुख है। गंगोत्री के प्राकृतिक सौंदर्य की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। यह स्थान अपने अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। गंगोत्री की यात्रा पर आए सैलानियों को यहां का अलौकिक सौंदर्य मंत्रमुग्ध सा कर देता है। गंगोत्री चूंकि एक खूबसूरत तीर्थस्थल है सो इसके आसपास का वातावरण बहुत ही शांतिमय है। गंगोत्री के आसपास में स्थित तपोवन, नंदनवन तथा गोमुख स्थलों का जब आप पैदल भ्रमण करेंगे तो आपको अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त होगा।

एसपी के नेतृत्व में बलवा ड्रिल अभ्यास, कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु पुलिस लाइन में कराई गई हाई-इंटेंसिटी बलवा ड्रिल

त्योहारों से पूर्व पुलिस की तैयारी पुलिस लाइन कौशाम्बी में हुआ व्यापक बलवा ड्रिल का अभ्यास

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा पुलिस लाइन कौशाम्बी में आगामी त्यौहारों के अवसर पर शुक्रवार को जनपद में शान्ति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहारों को सम्पन्न कराने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के मार्गदर्शन में पुलिस लाइन्स कौशाम्बी में बलवा ड्रिल का अभ्यास कराया गया। अभ्यास के दौरान पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा दंगा नियंत्रण उपकरणों जैसे-टियर गैस गन,एंटी राइट गन,चिली बम,रबर बुलेट एवं हैंड ग्रेनेड आदि के प्रयोग करने का भी प्रशिक्षण अभ्यास किया गया। बलवा ड्रिल डेमोंसट्रेशन के दौरान समस्त अधिकारी कर्मचारीगण द्वारा विधि विरुद्ध भीड़ को तितर-बितर करने व शान्ति व्यवस्था स्थापित करने हेतु क्रमवार विधिक कार्यवाही का अभ्यास किया गया, जिसमें बलवा ड्रिल की 10 टीमें बनाकर क्रमशः एलआईयू के द्वारा अभिसूचना संकलन,नागरिक पुलिस के द्वारा भीड़ को समझाने-बुझाने का प्रयास, चेतावनी,अग्निशमन दल द्वारा पानी के छिड़काव का प्रयोग करना, टीयर

गैस स्क्वाड द्वारा अश्रु गैस का प्रयोग,लाठी पार्टी द्वारा न्यूनतम बल के प्रयोग से भीड़ को तितर-बितर करने की कार्यवाही का अभ्यास किया गया। तत्पश्चात इसी क्रम में यदि बलवाइयों द्वारा अपने प्रदर्शन में बल व हिंसा का प्रयोग जारी रखा जाता है तो फायर पार्टी के द्वारा भी आत्मरक्षार्थ फायरिंग की आवश्यकता की आवश्यकता पड़ सकती है,जिसके दृष्टिगत फायर पार्टी द्वारा फायरिंग की कार्यवाही का भी अभ्यास कराया गया ।

बलवा ड्रिल डेमोंसट्रेशन के दौरान घायलों के उपचार हेतु प्राथमिक चिकित्सा पार्टी तथा एम्बुलेंस की भी आवश्यकता पड़ सकती है जिसके दृष्टिगत प्राथमिक चिकित्सा पार्टी एम्बुलेंस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही का भी अभ्यास कराया गया। बलवा ड्रिल डेमोंसट्रेशन के क्रम में भीड़ वाले स्थान से भीड़ को तितर-बितर करने के उपरान्त रिजर्व पुलिस टीम द्वारा पिकेट लगाकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने का भी अभ्यास कराया गया।बलवा ड्रिल डेमोंसट्रेशन के अन्त में भीड़ को तितर बितर करने हेतु कमाण्ड देने वाले अधिकारी का सारगर्भित रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया का भी अभ्यास कराया गया। बलवा ड्रिल के सम्पूर्ण डेमोंसट्रेशन के दौरान पुलिस अधीक्षक के द्वारा बारीकी से पर्यवेक्षण किया गया तथा ड्रिल के दौरान आईं छोटी-मोटी त्रुटियों से अवगत कराते हुए आवश्यक सुधार हेतु मार्गदर्शन दिए गए एवं पुलिस कर्मियों के उत्साहवर्धन हेतु उनके द्वारा किए गए प्रयास के लिए सराहना भी की गई।

संबोधन के दौरान समस्त उपस्थित पुलिस अधिकारी कर्मचारीगण को बलवा ड्रिल का अभ्यास किए जाने के उद्देश्य से अवगत कराते हुए बताया गया कि अभ्यास से जनपद में विधि विरुद्ध जमाव,बलवा,हिंसा आदि के अवसरों पर न्यूनतम बल का प्रयोग कर शान्ति व्यवस्था बनाए रखने में सफलता प्राप्त होती है।बलवा ड्रिल के डेमोंसट्रेशन की सम्पूर्ण कार्यवाही के दौरान ड्रोन कैमरे से लगातार निगरानी की गई अभ्यास के दौरान अपर जिलाधिकारी कौशाम्बी अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी, उपजिलाधिकारी मंझनपुर,समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन, तथा समस्त थाना प्रभारियों सहित अन्य पुलिस कर्मी एवं रिक्रूट आरक्षी द्वारा प्रतिभाग किया गया!

संवाद से समाधानः वाराणसी मंडल में एससी/एसटी रेलवे कर्मचारियों की आवाज़ को मिला मंच

वाराणसी। कर्मचारियों के हित और रेलवे की प्रगति को साथ लेकर चलने के संकल्प के साथ 27 फरवरी 2026 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित भारतेंदु सभागार में ऑल इंडिया एस.सी./एस.टी. रेलवे इम्प्लॉइज एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण अनौपचारिक बैठक आयोजित हुई, जिसमें मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने स्पष्ट कहा कि संवाद ही विकास की असली कुंजी है।

बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रास्ट्रक्चर) अजय सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक (ऑपरेशन) अशोक कुमार वर्मा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिनव कुमार सिंह सहित सभी शाखा अधिकारी और एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद रहे। मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि किसी भी यूनियन या एसोसिएशन के साथ संवाद के दो प्रमुख आधार होते हैं–कर्मचारियों का कल्याण और रेलवे की निरंतर प्रगति–और जब ये दोनों साथ चलते हैं तो संगठन स्वतः आगे बढ़ता है। उन्होंने बताया कि वाराणसी मंडल में कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए यूनियनों और एसोसिएशनों के साथ नियमित अंतराल पर अनौपचारिक वार्ता की सशक्त व्यवस्था विकसित की गई है, जिससे न्यायोचित मांगों का आपसी सहमति से निस्तारण किया जा सके। उन्होंने संवैधानिक

प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण देने के लिए अलग-अलग रोस्टर लागू हैं और इनके प्रावधानों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि एससी/एसटी एसोसिएशन से प्राप्त पत्रों और परिवादों का त्वरित निस्तारण प्राथमिकता पर किया जाना चाहिए तथा की गई कार्रवाई की जानकारी संबंधित पक्ष को दी जानी चाहिए। मंडल रेल प्रबंधक ने विश्वास जताया कि वाराणसी मंडल के विकास में सभी का सकारात्मक सहयोग आगे भी मिलता रहेगा। इस दौरान एसोसिएशन के जोनल अध्यक्ष बच्चू लाल ने प्रशासन के सकारात्मक दृष्टिकोण की सराहना करते हुए कर्मचारियों की समयबद्ध पदोन्नति की मांग रखी। मंडल महामंत्री प्रमोद कुमार ने ड्यूटी रोस्टर के अनुसार साप्ताहिक विश्राम, पदोन्नति, वरीयता और चयन में आरक्षण नियमों के कड़ाई से अनुपालन की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैठक में अन्य विभिन्न समस्याओं पर भी गंभीरता से चर्चा हुई और उनके समाधान की दिशा में ठोस प्रयास करने पर सहमति बनी। जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि प्रशासन और एसोसिएशन के बीच यह रचनात्मक संवाद कर्मचारियों के हितों की रक्षा और मंडल की कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कुल मिलाकर, यह बैठक सिर्फ औपचारिकता नहीं बल्कि भरोसे, पारदर्शिता और साझी जिम्मेदारी का सशक्त संदेश देकर समाप्त हुई।

दिनेश कुमार का जब पहुंचा शव मोहल्ले में मचा कोहराम

अंत्येष्टि में पहुंचे रुश्दी मियां

मवई/अयोध्या। रुदौली तहसील ब्लाक मवई के ग्राम नेवरा निवासी रामगुलाम निषाद के पुत्र दिनेश कुमार का ग्राम पचलो के समीप मोटरसाइकिल के आमने-सामने की टक्कर से अस्पताल ले जाते समय मृत्यु हो गई थी पुलिस द्वारा पंचनामा करने के पश्चात शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था मृतक दिनेश कुमार का जब पार्थिव

शरीर घर पहुंचा तो मोहल्ले में कोहराम मच गया उनके परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल रहा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता व पूर्व राज्य मंत्री रुश्दी मियां मृतक के पिता से मिलकर ढांढ़स बढ़ाया और कहा कि इस दुख की घड़ी में हम आपके साथ हैं पूर्व प्रमुख निशात अली खान ने भ दिनेश कुमार की मृत्यु पर गहरा शोक प्रकट किया है अंत्येष्टि के समय एडवोकेट विनोद कुमार लोधी जिला पंचायत प्रतिनिधि घनश्याम धीमान पूर्व प्रधान मोहम्मद कादिर खान इशरत अली खान कमलेश साहू मलिक कल्लू बाबा जगजीवन आदि लोग उपस्थित थे और उन्होंने गहरा शोक प्रकट किया अजय कुमार पुत्र राम तीरथ निवासी अलियाबाद का दर्शन नगर ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा था इलाज के दौरान उसकी भी मृत्यु हो गई अभी तीन लोगों का ट्रामा सेंटर दर्शन नगर में इलाज चल रहा है जिनकी भी हालत चिंताजनक है मृतक दिनेश कुमार के तीन पुत्र व दो बेटियां हैं।

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का संयुक्त निदेशक ने किया स्थलीय पर्यवेक्षण

चित्रकूट । राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद में आई.डी.ए. 10 फरवरी से 28 फरवरी तक चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत शुक्रवार को संयुक्त निदेशक, डॉ. विनोद अग्रवाल द्वारा कार्यक्रम का स्थलीय पर्यवेक्षण किया गया। पर्यवेक्षण के दौरान ब्लॉक शिवरामपुर के ग्राम रेहुंटिया व ब्लॉक पहाड़ी के ग्राम बूढा सेमरवार मे टीम के कार्यों का भौतिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान जनसमुदाय को फाइलेरिया से बचाव हेतु जागरूक करने व दवा खाने से इंकार करने वाले व्यक्तियों का संवेदीकरण कर दवा खिलाने का भी कार्य किया गया। साथ ही आईडीए कार्यक्रम से संबधित समस्त अभिलेखो व रिपोर्टिंग की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। जोकि संतोषजनक पाया गया। अब तक जनपद में कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल लक्षित 779956 जनसंख्या में से 617587 जनसंख्या को दवा का सेवन कराया जा चुका है।

वाराणसी मंडल में 16 सिपाहियों सहित रेलकर्मियों को मिला ‘एक्सीलेंस अवॉर्ड’

वाराणसी। भारतीय रेल में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी संकल्प को साकार करने वाले 16 समर्पित रेलकर्मियों को 27 फरवरी 2026 को वाराणसी मंडल के भारतेन्दु सभागार कक्ष में सम्मानित किया गया, जहां मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने दिसंबर 2025 एवं जनवरी 2026 के दौरान संरक्षा एवं सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट और उल्लेखनीय योगदान देने वाले कर्मचारियों को ‘मैत्तहर्मे’ प्रदान किया। समारोह का वातावरण गर्व और प्रेरणा से भरा रहा तथा उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने जोरदार तालियों से सम्मानित साथियों का उत्साहवर्धन किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि भारतीय रेल की सर्वोच्च प्राथमिकता यात्रियों की संरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करना है और इस दिशा में वाराणसी मंडल निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि परिचालन, इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं दूरसंचार, विद्युत तथा सुरक्षा विभागों के समन्वित प्रयासों से कई संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते टाला गया। उन्होंने कहा कि

सतर्कता, त्वरित निर्णय क्षमता और कर्तव्यनिष्ठा ही रेल सुरक्षा की असली ताकत है। कार्यक्रम में उन कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया जिन्होंने अपनी सजगता से रेल संपत्ति और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। मंडल रेल प्रबंधक ने सभी सम्मानित कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि उनका कार्य अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने सभी रेलकर्मियों से अपील की कि वे संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर जागरूकता बनाए रखें। मंडल प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि टीम भावना और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए भविष्य में भी सुरक्षा के उच्चतम मानकों को कायम रखा जाएगा। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) अशोक कुमार वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) अजय सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक आर.जे. चौधुरी, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी एम. रमेश कुमार, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर रजत प्रिय तथा वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) विकास कुमार सिंह सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सम्मान प्राप्त करने वालों में तरुण गुप्ता (कुसम्ही), सिंघासन प्रसाद गोंड (नूनखार), आशीष कुमार (बनकटा), रविशंकर शाह (रेसुब देवरिया), पप्पू ट्रैकमेन्टेनर (शाहगंज), असित घोष (मुख्य वाणिज्य निरीक्षक वाराणसी), धर्मेन्द्र कुमार (जेई सिग्नल कप्तानगंज), बैजनाथ यादव (हाउसकीपिंग सहायक मंडल चिकित्सालय वाराणसी), अजय कुमार सिंह (वाणिज्य निरीक्षक वाराणसी), पवन सिंह यादव (नर्सिंग अधीक्षक मंडल चिकित्सालय वाराणसी), विमलेश कुमार गुप्ता (सहायक डिपो सामग्री अधीक्षक वाराणसी), ब्रह्मदेव राय (टीसीएम छपरा), रवि रंजन कुमार (लेखा सहायक वाराणसी), अमित कुमार चौधरी (सीएसईई समाडि कंट्रोल वाराणसी), संतोष कुमार सिंह (सिग्नल कप्तानगंज) और शिवचरण मीना (ट्रैकमेन्टेनर रामकोला) शामिल रहे। इन सभी कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में सजगता और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए यह सिद्ध किया कि सुरक्षा केवल नियमों से नहीं बल्कि समर्पण से सुनिश्चित होती है। कार्यक्रम के अंत में सभी सम्मानित रेलकर्मियों ने संरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और यह संदेश दिया कि जब तक रेलकर्मी सतर्क हैं तब तक यात्रियों की सुरक्षा अडिग रहेगी। जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे सम्मान समारोह न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाते हैं बल्कि पूरे मंडल में सुरक्षा संस्कृति को और मजबूत करते हैं।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में नाना जी विचार केंद्र और उनकी पीठ स्थापित होगी- प्रो. आलोक चौबे

चित्रकूट । भारत रत्न राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख की 16वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को ग्रामोदय विश्वविद्यालय के नाना जी उपवन में भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामोदय के सभी प्राध्यापक, अधिकारी व छात्र-छात्राओं द्वारा उनके चित्र पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर वाल्मीकि सभागार में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने कहा कि नाना जी के विचारों और कार्यों का लाभ प्रदेश सहित देश-विदेश तक भी पहुँचे, इस उद्देश्य से विश्वविद्यालय में नाना जी देशमुख विचार केंद्र एवं नाना जी पीठ की स्थापना की जाएगी।

कोई भी पात्र व्यक्ति किसी भी योजना से वंचित न हो,सुल्तानपुर व पचलो ग्राम में चौपाल का हुआ आयोजन

सरकार की है यही मंशाःआनंद श्रीवास्तव

मवई/अयोध्या। विकास खण्ड मवई के ग्राम सुल्तानपुर व पचलो गांव में शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया।ग्राम चौपाल में नोडल अधिकारी के रूप में उपस्थित ए डी ओ समाज कल्याण आनन्द श्रीवास्तव ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि गांव का कोई भी पात्र व्यक्ति किसी भी योजना से वंचित न हो और अपनी समस्याओं के लिए ब्लाक के चक्कर न लगाना पड़े।इसी लिए ग्राम चौपाल का आयोजन प्रत्येक शुक्रवार को किया जाता है।ग्राम पंचायत अधिकारी अतुल दुबे ने बताया कि ग्राम चौपाल में कुल तीन मामले आए।दो मामले परिवार रजिस्टर की नकल को लेकर थे जिसे मौके पर ही उपलब्ध करा दी गई है।इसके अलावा एक मामला पेंशन को लेकर था।किसी कारण पेंशन नहीं आ रही थी।फरियादी को डी बी टी कराने को कहा गया।इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि धर्मेंद्र सिंह,रोजगार सेवक,पंचायत सहायक आदि उपस्थित थे।ग्राम पचलो में भी ग्राम प्रधान इस्तिखार अहमद की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया।ग्राम विकास अधिकारी लालजी चौरसिया ने बताया कि तीन लोगों ने परिवार रजिस्टर की नकल की मांग की थी जिसे उन लोगों को नकल उपलब्ध करा दिया गया है।इसी प्रकार दो मामले पेंशन से सम्बंधित आए थे उन लोगों को डी बी टी कराने के लिए कहा गया।

नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों द्वारा ली गयी नागरिक सुरक्षा व आपदा प्रबंधन की विशेष प्रशिक्षण

चित्रकूट।कलेक्ट्रेट प्रांगण नियंत्रण कक्ष में नागरिक सुरक्षा के नवनियुक्त वार्डन सेवा एवं गृह अग्निशमन सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार, अपर जिलाधिकारी, न्यायिक, अजय कुमार, डिप्टी कलेक्टर (उप नियंत्रक) की उपस्थिति में प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में वार्डन सेवा एवं गृह अग्निशामन सेवा में रविशंकर पाण्डेय, अस्मित सिंह, इन्द्रजीत, आलोक कुमार सिंह, रमेश, रिंकू कुमार, ज्ञान चन्द्र, पुनीष कुमार, शुभम पाण्डेय, सौरभ मिश्रा, गंगासागर, शैलेन्द्र कुमार, आजाद वर्मा, हरिचन्द्र, अनिल कुमार, रामकृष्ण, सुन्दर लाल, कु0 प्राची मिश्रा, रेणुका यादव आदि मौजूद रहे। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में वार्डन सेवा के स्वयंसेवकों तथा गृह अग्निशमन सेवा के स्वयंसेवकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

नेवरा में फर्जी मतदाता बढ़ाने पर जांच में हुआ बड़ा खुलासा

उप जिला मजिस्ट्रेट द्वारा तीन बिंदुओं पर मांगा स्पष्टीकरण शिकायतकर्ता व ग्रामीणों में बढ़ी न्याय की आस

मवई/अयोध्या। पंचायत निर्वाचन नामावली 2025- 26 ग्राम पंचायत नेवरा में फर्जी मतदाता बढ़ाने जाने पर माननीय राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश वह अन्य अधिकारियों से शिकायतकर्ता इशरत अली खान द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया था जिस पर उप जिला मजिस्ट्रेट रुदौली द्वारा जांच राजस्व टीम गठित करके नायब तहसीलदार को जांच अधिकारी नामित किया था जांच अधिकारी द्वारा ग्राम नेवरा पहुंचकर स्थलीय जांच की गई थी जांच अधिकारी द्वारा जांच आख्या उप जिला मजिस्ट्रेट रुदौली को सौंप दी गई जिस पर बी एल ओ हरकेश पर पंचायत निर्वाचन नामावली ग्राम नेवरा में फर्जी मतदाता प्रारूप 2 के माध्यम से बढ़ाए जाने का आरोप सिद्ध पाया गया है जिस पर हरकेश रावत को उप जिला मजिस्ट्रेट ने अपने पत्र संख्या 276 /एस0टी0/ बी एल ओ स्पष्टीकरण/ 2026 दिनांक 20 फरवरी 2026 द्वारा पंचायत चुनाव में फर्जी मतदाता बढ़ाए जाने पर तीन बिंदुओं पर जवाब तलब किया गया है कि ग्राम नेवरा में घुमंतु जाति (मंगता) के अधिकारियों को गुमराह करके कूटरचित दस्तावेज गलत तथ्यो के आधार पर सामान्य निवास प्रमाण पत्र व जाति प्रमाण पत्र निर्गत किए जाने का फर्जीवाड़ा बहुत बड़ा किया गया है संवाददाता द्वारा दो सामान्य निवास प्रमाण पत्र प्राप्त किया है आवेदन क्रमांक 2317 700 20 17 24 79 प्रमाण पत्र क्रमांक 47 12320 26 331 / जारी दिनांक 21, 10 , 2023 क्षेत्रीय लेखपाल की जांच आख्या भी दिनांक 21. 10 .23 है व प्रमाण पत्र आवेदन क्रमांक 2517 700 200 13 069 प्रमाण पत्र क्रमांक 47 125 200 30 43 जारी दिनांक 28. 1 . 25 क्षेत्रीय लेखपाल की जांच आख्या व जारी दिनांक एक ही तिथि है आश्चर्य है कि उसी दिनांक को प्रमाण पत्र ऑनलाइन कराया गया और उसी दिनांक को कार्यालय उप जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त सामान्य निवास प्रमाण पत्र जारी किया गया है इससे बिल्कुल स्पष्ट है क्षेत्रीय लेखपाल सत्यनारायण पाठक द्वारा अधिकारियों को गुमराह करके फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सामान्य निवास प्रमाण पत्र निर्गत कराया है इसी प्रकार आधार कार्ड का भी फर्जीवाड़ा का बड़ा खेल किया गया है इससे स्पष्ट है की क्षेत्रीय लेखपाल सत्यनारायण पाठक की संलिप्ता जाहिर होती है जो गहन जांच का विषय है इससे पूर्व क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा ग्राम पंचायत इनारा में आवास आवंटन हेतु प्रस्ताव दिनांक 118 21 को अपात्र लोगों का पारित किया गया था जिसको अधिकारियों को गुमराह करके आवासीय पट्टो का अनुमोदन भी करा लिया था जब ग्रामीणों को पता चला तब सुभाष यादव ने उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 धारा 66 के अंतर्गत न्यायालय अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंडल अयोध्या जनपद अयोध्या वाद संख्या 337 71 / 2021 सुभाष चंद्र बनाम कमलेश व अन्य वाद योजित किया गया जिसको सुनवाई के पश्चात अपर जिला अधिकारी प्रशासन अयोध्या ने अपने आदेश दिनांक 24 , 2 , 2023 को आवासीय पट्टा निरस्त कर दिया गया उस समय लेखपाल पर कोई विरुद्ध कार्रवाई नहीं की गई शिकायतकर्ता इशरत अली व ग्रामीणों में यह हलचल देखने को मिल रही है कि बी एल ओ को क्या दंड मिलेगा पर्यवेक्षक के रूप में क्षेत्रीय लेखपाल सत्यनारायण पाठक की संलिप्ता की भी जांच होगी अथवा नहीं शिकायतकर्ता व ग्रामीण उप जिला मजिस्ट्रेट/ सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी रुदौली से न्याय की आस लगाए हैं।

मण्डलायुक्त ने तहसील लालगंज व विकास खण्ड लालगंज का किया वार्षिक निरीक्षण

मिर्जापुर।मिर्जापुर मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल राजेश प्रकाश ने आज तहसील व विकासखंड कार्यालय पहुंचकर वार्षिक निरीक्षण किया। मण्डलायुक्त ने लंबित मुकदमों व तहसील परिसर में निर्माणाधीन आवासीय भवन के कार्यों की सुस्त रफ्तार पर सख्ती दिखाते हुए कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। तहसील निरीक्षण के दौरान उन्होंने तीन से पांच वर्ष से लंबित राजस्व वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। तहसील सभागार में अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान मण्डलायुक्त ने कहा कि पुराने मामलों का समयबद्ध निस्तारण नहीं होने से आमजन को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ती है। सभी प्रकरणों की सूची तैयार कर नियमित समीक्षा की जाए। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। निरीक्षण में कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाओं और लंबित भुगतानों की भी पड़ताल की गई। मण्डलायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन कर्मियों का भुगतान लंबित है, उसे शीघ्र निपटाया जाए ताकि कार्यालयी कार्य प्रभावित न हों। तत्पश्चात उन्होंने विकासखंड परिसर का निरीक्षण किया। परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और लगाए गए पौधों की देखरेख सुनिश्चित करने को कहा। नवनिर्मित व निर्माणाधीन भवनों की गुणवत्ता जांचते हुए कार्यदायी संस्था को समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने की हिदायत दी। तहसील परिसर में बन रहे आवासीय भवन के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश देते हुए मण्डलायुक्त ने स्पष्ट किया कि निर्धारित अवधि में कार्य पूरा न होने पर संबंधित संस्था के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट महेंद्र सिंह, आईएएस अंशुल हिंदी, उपनिदेशक अर्थ एवं संख्या आर्यन यादव, संयुक्त विकास आयुक्त रमेश, एडीओ पंचायत अजय शंकर तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी अमर बहादुर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

किसी भी भाषा के साथ नहीं होना चाहिए भेदभाव- शर्मा

चित्रकूट। जगदगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग, भारतीय भाषा समिति तथा भारतीय भाषिक एकात्मता की पुनः कल्पना विषय पर चल रही राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन तकनीकी सत्र में 30 से अधिक शोध पत्रों का वाचन विद्वान और शोधकर्ताओं के द्वारा किया गया। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए डॉ. तरुण कुमार शर्मा ने कहा कि भारतीय भाषाओं की एकात्मता इसी तथ्य में निहित है कि हम किसी भी भाषा के साथ कोई भेदभाव न करके सभी भाषाओं को सम्मान की दृष्टि से देखें तथा प्रत्येक भाषा की विशिष्ट शैली को समझकर उसके संस्कृतिक परिपेक्ष्य का विकास करें। उन्होंने भारतीय भाषा परिवार के माध्यम से विकसित भारत 2047 की संकल्पना को सार्थक बनाने हेतु प्रत्येक भाषा के संवर्धन पर विशेष बल दिया।

डॉ. बालमुकुंद ने कहा कि भारतीय भाषाओं की अपनी

विशिष्ट शैली है जो हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को दर्शाती है। भाषा परिवार के रूप में प्रत्येक भाषा को जन सामान्य तक पहुंचा कर उसके प्रति प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ मनोभाव विकसित करने हेतु प्रेरित किया जाना चाहिए तभी भारतीय भाषा परिवार की प्रासंगिकता सिद्ध हो सकती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिशिर कुमार पांडेय ने संगोष्ठी के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं व्यक्त की। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय छतरपुर की पूर्व कुलपति प्रो. शोभा तिवारी ने कहा कि समस्त भारतीय भाषाओं का जीवन दर्शन एक है, जो एक नई सोच और नवाचारों को प्रेरणा देता है। हमें सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करते हुए किसी भाषा को कमतर नहीं मानना चाहिए, क्योंकि भाषा हमारे व्यक्तित्व को परिमार्जित करती है साथ ही हमारी सोच को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर विकसित करती है। गाजियाबाद से पधारी गीता सिंह ने भाषा के सामाजिक सरोकारों को स्पष्ट करते हुए भाषा परिवार के रूप में प्रत्येक भाषा के भाव पक्ष व तकनीकी पक्ष को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि भाषा की उन्नति से ही एक विकसित राष्ट्र की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। समापन सत्र में आयोजन सचिव डॉ. अमित अग्निहोत्री ने सभी अतिथियों के सम्मान में स्वागत भाषण भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. गोपाल कुमार मिश्र के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. निहार रंजन मिश्र, डॉ. रजनीश कुमार सिंह, विनीत पांडेय, सार्थक विश्वकर्मा, डॉ. प्रमिला मिश्रा, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. रवि प्रकाश शुक्ल, डॉ. हरिकांत मिश्र सहित विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

नगर पालिका ई.ओ. की बेपरवाही आई सामने ए.डी.एम. को निरीक्षण में गायब मिले सफाईकर्मी

चित्रकूट। नगर पालिका परिषद अंतर्गत प्रभारी अधिकारी अरुण कुमार द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पटेल चौक से नगर पालिका परिषद कार्यालय, चित्रकूटधाम तक कोई भी सफाई कर्मचारी कार्यरत नहीं पाया गया। साथ ही सी.एम.ओ. आफिस पुरानी कोतवाली चौराहा के पास सफाई कार्य में लगे कर्मचारी अनुज एवं बृजेश बिना निर्धारित वर्दी के पाए गए। इस पर प्रभारी अधिकारी द्वारा संबंधित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए गए तथा भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न होने की सख्त चेतावनी दी गई।रामपुरी वार्ड संख्या 20 एवं भारतपुरी वार्ड संख्या 18 में डोर-टू-डोर कलेक्शन व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान डोर-टू-डोर कलेक्शन में कार्यरत ड्राइवर कुलदीप, प्रकाश एवं राजा से व्यवस्था की जानकारी ली गई। वाहन में नंबर प्लेट अनुपस्थित पाई गई, जिस पर सफाई निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि सभी वाहनों में अनिवार्य रूप से नंबर प्लेट लगाना सुनिश्चित करें।सफाई एवं खाद्य निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला को निर्देश दिए गए कि शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कलेक्शन स्रोत पर पृथक्करण के साथ समयबद्ध रूप से सुनिश्चित कराया जाए।वार्ड संख्या 18, पुरानी बाजार में सफाई नायक श्रवण मलिक की उपस्थिति में भगवानदीन चौराहे से मस्जिद तक सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। सभी सफाई कर्मी निर्धारित वर्दी में कार्य करते हुए पाए गए।पुरानी कोतवाली स्थित स्ट्रीट वेंडर जॉन को पटरी से ऊपर दुकान न लगाने तथा पॉलिथीन का प्रयोग न करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही कर निरीक्षक एवं सफाई एवं खाद्य निरीक्षक को निर्देश दिए गए कि नगर क्षेत्र में सफाई के बाद यदि कोई दुकानदार कचरा बाहर फेंकता या रखता पाया जाता है तो उसके विरुद्ध जुर्माना की कार्रवाई की जाए। पी.ए. सिस्टम के माध्यम से जन-जागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के भी निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

हाई कोर्ट ने अनुच्छेद 21 का उल्लेख करते हुए केंद्र का फैसला पलटा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि पासपोर्ट रखना और विदेश यात्रा करना अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभिन्न हिस्सा है। कोर्ट ने रेहेजा डेवलपर्स के पूर्व निदेशक योगेश रेहेजा का पासपोर्ट जब्त करने का केंद्र सरकार का आदेश रद्द कर दिया। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई में कहा है कि पासपोर्ट रखने और विदेश यात्रा करने का अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता का एक अभिन्न हिस्सा है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने यह आदेश देते हुए केंद्र सरकार के फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें रेहेजा डेवलपर्स के पूर्व निदेशक योगेश रेहेजा का पासपोर्ट जब्त किया गया था।

भोजशाला विवाद में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट से भूचाल

भोपाल। भोजशाला विवाद में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट ने नया भूचाल ला दिया है। मप्र हाईकोर्ट की इंदौर पीठ के आदेश के पालन में एएसआई ने 22 मार्च 2024 से भोजशाला मंदिर सह कमाल मौला मस्जिद परिसर और उसके 50 मीटर परिधीय क्षेत्र में वैज्ञानिक जांच, सर्वेक्षण और उत्खनन किया। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप की गई और इस दौरान मौजूदा संरचना के स्वरूप को बदले बिना काम किया गया। जांच और उत्खनन के दौरान मिली सभी वस्तुओं का विधिवत दस्तावेजीकरण किया गया। इनमें शिलालेख, मूर्तियां, सिक्के, स्थापत्य अवशेष, मिट्टी के बर्तन, टेराकोटा, पत्थर, धातु और कांच की वस्तुएं शामिल हैं। जो इस बात का प्रमाण दे रहे हैं कि भोजशाला में मंदिर और मठ था। इन्हें मुगल काल में ध्वस्त करके वहां स्थापित मूर्तियों को नष्ट कर दिया गया था। इसकी गवाही परिसर में बनाई गई अब्दुल्ला शाह चंगाल के मकबरे के गेट पर लगा एक शिलालेख दे रहा है।

217 एकड़ ज़मीन को निजी जंगल नहीं कहा जा सकता-बॉम्बे हाई कोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने हाल ही में कहा कि ठाणे के मानपाड़ा में 217 एकड़ ज़मीन को निजी जंगल नहीं कहा जा सकता और महाराष्ट्र रेवेन्यू ट्रिब्यूनल के 2017 के आदेश को राज्य सरकार की चुनौती खारिज कर दी, जिसने सरकार द्वारा ज़मीन के अधिग्रहण को रद्द कर दिया था। हाई कोर्ट ने कहा कि राज्य ने निजी जंगल के तौर पर ज़मीन का अधिग्रहण करने से पहले, जैसा कि ज़रूरी था, असली ज़मीन के मालिक, डी दह्याभाई एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को कोई नोटिस नहीं दिया, और इसलिए राज्य की दलील नाकाम रही। यह विवाद 50 साल पहले शुरू हुआ था। हाई कोर्ट ने कहा कि गोदरेज एंड बॉयस केस में सुप्रीम कोर्ट ने यह तय किया था कि राज्य के प्राइवेट फॉरेस्ट एक्ट के तहत ज़मीन के किसी भी प्रस्तावित अधिग्रहण के लिए ज़मीन के मालिक को ठीक से नोटिस दिया जाना चाहिए।

एनसीईआरटी किताब में न्यायिक भ्रष्टाचार को लेकर पीएम मोदी ने जताई सख्त नाराजगी

नई दिल्ली। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) की कक्षा 8वीं की किताब में न्यायिक भ्रष्टाचार पर अध्याय शामिल किए जाने का मामला अब सरकार और न्यायपालिका के बीच भारी तनाव का कारण बन गया है। सूत्रों के मुताबिक पीएम नरेंद्र मोदी ने इस पूरे प्रकरण पर गहरी नाराजगी जताई है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इसे न्यायपालिका को बदनाम करने की एक सुनियोजित साजिश करार देते हुए केंद्र सरकार को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने इस विवाद पर सख्त रुख अपनाते हुए पूछा है कि आखिर इन किताबों की समीक्षा कौन कर रहा है। उनकी इस टिप्पणी के बाद शिक्षा मंत्रालय में हड़कंप मच गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और वादा किया है कि इस कंटेंट को तैयार करने वाले और इसे अनुमति देने वाले सभी लोगों की जवाबदेही तय की जाएगी। बता दें सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले की सुनवाई के दौरान बेहद सख्त टिप्पणी की। जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि अध्याय तैयार करने वाले दो व्यक्तियों को मंत्रालय से हटा दिया गया है, तो कोर्ट ने इसे बहुत हल्की कार्रवाई बताया। कोर्ट ने कहा कि उन्होंने गोली चला दी है और आज न्यायपालिका लहूलुहान है। न्यायाधीशों का मनोबल गिर गया है और समाज में इस पर चर्चा हो रही है। यह केवल छात्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शिक्षकों और अभिभावकों तक भी पहुंचेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कक्षा 8वीं की इस सोशल साइंस की किताब पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि पुस्तक की सभी प्रतियों को तुरंत जब्त किया जाए। सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म से इस कंटेंट को तुरंत हटाया जाए। शिक्षा मंत्रालय ने आईटी मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को पत्र लिखकर इसे इंटरनेट से हटाने का निर्देश दिया है। एनसीईआरटी की पुस्तक के अध्याय-4 में न्यायपालिका के समक्ष चुनौतियों का वर्णन करते हुए भ्रष्टाचार का उल्लेख किया गया था। कोर्ट का तर्क है कि पुस्तक में न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतों और निष्क्रियता को तो प्रमुखता से दिखाया गया, लेकिन संवैधानिक नैतिकता, बुनियादी ढांचे के सिद्धांत और न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने में न्यायपालिका की ऐतिहासिक भूमिका को नजरअंदाज कर दिया गया। सीजेआई ने कहा कि संस्थान के प्रमुख के रूप में मुझे यह पता लगाना होगा कि इसके पीछे कौन लोग हैं। जिम्मेदार लोगों पर गाज गिरेगी। मैं इस कार्यवाही को इतनी आसानी से बंद नहीं करूंगा। भारी दबाव के बीच एनसीईआरटी ने अपनी वेबसाइट से किताब हटा ली है और अनुचित सामग्री के लिए सार्वजनिक माफी मांगी है।

अंधविश्वास का खूनी खेल! जादू-टोना के संदेह में 62 वर्षीय महिला की कुल्हाड़ी से हत्या, एक आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। झारखंड के गुमला जिले में अंधविश्वास की जड़ें आज भी कितनी गहरी हैं, इसका प्रमाण पालकोट थाना क्षेत्र में देखने को मिला। यहाँ एक 62 वर्षीय बुजुर्ग महिला, मंगारी देवी, की जादू-टोना करने के संदेह में कथित तौर पर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस जघन्य हत्याकांड के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका साथी अभी भी फरार है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस हत्या के सिलसिले में बृहस्पतिवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

यह घटना बुधवार को पालकोट थाना क्षेत्र के बागीमा अम्बाटोली गांव में घटी, जब दो पुरुषों ने महिला पर हमला किया। पालकोट थाने के प्रभारी अधिकारी तरुण कुमार ने बताया, 'बुधवार सुबह करीब 11:30 बजे मंगारी देवी की उस समय हत्या कर दी गई जब वह गांव से लगभग सात किलोमीटर दूर पान्द्रपानी में एक विवाह समारोह में शामिल होने जा रही थीं। आरोपी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर बुजुर्ग महिला पर कुल्हाड़ी से हमला किया और उनकी हत्या कर दी।' उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों ने शव को गोजा वन क्षेत्र में फेंक दिया और उनमें से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान गिरफ्तार व्यक्ति ने स्वीकार किया कि उसने जादू-टोना करने के संदेह में देवी की हत्या की थी। अधिकारी ने बताया, 'आरोपी ने दावा किया कि उसकी मां और भाई उस बुजुर्ग महिला के काले जादू के कारण बीमार पड़ गए थे।' अधिकारी ने कहा कि पुलिस दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए कई स्थानों पर छापेमारी कर रही है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आने वाली सामग्री की जिम्मेदारी लें

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया और इंटरनेट कंपनियों को चेतावनी दी है कि वे अपने प्लेटफॉर्म पर आने वाली सामग्री की जिम्मेदारी लें ताकि बच्चों, महिलाओं और अन्य ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं के लिए इंटरनेट को सुरक्षित बनाया जा सके। वैष्णव ने कहा कि इन मंचों को सतर्क होना होगा और यह समझना होगा कि हजारों सालों में मानव समाज ने जिन संस्थाओं में विश्वास बनाया है उसे मजबूत करना कितना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि जो सोशल मीडिया मंच अपने उपयोगकर्ताओं को हानिकारक सामग्री से बचाने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं अपनाएंगे, उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाएगा। अगर इन सिद्धांतों का पालन नहीं किया गया तो उन्हें निश्चित रूप से जिम्मेदार माना जाएगा क्योंकि अब इंटरनेट की प्रकृति बदल चुकी है। किसी व्यक्ति के चेहरे, आवाज या व्यक्तित्व का उपयोग कर बिना उसकी अनुमति के सिंथेटिक सामग्री नहीं तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब बड़े बदलाव का समय आ गया है और समाज को

जिस बदलाव की जरूरत है उसमें सभी मंच को सहयोग करना चाहिए। यह हमारे डीपीडीपी अधिनियम का हिस्सा था जब हमने युवा लोगों के लिए उपलब्ध सामग्री में आयु-आधारित अंतर तय किया। उन्होंने बताया कि सिर्फ बच्चों के लिए सोशल मीडिया मंच पर प्रतिबंध ही नहीं बल्कि सरकार इंटरनेट मध्यस्थों के साथ डीपफेक सामग्री को रोकने के बेहतर समाधान पर भी चर्चा कर रही है। एक निश्चित उम्र से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध की मांग उस समय तेज हुई जब ऑस्ट्रेलिया इस तरह का प्रतिबंध लागू करने वाला पहला देश बन गया। आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश ने भी राज्य में इस नियम को लागू करने की संभावना के संकेत दिए, जिसके बाद अन्य राज्यों ने भी इसे अपनाने पर विचार करने की बात कही। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैष्णव ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया और इंटरनेट मंच को कंटेंट क्रिएटर्स के साथ राजस्व साझा करना चाहिए ताकि पारंपरिक मीडिया, बड़े और छोटे इन्फ्लूएंसर्स, प्रोफेसर, शोधकर्ता और न्यूज चैनल जो अपनी सामग्री इन मंचों पर अपलोड करते हैं लेकिन दूर-दराज के इलाकों में रहते हैं, उन्हें इनका लाभ उचित रूप से मिलना चाहिए।

अब जब कोर्ट ने...केजरीवाल को कोर्ट से मिली राहत पर अन्ना हजारे ने क्या कहा

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे नेकहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को एक्साइज पॉलिसी मामले में बरी करने के अदालत के फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश अपनी न्यायपालिका की मजबूती के कारण सुचारू रूप से काम कर रहा है। अन्ना हजारे ने कहा कि हमारा देश अपने ज्यूडिशियल और सिक्योरिटी सिस्टम की ताकत पर चलता है। अलग-अलग पार्टियों, जातियों, धर्मों और समुदायों वाला इतना बड़ा देश होने के बावजूद, यह ज्यूडिशियरी की वजह से आसानी से काम करता है। इसके बिना, अफरा-तफरी और अशांति होगी। अब जब कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है कि अरविंद केजरीवाल की कोई गलती नहीं है, तो इसे मानना ही होगा।

मैंने सिर्फ ईमानदारी कमाई, पैसा नहीं, दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में कोर्ट से बरी होने के बाद बोले केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में कोर्ट से बरी होने के बाद मीडिया से बात की और कहा कि उन्होंने इन सालों में सिर्फ ईमानदारी कमाई है, पैसा नहीं। उन्होंने कहा कि मैंने इन सालों में सिर्फ ईमानदारी कमाई है, पैसा नहीं। उन्होंने कहा कि आज, कोर्ट ने अपने 600 पेज के ऑर्डर में कहा है कि इस मामले में केस चलाने के लिए ज़रा भी सबूत नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि दो लोगों, पीएम मोदी और अमित शाह ने आम आदमी पार्टी को खत्म करने की यह साज़िश रची। उन्होंने कहा कि आज उन्हें देश से माफ़ी मांगनी चाहिए....मैंने सिर्फ़ ईमानदारी से कमाया है, पैसा नहीं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं मोदी जी को दिल्ली में फिर से चुनाव कराने की चुनौती देता हूं। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अगर उन्हें 10 से ज़्यादा सीटें मिलीं, तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। अपने बरी होने पर कांग्रेस के रिएक्शन पर आप के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं - केजरीवाल जेल गए। क्या रॉबर्ट वाड्रा जेल गए? संजय सिंह जेल गए। क्या राहुल गांधी जेल गए? संजय सिंह जेल गए। क्या सोनिया गांधी जी जेल गईं? कांग्रेस क्या कह रही है? क्या उन्हें कोई शर्म नहीं है? इससे पहले दिन में एक्साइज पॉलिसी केस में कोर्ट से बरी होने के बाद उन्होंने एक रोड शो किया। एक अहम डेवलपमेंट में दिल्ली की एक कोर्ट ने इससे पहले दिन में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उनके डिप्टी मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को पॉलिटिकल रूप से चार्ज्ड शराब पॉलिसी केस में बरी कर दिया, और सीबीआई की खिंचाई करते हुए कहा कि उसका केस ज्यूडिशियल स्क्रूटनी में पूरी तरह से टिक नहीं पाया और पूरी तरह से बदनाम हो गया। इस केस में जिन 21 लोगों को क्लीन चिट दी गई है, उनमें तेलंगाना जागृति की प्रेसिडेंट के कविता भी शामिल हैं।

मैंने कभी यह नहीं कहा कि मैं बीमार हूं, स्वास्थ्य को लेकर कभी लापरवाही नहीं बरती

चुरू। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पिछले साल जुलाई में दिए गए अपने अचानक इस्तीफे को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने गुरुवार को राजस्थान के चूरू में एक जनसभा को संबोधित करते साफ किया कि उनका इस्तीफा खराब स्वास्थ्य की वजह से नहीं था, बल्कि उन्होंने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए यह कदम उठाया था। धनखड़ ने कहा कि कहते हैं पहला सुख निरोगी काया। मैंने स्वास्थ्य के प्रति कभी लापरवाही नहीं बरती। मैंने जब कहा कि मैं पद त्याग रहा हूं, तो मैंने कभी यह नहीं कहा कि मैं बीमार हूं। मैंने कहा कि मैं स्वास्थ्य को अहमियत दे रहा हूं और देनी भी चाहिए। बता दें 21 जुलाई 2025 को राष्ट्रपति को सौंपे गए अपने त्यागपत्र में धनखड़ ने लिखा था कि वह स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देने और चिकित्सकीय सलाह का पालन करने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। पिछले साल अगस्त में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धनखड़ के अचानक इस्तीफे और उसके बाद उनकी चुप्पी पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। राहुल गांधी ने कहा था कि धनखड़ ने इस्तीफा क्यों दिया, इसके पीछे एक बड़ी कहानी है। आप में से कुछ लोग इसे जानते होंगे, कुछ नहीं। भारत के उपराष्ट्रपति ऐसी स्थिति में क्यों हैं कि वह एक शब्द नहीं कह सकते... और उन्हें छिपना पड़ रहा है... अचानक वह व्यक्ति जो राज्यसभा में खूब गरजता था, वह पूरी तरह से शांत हो गया। धनखड़ के इस चूरू दौरे की मेजबानी पूर्व कांग्रेस सांसद राम सिंह कस्वां और ओलंपियन व पूर्व कांग्रेस विधायक कृष्णा पूनिया ने की। बता दें राम सिंह कस्वां चूरू के मौजूदा कांग्रेस सांसद राहुल कस्वां के पिता हैं। अपने दौरे का कारण बताते हुए धनखड़ ने कहा कि वह राम सिंह कस्वां के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित थे और यही फिक्र उन्हें चूरू खींच लाई। धनखड़ ने यह भी याद किया कि जब भी वह खुद अस्वस्थ हुए हैं, तो उनका हालचाल जानने वालों में राम सिंह हमेशा सबसे आगे रहे।

बिहार के औरंगाबाद में एसयूवी की ट्रक से टक्कर में तीन लोगों की मौत, सात घायल

पटना। बिहार के औरंगाबाद जिले में बृहस्पतिवार दोपहर एक दिल दहला देने वाली सड़क दुर्घटना हुई। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर एक एसयूवी और ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की भीषण भिड़ंत में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा दोपहर में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर देव मोड़ के निकट हुआ। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एसयूवी में कुल 10 लोग सवार थे। उन्होंने बताया कि वे उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होकर झारखंड के धनबाद लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।उन्होंने बताया कि मृतकों में से दो की पहचान तेज नारायण गुप्ता और विकास कुमार चौहान के रूप में हुई है, जबकि तीसरे व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पुस्तक मामले में कांग्रेस का आरोप...

नई दिल्ली। एनसीईआरटी की 8वीं के किताब में एक चैप्टर को लेकर हुए विवाद में कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावार है। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया है कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचारवाले मुद्दे पर पीएम मोदी बनावटी आक्रोश दिखाई हैं। कांग्रेस सांसद और उसके संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद विवाद से अलग दिखाने की कोशिश हिपोक्रेसी के अलावा कुछ भी नहीं है। कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट लिखा है, इजरायल में वास्तविक नैतिक कायरता दिखाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी, अब एनसीईआरटी की पुस्तकों के मुद्दे पर बनावटी आक्रोश दिखा रहे हैं। साफ तौर पर डैमेज कंट्रोल की कोशिश के तहत यह संदेश दिया गया है कि वे एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों में न्यायपालिका के चैप्टर को लेकर बहुत नाखुश हैं। दरअसल, इस तरह संकेत मिले हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने (सुप्रीम कोर्ट के स्वतः संज्ञान लेने से पहले) ही कैबिनेट बैठक के दौरान एनसीईआरटी की किताब में न्यायपालिका को लेकर विवादास्पद चीजें शामिल करने पर नाराजगी जाहिर कर चुके थे। सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी ने कहा था, आठवीं क्लास के बच्चों को सोशल साइंस के पाठ्य

पुस्तक में हम क्या पढ़ा रहे हैं? लेकिन, कांग्रेस का आरोप है कि इस पूरे घटनाक्रम को लेकर खुद प्रधानमंत्री मोदी हैं। पार्टी सांसद ने लिखा है, एक दशक से उन्होंने इसतरह के शिक्षाविदों और झोला छाप अकादमिकों के नेटवर्क की अगुवाई की है, जिन्होंने अपने विचारधारात्मक वायरस से पाठ्य पुस्तकों को संक्रमित कर गंभीर नुकसान किया है। यह कोई आकस्मिक चूक नहीं, बल्कि एक सुनियोजित वैचारिक घुसपैठ अभियान का हिस्सा है...प्रधानमंत्री मोदी स्वयं नागपुर कम्युनल इकोसिस्टम फॉर रिराइटिंग ऑफ टेक्स्टबुक्स, जो असली एनसीईआरटी है, को दिशा और आकार देते रहे हैं। कांग्रेस नेता जयराम का कहना है, सुप्रीम कोर्ट को नाराज करने वाली पाठ्य पुस्तकों से खुद को अलग दिखाने की उनकी कोशिश सिर्फ एक हिपोक्रेसी है। अब सुप्रीम कोर्ट को अगला तार्किक कदम ये उठाना चाहिए कि वह इस बात की विस्तृत जांच करवाए कि पाठ्य पुस्तकों को किस तरह से फिर से लिखा गया और वे किस तरह ध्रुवीकरण तथा राजनीतिक हिसाब-किताब चुकाने के औजार में बदल दी गईं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने खुद विषय पर स्वतः संज्ञान लेकर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार वाले चैप्टर की एनसीईआरटी की आठवीं किताब को बैन किया है। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अगवाई वाली बेंच ने इस विवादित किताब के किसी भी फॉर्म में सर्कुलेशन पर रोक लगा दी है और स्कूल शिक्षा सचिव और एनसीईआरटी चेयरपर्सन को नोटिस जारी कर पूछा है कि उनके खिलाफ न्यायपालिका की अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बदले हुए वजन वर्ग में उतरेंगे पहलवान रवि दहिया

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यो ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब

57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया।

टी-20 वर्ल्ड कप में अर्शदीप का कहर,बोले-बूमराह और सिराज से सीख रहा हूं बॉलिंग का गुरुमंत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि वह परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने और बल्लेबाजों पर हावी होने के लिए अब भी अपने सीनियर साथियों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज से सीख ले रहे हैं। अर्शदीप ने यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा तथा केवल 24 रन देकर तीन विकेट लिए। भारत की 72 रन से जीत के बाद अर्शदीप ने पत्रकारों से कहा, ''मैं अपने गेंदबाजी समूह में सबसे युवा हूं। टीम मुझ पर भरोसा दिखाती है। अगर आपको पावर प्ले में दो ओवर फेंकने का मौका मिलता है तो विकेट लेने की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि उस समय बल्लेबाज रन बनाने के लिए जोखिम भरे शॉट खेलने की कोशिश करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं (गेंदबाजी कोच) मोर्ने (मोर्कल) के साथ इस पर काम कर रहा हूं कि मैं कैसे सक्रिय रह सकता हूं। मैं कैसे

बल्लेबाजों पर हावी हो सकता हूं, परिस्थितियों के अनुसार खुद को कैसे ढाल सकता हूं और अपने खेल में कैसे बदलाव ला सकता हूं। मेरा साथ देने के लिए मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक (पंड्या) भाई जैसे बहुत अच्छे गेंदबाजी सहयोगी हैं।'' अर्शदीप से पूछा गया कि क्या 256 रन के विशाल स्कोर बनाने से गेंदबाजों को मदद मिली, उन्होंने कहा, ''हम इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे थे कि हमने कितने रन बनाए। हम बस अपनी रणनीति के अनुसार गेंदबाजी करना चाहते थे और अपने स्तर को बनाए रखना चाहते थे। हम हमेशा एक लक्ष्य को ध्यान में रखते हैं, जैसे कि विकेट और मैदान की स्थिति के अनुसार 160 या 180 रन का स्कोर।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए हम हमेशा एक गेंदबाजी इकाई के रूप में अपने स्तर को ऊंचा उठाने की कोशिश करते हैं। अतिरिक्त 20, 30, 40, 70 रन का फायदा होना अच्छी बात है। लेकिन हमारा ध्यान एक गेंदबाजी इकाई के रूप में अपने स्तर को ऊपर उठाने पर होता है।'' भारत अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए एक मार्च को कोलकाता में दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज का सामना करेगा, जो एक तरह से नॉकआउट मुकाबला होगा। अर्शदीप जानते हैं कि उनके सामने आगे क्या चुनौती है। उन्होंने कहा, ''वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया। इसलिए मुझे लगता है कि वे भी स्थिति के अनुसार खुद को ढाल सकते हैं, लेकिन हम विकेट और परिस्थितियों को देखकर अपनी रणनीति बनाएंगे।'' अर्शदीप ने कहा कि खिलाड़ी और उनके परिवार के सदस्य वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए मैच पर नजर रखे हुए थे। उन्होंने कहा, ''मेरा परिवार कमरे में था। जब वेस्टइंडीज के बल्लेबाज ज़ोरदार शॉट लगा रहे थे, तो मेरे पिताजी ने कहा, तुम यह क्या कर रहे हो। मैंने कहा, कोई बात नहीं बस मैच का आनंद लो और उम्मीद करो कि दक्षिण अफ्रीका जीते और हम अपने दोनों मैच अच्छे से जीतें।

सिलेंडर की सप्लाई से शुरू हुआ था रिंकू सिंह का सपना मुकाम तक पहुँचाकर खामोश हो गए पिता खानचंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े 'फिनिशर' रिंकू सिंह आज खुद को अकेला महसूस कर रहे हैं। जिस पिता ने कंधे पर भारी गैस सिलेंडर ढोकर रिंकू के लिए क्रिकेट की किट खरीदी थी, आज उन कंधों का सहारा हमेशा के लिए छिन गया। लीवर कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद खानचंद सिंह ने आज तड़के दुनिया को अलविदा कह दिया। रिंकू जब मैदान पर लंबे छक्के मारकर करोड़ों भारतीयों का दिल जीतते थे, तब अलीगढ़ की गलियों में सिलेंडर पहुँचाने वाले खानचंद सिंह की आँखों में गर्व के आँसू होते थे। रिंकू के लिए वे केवल एक पिता नहीं, बल्कि वह हिम्मत थे जिसने गरीबी की ज़ंजीरों को तोड़कर एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पैदा किया। आज रिंकू सिंह भले ही करोड़ों के मालिक हैं, लेकिन वह अनमोल दौलत खो गई जिसने उन्हें 'शून्य' से 'शिखर' तक पहुँचाया था। क्रिकेटर के पिता कैंसर से पीड़ित थे और काफी समय से ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज हो रहा था। अस्पताल के चिकित्सकों ने यह जानकारी

दी। ग्रेटर नोएडा के यथार्थ हॉस्पिटल के प्रवक्ता डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह लिवर के कैंसर से जूझ रहे थे। हाल में उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई थी, जिसके बाद 21 फरवरी से वह अस्पताल में ही भर्ती थे। उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली वेंटिलेटर पर रखा गया था और आज तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली। पिता की गंभीर हालत होने के कारण रिंकू सिंह को टी20 विश्वकप को बीच में छोड़कर देश लौटना पड़ा था। हालांकि 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से होने वाले मैच से पहले वह वापस भारतीय टीम के साथ जुड़ गए थे। हाल में वह अपने पिता से मिलने के लिए नोएडा भी पहुंचे थे। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के रहने वाले 28 वर्षीय रिंकू सिंह की सफलता के पीछे उनके पिता का बहुत बड़ा हाथ रहा है। अलीगढ़ में गैस सिलेंडर आपूर्ति का काम करने वाले खानचंद सिंह ने तमाम अभावों के बावजूद रिंकू के क्रिकेटर बनने के सपने को पूरा करने में हरसंभव मदद की। परिवार ने बताया कि खानचंद सिंह का अंतिम संस्कार अलीगढ़ में होगा और रिंकू सिंह भी अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए आ रहे हैं।

कंगना रनौत ने अभिनेत्री बनने के लिए परिवार से की थी बगावत,इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस

मुम्बई। बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री कंगना रनौत आज यानी की 23 मार्च को अपना 37वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस अपने शानदार अभिनय के साथ ही बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। कंगना रनौत ने अपनी एक्टिंग और खूबसूरती के दम पर दर्शकों के दिलों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। बता दें कि एक्ट्रेस ने साल 2006 में बॉलीवुड इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। जिसके बाद इंडस्ट्री में लगातार संघर्ष करते हुए अपना एक अलग मुकाम हासिल किया। वह करीब 18 सालों से इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। लेकिन कंगना रनौत के लिए यह सफर इतना भी आसान नहीं रहा। आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर एक्ट्रेस कंगना रनौत के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... **जन्म और शिक्षाः** हिमाचल के मंडी जिले में 23 मार्च 1987 को कंगना रनौत का जन्म हुई था। वह एक राजपूत परिवार से ताल्लुक रखती हैं। वहीं उनकी एक बड़ी बहन रंगोली और छोटा भाई अक्षत है। एक्ट्रेस के पिता एक बिजनेसमैन और मां स्कूल टीचर हैं। बता दें कि बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शुमार कंगना की फैमिली कभी नहीं चाहती थी कि वह एक अभिनेत्री बनें। उनके पिता चाहते थे कि कंगना अपनी पढ़ाई पूरी कर डॉक्टर बनें। लेकिन कंगना 12वीं में फेल हो गईं। वहीं शुरूआत से एक्ट्रेस बनने का सपना देखने वाली कंगना अपने पेरेंट्स से लड़कर मुंबई पहुंच गईं। **बॉलीवुड में ब्रेकः** कंगना रनौत को साल 2006 में फिल्म 'गैंगस्टर' से बॉलीवुड में ब्रेक मिली। इस दौरान उन्होंने अभिनेता इमरान हाशमी और शाइनी आहूजा के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही और इस फिल्म के लिए कंगना को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री डेब्यू के लिए फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया और लगातार अपनी शानदार एक्टिंग के जरिए दर्शकों के दिल में जगह बनाती गईं। एक्ट्रेस ने अधितकर महिला प्रधान फिल्मों को प्राथमिकता दी और अपने हर किरदार के लिए खूब सुर्खियां भी बटोरी। **राष्ट्रीय पुरस्कारः** एक के बाद एक कई हिट फिल्में देने वाली कंगना रनौत आज टॉप एक्ट्रेसेज में शुमार हैं। उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया है। अभिनेत्री को फिल्म 'फैशन' के लिए पहली बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उस दौरान कंगना की उम्र महज 22 साल थी। फिर उनको फिल्म 'क्वीन' और 'तनु वेड्स मनु रिटर्न' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बता दें कि अभिनेत्री होने के साथ ही कंगना निर्देशक और निर्माता भी हैं। कंगना रनौत का एक प्रोडक्शन हाउस भी है। इस बैनर तले एक्ट्रेस ने कई फिल्मों का निर्माण किया है।

नए लोगों की मदद करते-करते थक गए अनुराग कश्यप? शेयर किया रेट कार्ड, लिखा- 'अगर आप इसे बर्दाश्त कर सकते हैं

मुम्बई। प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और अनुराग कश्यप ने उद्योग में नए लोगों की सहायता करने पर अपनी निराशा व्यक्त की है। एक साहसिक कदम में, उन्होंने अपने समय के लिए एक रेट कार्ड साझा किया, जिसका अर्थ था कि यदि व्यक्ति उनकी सेवाएं ले सकते हैं, तो उन्हें उनसे संपर्क करना चाहिए, लेकिन यदि नहीं, तो उन्हें उनकी सहायता लेने से बचना चाहिए। नीचे दिया गया यह कथन अनुराग कश्यप की महत्वाकांक्षी प्रतिभाओं को अपना समय और विशेषज्ञता समर्पित करने की स्पष्ट थकावट को दर्शाता है, जो उनके मार्गदर्शन को पूरी तरह से महत्व या उपयोग नहीं कर सकते हैं। यह फिल्म उद्योग में मेंटरशिप के आर्थिक पहलू पर भी प्रकाश डालता है, जहां कश्यप जैसी स्थापित हस्तियां नए लोगों के करियर में उनके योगदान को कमतर आंक सकती हैं। अनुराग कश्यप कई नए कलाकारों को ब्रेक देने के लिए जाने जाते हैं। वास्तव में, उनके अधिकांश कार्यों में नए अभिनेता शामिल हैं। चाहे वह गैंग्स ऑफ वासेपुर, ब्लैक फ्राइडे, आमिर, डीजे मोहब्बत के साथ ऑलमोस्ट प्यार, मसान और अन्य हों, अनुराग ने हमेशा सितारों के बजाय नए लोगों के साथ काम करना पसंद किया है। विक्की कौशल, राजीव खंडेलवाल और अन्य अभिनेताओं को कश्यप ने बॉलीवुड में पहला ब्रेक दिया था। वास्तव में, उन्होंने पहले भी स्पष्ट रूप से कहा है कि वह नए कलाकारों के साथ काम करने का कारण यह है कि एक नया अभिनेता एक फिल्म निर्माता को बिना किसी हस्तक्षेप के अपने तरीके से अपनी फिल्म बनाने देगा। उन्होंने सितारों के पीछे न भागने का अपना रुख खुलकर व्यक्त किया। अब जब उन्होंने स्पष्ट रूप से नए लोगों के साथ काम करने की अनिच्छा व्यक्त कर दी है, तो यह निश्चित रूप से प्रसिद्ध अभिनेताओं के लिए उनकी फिल्मों में अभिनय करने का द्वार खोलता है। वर्कफ्रंट पर, अनुराग कश्यप मलयालम फिल्म उद्योग में एक अभिनेता के रूप में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह आशिक अबू की आगामी नई फिल्म राइफल क्लब में अभिनय करेंगे, जिसमें दिलेश पोथन और विंसी एलोशियस जैसे कलाकार भी हैं।

पत्नी ऐश्वर्या से ज्यादा प्यार अपनी बहन से करते हैं अभिषेक बच्चन?

मुम्बई। अभिषेक बच्चन का अपनी बहन श्वेता बच्चन के साथ एक अटूट बंधन है, चाहे अफवाहें कुछ भी हों लेकिन वह हमेशा बताते हैं कि वह उनके लिए कितनी मायने रखती हैं। घूमर अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी बहन श्वेता बच्चन के जन्मदिन पर उनके साथ वीडियो साझा किया और उल्लेख किया कि वह उनके लिए बहुत मायने रखती हैं। अभिषेक और श्वेता बच्चन टिनसेल शहर में सबसे लोकप्रिय भाई-बहनों में से एक हैं, और उनका बंधन वर्षों से बरकरार है। एक यूजर ने कमेंट किया, 'अजीब बात है जब उन्होंने अपनी पत्नी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तो यह सिर्फ 2 शब्द थे।' एक यूजर ने जोर देकर कहा, 'हैलो सर.... आपकी बहन को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं... मैं आपका और ऐश्वर्या जी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं.... पिछले साल उनके जन्मदिन पर मैंने आपकी ओर से एक बहुत ही सरल पोस्ट देखी थी। ...मैं वास्तव में चाहूंगा कि आप इस वर्ष उनके जन्मदिन और सालगिरह पर उनके लिए एक खूबसूरत पोस्ट करें।'' एक अन्य यूजर ने सवाल किया, 'क्या ऐश्वर्या आपके लिए भी बहुत मायने रखती हैं!' एक अन्य यूजर ने कहा, 'कृपया मेरी खूबसूरत पसंदीदा अभिनेत्री ऐश्वर्या राय को तलाक दे दें..आप उसके लायक नहीं हैं। आप उसके लिए ऐसा वीडियो या कैप्शन नहीं बना सकते। यहां तक कि अपनी बेटी के लिए भी नहीं। अभिनेता ने ऐश्वर्या की एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की और एक सरल हैप्पी बर्थडे लिखा और इससे नेटिज़न्स परेशान हो गए और कैसे। सब कुछ कहा और किया गया, ये सूक्ष्म संकेत केवल प्रशंसकों को आश्चर्यचकित करते हैं कि क्या बच्चन परिवार के बीच सब कुछ ठीक है या नहीं।

खतरों के खिलाड़ी 14: अभिषेक मल्हान जिया शंकर रोहित शेट्टी के शो से बाहर

खतरों के खिलाड़ी 14 चर्चा में है। हर कोई जानना चाहता है कि शो के प्रतियोगी कौन होंगे। यह शो कई सालों से लोगों का दिल जीत रहा है और अब हर कोई यह देखना चाहता है कि नए सीजन में कौन-कौन प्रतिभागी होंगे। बिग बॉस 17 खत्म होने के बाद से ही लोग रोहित शेट्टी के खतरों के खिलाड़ी 14 का इंतजार कर रहे हैं। शो को लेकर काफी कुछ कहा जा रहा है. बताया जा रहा था कि खतरों के खिलाड़ी के लिए कास्टिंग शुरू हो चुकी है और उन्होंने कुछ सेलिब्रिटीज को शॉर्टलिस्ट भी कर लिया है। बताया जा रहा था कि मनीषा रानी को शो के लिए अप्रोच किया गया है लेकिन बॉलीवुडलाइफ से बात करते हुए उन्होंने कहा था कि वह कुछ समय इंतजार करना चाहती हैं और फिर शो करना चाहती हैं क्योंकि उन्होंने अभी झलक दिखला जा 11 के लिए कड़ी मेहनत की है और शारीरिक रूप से तैयार नहीं हैं। हालांकि, टेली एक्सप्रेस की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि मेकर्स चाहते हैं कि मनीषा रानी शो का हिस्सा बनें। यह भी खबर आई थी कि मेकर्स ने मनीषा के सबसे अच्छे दोस्त अभिषेक मल्हान से संपर्क किया है। उनके बिग बॉस ओटीटी 2 स्टार जिया शंकर को भी शो के लिए संपर्क किया गया था। हालांकि, रिपोर्ट्स का कहना है कि अभिषेक और जिया ने शो से किनारा कर लिया है। हालाँकि, अभी तक कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है। अब तक रिपोर्ट्स के मुताबिक नील भट्ट, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, अभिषेक कुमार, मुनव्वर फारुकी, ईशा मालविया, मनस्वी ममगई, समर्थ जुरेल, मन्नारा चोपड़ा, सनाया ईरानी, आकांक्षा पुरी को शो के लिए अप्रोच किया गया है।

सारा तेंदुलकर, सुहाना खान, जान्हवी कपूर से निसा देवगन तक : स्टार किड्स देसी लुक में खूब चमके

मुम्बई। सारा तेंदुलकर, सुहाना खान, जान्हवी कपूर और कई स्टार किड्स जो फैशन में हाई हैं और देसी लुक में अपने परफेक्ट स्टाइल से जलवा बिखेरते हैं। बॉलीवुड स्टार किड्स को हर कोई पसंद करता है। फैंस उनके बारे में सब कुछ जानना चाहते हैं और काफी उत्सुक भी हैं। ये स्टार किड्स अपने ऑन-प्वाइंट लुक से सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना जानते हैं। **सारा तेंदुलकरः** सारा तेंदुलकर एक फैशनपरस्त हैं और उनकी तस्वीरें एथनिक लुक में हैं। वह हर फ्रेम में क्लासी और फ्लॉलेस दिखती हैं। **निसा देवगनः** अजय देवगन और काजोल की बेटी निसा देवगन नेटिज़न्स के बीच काफी लोकप्रिय हैं। वह सुर्खियों का आनंद लेती हैं और अपने बेहतरीन फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। **आलिया भट्टः** आलिया भट्ट शानदार लुक्स और अद्भुत व्यक्तित्व की धनी हैं। वह इंडस्ट्री में सबसे पसंदीदा स्टार किड्स में से एक हैं। देसी आउटफिट में आलिया बेहद खूबसूरत लग रही हैं। **जान्हवी कपूरः** जान्हवी कपूर अपने देसी लुक से धमाल मचाती हैं और अपनी क्यूटनेस से तापमान बढ़ा देती हैं। **सुहाना खानः** आर्चीज़ स्टार सुहाना खान अपने ऑन-प्वाइंट देसी लुक से गर्मी बढ़ा देती हैं। उनकी तस्वीरें आपको उनकी खूबसूरती की तारीफ करने पर मजबूर कर देंगी. **अनन्या पांडेः** अनन्या पांडे अपने स्टाइल में ग्लैमर जोड़ने के लिए जानी जाती हैं और जानती हैं कि किसी भी आउटफिट से सर्वश्रेष्ठ कैसे प्राप्त किया जा सकता है। **शनाया कपूरः** संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर एथनिक वियर में बेहद खूबसूरत दिखती हैं। **सारा अली खानः** सारा अली खान अक्सर देसी लुक में नजर आती हैं और उनके पास एथनिक वियर का अद्भुत कलेक्शन है। वह अपने लुक से माहौल गर्म कर देती हैं। **नव्या नवेली नंदाः** अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा फैशन पुलिस को कभी निराश नहीं करतीं और हर एथनिक लुक में नजर आती हैं।

सत्यजीतर गोप्पो के लिए जाने जाने वाले बंगाली अभिनेता पार्थसारथी देब का 68 वर्ष की आयु में निधन

कोलकाता। बंगाली अभिनेता पार्थसारथी देब ने 68 साल की उम्र में कोलकाता के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां उनका लंबे समय से इलाज चल रहा था। उनके परिवार ने बताया कि रात 11:50 बजे उनका निधन हो गया। अभिनेता लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे और 22 मार्च को उन्होंने अंतिम सांस ली। बंगाली फिल्म उद्योग ने एक महान दिग्गज अभिनेता के निधन पर शोक व्यक्त किया। इसके अलावा, उनके परिवार ने यह भी कहा कि बंगाली अभिनेता पार्थसारथी देब सीओपीडी से पीड़ित थे और उन्हें पिछले महीने एमआर बांगुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जीत ने एक्स (जिसे पहले ट्विटर कहा जाता था) पर लिखा, 'यह जानकर दुख हुआ कि हमने अपने सहयोगी और डब्ल्यूबीएएफ समिति के सदस्य को खो दिया। उनके शोक संतप्त परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना... रेस्ट इन पीस पार्थसारथीदेब...ओम शांति।' अनुभवी अभिनेता के प्रशंसकों ने ऐसी महान प्रतिभा के खोने पर शोक व्यक्त करने के लिए टिप्पणी अनुभाग का सहारा लिया। एक यूजर ने लिखा, ''ओम शांति.'' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'रेस्ट इन पीस'। रितुपर्णा सेनगुप्ता एक लोकप्रिय अभिनेत्री और निर्माता हैं, जो बंगाली, उड़िया और हिंदी सिनेमा में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री ने दिग्गज अभिनेता के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैंने पार्थोडा के साथ...कई फिल्मों में काम किया है...हाल ही में बिद्रोहिनी और अमर लबोंगोलाटा...बहुत दुखद खबर...भगवान उनकी आत्मा को शांति दे...ओम शांति'। अनजान लोगों के लिए, पार्थसारथी देब पश्चिम बंगाल मोशन पिक्चर्स आर्टिस्ट फोरम के अध्यक्ष थे। वह टीवी सीरियल्स का एक लोकप्रिय चेहरा हैं और हाल ही में रक्तबीज में नजर आए थे। उन्होंने 200 से ज्यादा थिएटर, सीरियल, फिल्म और वेब सीरीज में भी काम किया है। पार्थसारथी देब ने प्रेम अमर, ब्योमकेश, होताथ देखा, शुधु तुमी, गोलापी मुक्ता रहस्य, बिलेर डायरी, सुधु भालोबासा, स्वप्न देखा राजकन्या और काकाबाबू हियर गेलन सहित कई फिल्मों में काम किया है।

मुख्य शूटर दीपक शर्मा समेत 7 आरोपियों की पुलिस हिरासत 4 मार्च तक बढ़ी

मुम्बई। बॉलीवुड के मशहूर फिल्मकार रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास पर हुई गोलीबारी के मामले में मुंबई की एक विशेष अदालत ने बुधवार को बड़ा फैसला सुनाया। अदालत ने मुख्य शूटर दीपक शर्मा और छह अन्य आरोपियों की पुलिस हिरासत 4 मार्च तक बढ़ा दी है। पुलिस ने मामले की व्यापक जांच और हथियारों की बरामदगी के लिए अतिरिक्त समय की मांग की थी। पुलिस ने यह कहते हुए आरोपियों की और दस दिन की हिरासत मांगी कि हथियारों से संबंधित कुछ बरामदगी अभी बाकी है। उसने कहा कि आरोपियों द्वारा टोह लेने के संबंध में भी आगे की जांच आवश्यक है। अदालत के संज्ञान में यह भी लाया गया कि मामले में शस्त्र अधिनियम की अतिरिक्त धाराएं जोड़ी गई हैं। शूटर दीपक शर्मा समेत आरोपियों को 14 फरवरी को हरियाणा और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों की उनकी पिछली हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद, उन्हें बुधवार को महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (एमसीओसीए) के अंतर्गत मामलों के विशेष न्यायाधीश सत्यनारायण नवंदर के समक्ष पेश किया गया। सभी आरोपियों की ओर से पेश हुए अधिवक्ता दिलीप शुक्ला ने पुलिस द्वारा हिरासत को दस दिन बढ़ाने के अनुरोध का विरोध किया।

उन्होंने निवेदन किया कि न्याय के हित में पुलिस को कम दिनों की हिरासत दी जा सकती है। विशेष न्यायाधीश नवंदर ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि जांच के दायरे को देखते हुए पुलिस को पर्याप्त समय दिया जाना आवश्यक है। जुहू स्थित शेट्टी की नौ मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर एक फरवरी को कम से कम पांच गोलियां चलाई गई थीं। एक गोली इमारत के अंदर स्थित जिम के शीशे पर लगी थी। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य शुभम लोनकर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस घटना की जिम्मेदारी ली है। लोनकर राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड और बांद्रा में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के आवास पर गोलीबारी के मामले में वांछित आरोपी है।

रणदीप हुड्डा ने सरबजीत की बहन की ये आखिरी इच्छा पूरी की थी

नई दिल्ली। स्वातंत्र्य वीर सावरकर की रिलीज की तैयारी कर रहे एक्टर रणदीप हुड्डा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि वह ' सरबजीत ' में ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ काम करने के बावजूद वह सरबजीत सिंह की बहन के साथ ज्यादा करीब थे । ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ एक इंटरव्यू के दौरान, रणदीप ने कहा कि उन्होंने सरबजीत की बहन के साथ एक करीबी रिश्ता बनाया, जिसका किरदार फिल्म में ऐश्वर्या राय ने निभाया था। अभिनेता ने आगे कहा कि ऐश्वर्या को वास्तविक जीवन की तुलना में अधिक सादा दिखाने के हर किसी के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, वे काफी सफल नहीं हुए। रणदीप ने इंटरव्यू में बताया कि ऐश्वर्या बहुत अच्छी, बहुत विनम्र थीं और उन्होंने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई। उन्होंने आगे कहा कि वह अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित और ईमानदार थीं। हालांकि सेट पर उनके बीच ज्यादा बातचीत नहीं हुई क्योंकि उनके अधिकांश दृश्य उनसे अलग थे, लेकिन जब भी उन्होंने बातचीत की, वह अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप रहीं। उन्हें रियल दिखाने की काफी कोशिश की गई लेकिन वह तो अनरियल हैं। सरबजीत के परिवार के साथ विकसित हुए रिश्ते के बारे में, रणदीप ने बताया कि फिल्म के निर्माण के दौरान, उन्होंने ऐश्वर्या की तुलना में सरबजीत की बहन के साथ एक मजबूत रिश्ता विकसित किया। उन्होंने उनके निधन पर खेद व्यक्त किया और उनकी चिता को आग देने की उनकी अंतिम इच्छा पूरी करने को याद किया। उन्होंने उल्लेख किया कि वह चाहते हैं कि उन्हें उनके साथ अधिक समय मिले, क्योंकि वह एक उल्लेखनीय महिला थीं, जिन्होंने सरबजीत के बच्चों की अच्छी देखभाल की, जो अब अच्छी तरह से सेटल्ड हैं। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म का वास्तविक जीवन की घटनाओं पर गहरा प्रभाव पड़ा।

जब मांगते थे उधार के कपड़े, आज हैं बॉलीवुड के सुपर स्टार हैं शाहिद कपूर

मुम्बई। अभिनेता शाहिद कपूर पेरेंट्स फिल्मों में काम करते हैं। लेकिन इसके बाद भी शाहिद को इंडस्ट्री में अपने पैर जमाने के लिए काफी स्ट्रगल करना पड़ा। अपने करियर की शुरूआत में शाहिद को दोस्तों से कपड़े उधार लेने पड़ते थे। तब वह ऑडिशन के लिए जाते थे। लेकिन अब शाहिद कपूर की गिनती इंडस्ट्री के सफल अभिनेताओं में होती है। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेता शाहिद कपूर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... **जन्म और परिवारः** दिल्ली में 25 फरवरी 1981 को शाहिद कपूर का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम पंकज कपूर है, जोकि अभिनेता हैं और मां का नाम नीलिमा अजीम है। शाहिद कपूर ने कई फिल्मों में काम किया है। लेकिन उनकी सफलता की कहानी सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है। उन्होंने अपनी मेहनत और संघर्ष के दम पर खुद को सफल अभिनेताओं के रूप में स्थापित किया। **बैक डांसरः** शाहिद कपूर ने महज 15 साल की उम्र में डांस में रुचि महसूस की और शामक डावर के संस्थान में एडमिशन लिया। यहां पर शाहिद ने न सिर्फ डांस सीखा बल्कि अपने अभिनय करियर की ओर भी कदम बढ़ाया। यहीं से शाहिद का सफर फिल्मों में बैकग्राउंड डांसर के रूप में शुरू हुआ। शाहिद ने फिल्म 'दिल तो पागल है' और 'ताल' आदि में बैकग्राउंड डांसर के रूप में काम किया। इसके अलावा वह शुरूआती दिनों में स्टेज शो भी परफॉर्म किया, जिससे उनका कॉन्फिडेंस बढ़ा। **टीवी विज्ञापनों में किया कामः** अभिनेता ने बॉलीवुड में नाम कमाने से पहले टीवी विज्ञापनों में काम करके अपनी पहचान बनाई। शाहिद कपूर कई ब्रांड्स के विज्ञापनों में नजर आए और कई म्यूजिक वीडियो में अभिनय किया। शाहिद कपूर ने कुमार सानू के म्यूजिक वीडियो 'आंखों में' में काम किया। यह अभिनेता के करियर में एक अहम मोड़ साबित हुआ। यहां से निर्माता रमेश तौरानी ने शाहिद को फिल्म में काम करने का ऑफर दिया। **असिस्टेंट डायरेक्टरः** शाहिद कपूर फिल्मों में आने से पहले अपने पिता के साथ सहायक निर्देशक के रूप में काम करते थे। उन्होंने साल 1998 में 'मोहनदास' नाम के टेलीविजन शो में अपने पिता पंकज कपूर के असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया। यह एक्सपीरियंस उनके लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हुआ। क्योंकि इससे उन्होंने फिल्म निर्माण की दुनिया को करीब से समझा।

इस फिल्म से मिली पहचानः अभिनेता शाहिद कपूर ने साल 2003 में फिल्म 'इश्क विश्क' से डेब्यू किया था। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म थी, जिसमें शाहिद ने कॉलेज स्टूडेंट का रोल किया था। यह फिल्म स्लीपर हिट साबित हुई। इस फिल्म के लिए शाहिद को सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेता का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। वहीं इस फिल्म के साथ ही शाहिद कपूर ने दर्शकों के दिलों में भी अपनी जगह बना ली थी। **हर रोल में जमाया रंगः** शाहिद कपूर के एक्टिंग करियर में कई तरह के मोड़ आए। अभिनेता ने फिल्मों में अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाईं और दर्शकों को अपनी प्रतिभा का सबूत दिया। किसी फिल्म में अभिनेता ने शर्मीले और आदर्शवादी युवक का रोल निभाया। तो किसी फिल्म में गुस्सैल प्रेमी बनकर फैंस के दिलों में गहरी छाप छोड़ी है।

प्रीति जिंटा ने शाहरुख खान के साथ डांस रिहर्सल का थ्रोबैक वीडियो शेयर किया

मुम्बई। अपने जमाने की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक प्रीति जिंटा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक थ्रोबैक वीडियो साझा किया। वीडियो में एक्ट्रेस को शाहरुख खान के साथ डांस परफॉर्मेंस की रिहर्सल करते देखा जा सकता है। अपने पोस्ट में उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें दो रातों तक नींद नहीं आई और उन्हें 'ज़ॉम्बी' जैसा महसूस हुआ। उन्हें यह भी याद आया कि कैसे शाहरुख ने अपने 'आसान आकर्षण और सामयिक चुटकुलों' से उनका दिन खुशनुमा बना दिया था। उन्होंने वीडियो के साथ लिखा ''यह हम एक अवॉर्ड शो के लिए रिहर्सल कर रहे थे। मुझे याद है कि मुझे दो दिनों तक नींद नहीं आई थी और मैं एक ज़ॉम्बी की तरह महसूस कर रहा था। मैंने अपने सहज आकर्षण और सामयिक चुटकुलों से दिन और रिहर्सल को शानदार बनाने में मदद की। प्रीति द्वारा वीडियो साझा करने के तुरंत बाद, प्रशंसकों ने इस पर तुरंत प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, ''वीर जारा एक फिल्म नहीं है, यह भावनाएं हैं। बता दें, प्रीति जिंटा और शाहरुख खान ने वीर जारा, कल हो ना हो और कभी अलविदा ना कहना सहित कई फिल्मों में एक साथ काम किया है। इस बीच, ऐंड्रे ने 2023 में तीन बैक-टू-बैक ऑल-टाइम ब्लॉकबस्टर देकर बड़े पर्दे पर अपनी ब्लॉकबस्टर वापसी की।

दोस्त सलमान खान के पिता के लिए परेशान आमिर खान,बोले-सलीम साहब जल्द घर लौटें

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता आमिर खान ने कहा कि वह दिग्गज पटकथा लेखक सलीम खान के परिवार के संपर्क में हैं और परिवार के सदस्यों ने उन्हें बताया कि उनकी (सलीम खान की) सेहत में सुधार हो रहा है। सलीम खान के बेटे सलमान खान के करीबी दोस्त आमिर ने बताया कि वह हाल में 90 वर्षीय लेखक से मिलने लीलावती अस्पताल गए थे लेकिन आईसीयू में भर्ती होने के कारण उनसे मिल नहीं पाए। आमिर ने बुधवार शाम संवाददाताओं से कहा, 'मैं सलीम साहब से मिलने गया था और हम सब उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। चूंकि वह आईसीयू में हैं इसलिए मैं उनसे व्यक्तिगत रूप से नहीं मिल पाया लेकिन मैं परिवार से मिला।'' उन्होंने कहा, 'अलवीरा (सलमान की बहन) मुझे हर रोज बताती हैं कि उनकी (सलीम खान की) सेहत में सुधार हो रहा है। हम सब प्रार्थना कर रहे हैं कि वह जल्द घर लौट आएं और पूरी तरह स्वस्थ हो जाएं।' सलीम खान को जावेद अख्तर के साथ उनकी मशहूर लेखक जोड़ी के लिए जाना जाता है। सलीम-जावेद के नाम से मशहूर इस जोड़ी ने हिंदी सिनेमा की कुछ सबसे लोकप्रिय फिल्मों की पटकथा लिखी, जिनमें 'शोले', 'दीवार', 'जंजीर' और 'डॉन' शामिल हैं। सलीम खान को मंगलवार को बांद्रा के लीलावती अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। सलीम खान का इलाज कर रहे चिकित्सकों के समूह में शामिल डॉ. जलील डी पारकर ने पिछले सप्ताह बताया कि सलीम खान को मस्तिष्क में रक्तस्राव हुआ था, जिसका इलाज किया जा चुका है और एहतियात के तौर पर उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है और उनकी हालत स्थिर है। उसके बाद से चिकित्सकों ने परिवार की निजता बनाए रखने के लिए सलीम खान के स्वास्थ्य के बारे में कोई बयान देने से परहेज किया है।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।